दैनिक **सांध्य प्रकाश**
भोपाल की धड़कन
वर्ष 52/ अंक 203/ पृष्ठ 8 / मूल्य ₹ 2.10
संस्थापक- स्व. सुरेंद्र पटेल
■आर.एन.आई 22296/71 ■डाक पंजीयन मप्र/भोपाल/125/12-14
भोपाल, शनिवार 4 मार्च 2023 भोपाल से प्रकाशित
dainiksandhyaprakash.in

जिस गलवां घाटी में 2020 में चीनी सेना के साथ खूनी झड़प हुई थी, वहीं भारतीय सेना के जवानों ने क्रिकेट खेला। सेना ने घोड़ों और खच्चरों पर गलवां घाटी के पास सर्वे भी किया। इसके अलावा पैंगोंग झील पर हाफ मैराथन जैसी गतिविधियों का आयोजन भी किया।

मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में बैंकर्स समिति की बैठक

योजनाओं में ऋण के लक्ष्य पूर्ण करें बैंक : शिवराज

भोपाल। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की अध्यक्षता में राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति की 185 वीं बैठक समत्व भवन के मंथन कक्ष में हुई। श्री चौहान ने विभिन्न ऋण योजनाओं की समीक्षा कर वित्त वर्ष समाप्त होने के पूर्व लक्ष्य पूर्ण करने के निर्देश दिए, ताकि योजनाओं का लाभ अधिकतम हितग्राहियों को मिले। बैठक में बैंकर्स ने आश्वस्त किया कि बहनों के कल्याण की मुख्यमंत्री लाडली बहना योजना के क्रियान्वयन में बैंक से जुड़ी प्रक्रिया में कोई कठिनाई नहीं आने देंगे और बहनों को पूरा सहयोग प्राप्त होगा।

बैठक में वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा, मुख्य सचिव इकबाल सिंह बैंस सहित वरिष्ठ अधिकारी और बैंकों के प्रतिनिधि उपस्थित थे। बैंकर्स ने राज्य में संतुलित और लोक कल्याण पर केंद्रित बजट प्रस्तुत करने के लिए मुख्यमंत्री श्री चौहान को बधाई दी। बैठक में कृषि ऋण, बैंकों की नई शाखाएं प्रारंभ करने, स्वरोजगार योजनाओं की प्रगति जिसमें मुख्यमंत्री उद्यमी योजना, भगवान बिरसा मुंडा स्वरोजगार योजना, संत रविदास स्वरोजगार योजना, टंट्या मामा आर्थिक कल्याण योजना, प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम, डॉ भीमराव अंबेडकर आर्थिक कल्याण योजना, पीएम स्व निधि, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन, मुख्यमंत्री ग्रामीण पथ विक्रेता योजना, प्रधानमंत्री मुद्रा योजना और अन्य योजनाओं के लिए अधिकारियों को हितग्राहियों को यथा समय ऋण और आर्थिक सहायता देने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री चौहान ने पथ विक्रेताओं के कल्याण के लिए पूर्व में प्रथम स्थिति के बाद द्वितीय चरण में भी देश में प्रथम स्थिति प्राप्त करने के प्रयास करने के लिए कहा। स्ट्रीट वेंडर्स के कल्याण की योजना के अंतर्गत जिन हितग्राहियों ने 10,000 की ऋण राशि लौटा दी है उन्हें योजना के अंतर्गत उन्हें पुनः ऋण प्राप्त करने की पात्रता होती है। द्वितीय ट्रांच में 20 हजार रुपए देने की व्यवस्था है।

लाडली बहना योजना की विधिवत लांचिंग कल

मुख्यमंत्री लाडली बहना योजना की विधिवत लांचिंग कल होगी। श्री चौहान ने बताया कि योजना के लिए अभी आय और मूलनिवासी प्रमाण पत्र नहीं मांगे जा रहे हैं। योजना के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी लांचिंग कार्यक्रम में दी जाएगी। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि बहनों को परेशान नहीं होना पड़ेगा। योजना के लिए प्रपत्र भरवाने का कार्य वार्ड स्तर पर कार्यकर्ताओं और प्रशासनिक अमले के सहयोग से प्रारंभ होगा।

पेगासस कांग्रेस के डीएनए में है: चौहान

भोपाल। सीएम शिवराज ने कांग्रेस और राहुल गांधी पर हमला करते हुए कहा है कि पेगासस फोन में नहीं, कांग्रेस के डीएनए में है। पेगासस राहुल गांधी के दिमाग में है। मुझे उनकी बुद्धि पर तरस आता है। कांग्रेस का नया एजेण्डा है, विदेशी धरती पर भारत को बदनाम करो। उन्होंने कहा कि विदेशी धरती पर देश की आलोचना करना देश विरोधी कदम है। कांग्रेस और राहुल गांधी को देश और देश की जनता कभी माफ नहीं करेगी। कांग्रेस देश से साफ होती जा रही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी लोगों के दिल में बसे हैं। देश की कीर्ति और प्रतिष्ठा दुनिया में चारों तरफ बढ़ रही है। पूरी दुनिया के राष्ट्र प्रमुख कहते हैं, मोदी जैसा कोई नहीं।

जन्मदिन नहीं मनाऊंगा, काम करूंगा

जन्मदिन प्रत्येक व्यक्ति के जीवन में महत्वपूर्ण होता है, अतः इस समय को महत्वपूर्ण कामों में ही लगाना चाहिये। इसलिए मैंने तय किया है कि जन्मदिन नहीं मनाऊंगा, काम करूंगा। यदि आपको मुझसे प्रेम है, तो आप जहां रहते हैं, वहीं पौधे लगायें, इससे बड़ी शुभकामना मेरे लिए कुछ और नहीं है।

सांध्यप्रकाश विशेष

विराट कोहली और अनुष्का महाकाल की भस्म आरती में शामिल हुए

उज्जैन। ऑस्ट्रेलिया से तीसरे दिन टेस्ट मैच हारने के बाद बचे दो दिन खिलाड़ियों के लिए रेस्ट के रहे। इसका उपयोग करते हुए विराट कोहली और अनुष्का शर्मा दर्शन के लिए उज्जैन के महाकालेश्वर मंदिर पहुंचे। दोनों भस्मारती में शामिल हुए और गर्भगृह में जाकर पूजा भी की।

महाकाल ज्योतिर्लिंग की शरण में कुछ दिनों से वीआईपी श्रद्धालुओं का तांता लग रहा है। टीम इंडिया के कप्तान रह चुके बल्लेबाज विराट कोहली एक्ट्रेस पत्नी अनुष्का शर्मा के साथ महाकाल मंदिर पहुंचे और तड़के होने वाली भस्म आरती में भी शामिल हुए। विराट कोहली और बॉलीवुड एक्ट्रेस अनुष्का शर्मा शनिवार अल सुबह महाकाल मंदिर पहुंचे, यहां दोनों ने भगवान महाकाल की तड़के चार बजे होने वाली भस्म आरती में शमिल होकर भगवान का आशीर्वाद लिया। दर्शन के बाद विराट ने मीडिया से जय महाकाल कहा तो अनुष्का ने कहा कि महाकाल मंदिर आकर भगवान महाकाल का आशीर्वाद लेकर बहुत अच्छा लगा।

करीब डेढ़ घंटे तक मंदिर के नंदी हाल में बैठकर भस्म आरती में भगवान का आशीर्वाद लिया। आरती होने के बाद दोनों ने मंदिर के गर्भगृह में जाकर पंचामृत पूजन अभिषेक किया। विराट और अनुष्का भक्ति और आध्यात्म के माहौल में रमे हुए नजर आए। विराट ने गले में रुद्राक्ष की माला थी। साथ ही मस्तक पर चन्दन का बड़ा त्रिपुण लगाकर धोती सोला पहने हुए भगवान महाकाल का ध्यान लगाकर बैठे दिखाई दिए। अनुष्का शर्मा भी साडी में नजर आईं। इस दौरान वे भी महाकाल भगवान की भक्ति में लीन दिखाई दी।

मुझे और मेरे बच्चों को सिर्फ 81 रुपए के साथ घर से धक्का देकर निकाला, नवाजुद्दीन सिद्दीकी की पत्नी का दावा

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेता नवाजुद्दीन सिद्दीकी की अलग रह रही पत्नी ने शुक्रवार को बंबई उच्च न्यायालय को सूचित किया कि उन्हें और उनके दो नाबालिग बच्चों को उपनगरीय मुंबई में उनकी सास के आवास से धक्का मारकर बाहर निकाल दिया गया और आर्थिक सहायता के लिए उनके पास कोई नहीं है.।

अभिनेता की पत्नी की ओर से पेश अधिवक्ता रिजवान सिद्दीकी ने न्यायमूर्ति ए एस गडकरी और न्यायमूर्ति पी डी नाइक की पीठ को बताया कि अलग रह रहे दंपति के बीच स्थिति काफी खराब थीं। पीठ नवाजुद्दीन सिद्दीकी द्वारा दायर बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें अभिनेता ने अनुरोध किया है कि उसकी अलग रह रही पत्नी को बच्चों को अदालत के समक्ष पेश किया जाए। अभिनेता (48) ने दावा किया था कि उसकी पत्नी बच्चों को बिना बताए दुबई से भारत ले आई थी और स्थान बदलने से उनकी शिक्षा प्रभावित हो रही थी, क्योंकि वे स्कूल नहीं जा रहे थे। नवाजुद्दीन सिद्दीकी की पत्नी बच्चों के साथ मुंबई में अपनी सास के घर रह रही थीं। शुक्रवार को अधिवक्ता सिद्दीकी ने अदालत को बताया कि अभिनेता की पत्नी और उनके दो बच्चों (12 साल की बेटी और सात साल के बेटा) को घर से सिर्फ 81 रुपये के साथ बाहर निकाल दिया गया है। उन्होंने कहा कि तीनों अब एक रिश्तेदार के यहां रह रहे हैं. उन्होंने कहा कि जहां लड़का अभी बहुत छोटा है, वहीं लड़की ने अपने पिता से मिलने से साफ इनकार कर दिया। अदालत ने अधिवक्ता सिद्दीकी को इन सभी विवरणों को एक हलफनामे में देने का निर्देश दिया और कहा कि मामले की आगे की सुनवाई एक सप्ताह के बाद की जाएगी।

जगदाले का बड़ा आरोप

भारत-आस्ट्रेलिया के लिए जो पिच बनी, उस पर तो मैच हुआ ही नहीं

इंदौर। भारत का अभेद्य किला कहलाने वाले इंदौर के होलकर स्टेडियम में मेजबान पहली बार टेस्ट हारा। वह भी सवा दो दिन में। शाम को आइसीसी ने पिच को खराब करार देते हुए तीन नकारात्मक अंक दे दिए। उधर, बीसीसीआइ के पूर्व सचिव संजय जगदाले ने आरोप लगाया कि भारत-आस्ट्रेलिया मैच के लिए जो पिच तैयार की गई थी, उस पर तो मैच हुआ ही नहीं। ऐनवक्त पर पिच बदल दी गई। उन्होंने कहा, अचानक पिच बदलने की जरूरत क्यों पड़ी और यह किसके

आदेश पर किया गया, उन्हें आगे आकर जिम्मेदारी लेना चाहिए। बीसीसीआइ के पूर्व सचिव जगदाले ने कहा कि इंदौर के विकेट पर क्या हुआ, यह सबने देखा, मगर सवाल यह है कि ऐसा विकेट किसके कहने पर तैयार हुआ? इतना तय है कि इसके पीछे मध्य प्रदेश क्रिकेट संगठन का कोई चेहरा नहीं है। इंदौर में टेस्ट के लिए लाल मिट्टी का विकेट तैयार किया जा रहा था।

इंदौर में क्रिकेटर्स की सुरक्षा में चूक, पुजारा संग सेल्फी ली, एक गिरफ्तार

इंदौर के होलकर स्टेडियम में भारत-आस्ट्रेलिया क्रिकेट मैच के दौरान दो फैन भारतीय खिलाड़ियों के ड्रेसिंग रूम तक पहुंच गए। ये बात भी सामने आ रही है कि इनमें से एक फैन ने क्रिकेटर चेतेश्वर पुजारा के साथ सेल्फी भी ली। इसकी जानकारी मिलते ही पुलिस महकमा और एमपीसीए के अधिकारी भी सक्ते में आ गए। पुलिस ने दोनों फैन को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने मेवाती मोहल्ला के रहने वाले कय्यूम पिता मोहम्मद जाकिर मेव और जावेद पिता मो. यूसुफ को गिरफ्तार किया है।

मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री स्व. श्री अर्जुन सिंह की पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि देते हुए पूर्व केन्द्रीय मंत्री सुरेश पचौरी, पीसी शर्मा, विभा पटेल, जवाहर पंजाबी आदि कांग्रेस जन।

भोपाल। प्रदेश भाजपा कार्यालय में आज बूथ विस्तारक योजना को लेकर बैठक हुई, जिसमें प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा, प्रभारी मुरलीधर राव, संगठन महामंत्री हितानंद, महामंत्री भगवान दास सबनानी प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

ऑस्ट्रेलिया में फिर निशाना बना हिंदू मंदिर, खालिस्तान समर्थकों ने की तोड़फोड़

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलिया में खालिस्तान समर्थकों ने एक बार फिर एक हिंदू मंदिर को निशाना बनाया है। बता दें कि शनिवार को ब्रिस्बेन के मशहूर श्री लक्ष्मी नारायण मंदिर में खालिस्तान समर्थकों ने तोड़फोड़ की। मंदिर के अध्यक्ष सतिंदर शुक्ला ने स्थानीय मीडिया से बात करते हुए बताया कि सुबह के समय श्रद्धालु मंदिर में पूजा-पाठ के लिए पहुंचे थे, इसी दौरान उन्होंने देखा कि मंदिर की दीवार को क्षतिग्रस्त कर दिया गया है। हिंदू ह्युमन राइट्स की निदेशक सारा गेट्स का कहना है कि सिख फॉर जस्टिस की तर्ज पर इस घृणा अपराध को अंजाम दिया गया है। यह ऑस्ट्रेलिया में रह रहे हिंदुओं को डराने के लिए किया गया है।

बता दें कि विदेशी धरती पर हिंदू आस्था पर चोट करने

का यह पहला मामला नहीं है। इससे पहले जनवरी में ऑस्ट्रेलिया के कैरम डाउन इलाके में स्थित श्री शिवा विष्णु मंदिर पर भी भारत विरोधी नारे लिख दिए गए थे।

सोशल मीडिया के दौर में सब्र और सहिष्णुता नहीं बची: सीजेआई

नई दिल्ली। देश के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने शुक्रवार को कहा कि हम ऐसे दौर में रह रहे हैं जहां लोगों में सब्र और सहिष्णुता कम है। सोशल मीडिया के दौर में अगर कोई आपकी सोच से सहमत नहीं है तो वह आपको ट्रोल करना शुरू कर देता है। उन्होंने कहा, सोशल मीडिया पर फेक न्यूज जिस रफ्तार से फैलती है, उसके चलते सच्चाई विक्टिम बन गई है। एक झूठी बात बीज की तरह जमीन में बोई जाती है और यह बड़ी थ्योरी में बदल जाती है, जिसे तर्क के आधार पर तौला नहीं जा सकता है।

भोपाल। श्रीराम कथा छावनी पठार में सामूहिक हनुमान चालीसा का पाठ किया गया। 51 हज़ार हनुमान चालीसा पाठ की श्रृंखला में हुजूर विधान सभा में चल रहे हनुमान चालीसा पाठ में विष्णु विश्वकर्मा मित्र मंडल हुजूर विधान सभा भोपाल भी सहभागी बने।

ग्रामीण क्षेत्र में पशु चिकित्सा उपकेन्द्र खोलने की सोसायटी ने की मांग

संत हिरदाराम नगर। श्री राधाकृष्ण गौ सेवा संवर्धन सोसायटी ने सीहोर रोड़ पर ग्रामीण क्षेत्र में पशु चिकित्सा उपकेन्द्र खोलने की मांग चिकित्सा अधिकारी से की है। सोसायटी के अध्यक्ष जीतू कटारिया ने बताया कि बैरागढ़ कला, नई बस्ती, भैंसाखेड़ी, जमुनिया, कोलूखेड़ी, ग्राम भौंरी में गोवंश के लिए कोई भी पशु चिकित्सालय नहीं है। जिससे ग्रामीण क्षेत्र में गोवंश के दुर्घटना या बीमार होने की अवस्था में समय पर उपचार नहीं मिल पाता है। इस स्थिति में सोसायटी के लोगों को गंभीर अवस्था में बैरागढ़ हॉस्पिटल या भोपाल की ओर जाना पड़ता है। सोसाइटी ने इन समस्याओं को देखते हुए जिला पशु चिकित्सा अधिकारी से यह मांग की है कि ग्रामीण क्षेत्र में एक डिस्पेंसरी खोली जाए जिससे लोगों को सुविधा मिल सके।

मातृछाया में बधाई गीतों के बीच नामकरण एवं कर्ण छेदन संपन्न

मातृछाया की शिशुओं के लालन-पालन, शिक्षा-दीक्षा के बाद पहली प्राथमिकता जैविक अभिभावकों को सौंपना: रामेंद्र सिंह

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

सेवा भारती द्वारा संचालित मातृछाया शिशु कल्याण केंद्र में नवशिशुओं का नामकरण एवं कर्ण छेदन संस्कार भजन मंडली के द्वारा बधाई गीत और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के बीच अतिथि श्रीमती निधि शर्मा, मुख्य वक्ता के रूप में क्षेत्रीय संगठन मंत्री सेवा भारती रामेंद्र सिंह किशन सूर्यवंशी अध्यक्ष भोपाल नगर निगम की अध्यक्षता में दीप प्रज्वलन के साथ प्रारंभ हुआ मुख्य वक्ता क्षेत्रीय संगठन मंत्री रामेंद्र सिंह ने मातृछाया के द्वारा शिशुओं के केंद्र में प्रारंभ से गोद लेने तक की प्रक्रिया को बताया और प्राथमिकता के आधार पर बायोलॉजिकल अभिभावकों सौंपने की कार्यप्रणाली बताई अध्यक्षता कर रहे किशन सूर्यवंशी ने मातृछाया के कार्यकलापों की वर्तमान परिवेश में सराहना की इससे पूर्व सुनील माहेश्वरी ने स्वागत भाषण पढ़ा मीडिया प्रभारी भगवानदास ढालिया ने बताया इस अवसर पर महिला संयोजिका आभा पांडेय सुषमा विश्वकर्मा के मार्गदर्शन में गुल्लक भी उपलब्ध कराए गए। सेवा भारती महिला स्वयं सहायता समूहों द्वारा बनाए गए उत्पाद भी उत्साह के साथ खरीदे गए इस अवसर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रांत संघचालक अशोक जी पांडे ,सेवा प्रमुख प्रदीप खंडेकर, गोरेलाल जी, गोपाल कृष्ण गोदानी, विमल त्यागी, राज नारायण अग्निहोत्री, लक्ष्मेन्द्र महेश्वरी, करण सिंह कौशिक ,धनीराम पंवार,अजीत माधवानी, आदि उपस्थित रहे कार्यक्रम का संचालन जया केतकी शर्मा, ओर आभार सुधीर मुणोत ने किया इस अवसर पर भारी संख्या में गणमान्य जन उपस्थित थे

साधु वासवानी स्कूल में होगा कंडों से सुशोभित होलिका का दहन

संत हिरदाराम नगर। सुधार सभा द्वारा संचालित साधु वासवानी स्कूल के मैदान परिसर में 7 मार्च को शाम 6 बजे कंडों की होलिका का दहन किया जाएगा। शिक्षाविद् विष्णु गेहानी ने सभी को संबोधित करते हुए कहा कि पर्यावरण को शुद्व व वनों को सुरक्षित रखने के लिए लकड़ियों की खपत न करें, होली एक पवित्र पर्व हैं इसे आपस में प्रेम व भाईचारे के साथ मनाएं, होलिका दहन पर गोकाष्ट एवं कंडों का प्रयोग करके पर्यावरण को शुद्व रखें इस त्यौहार पर पानी बचाएं क्योंकि जल है तो कल है अर्थात जल ही जीवन है इस प्रकार गुलाल का टीका लगाकर ईको फ्रैंडली होली मनाएं। साथ ही विद्यार्थियों से भी यह आव्हान किया गया कि कैमीकल युक्त रंगों से होली न खेलें इससे आंखों और त्वचा संबंधी बीमारियां होती है इसके स्थान पर गुलाल व फूलों की होली मनाएं।

स्नातक कार्यक्रमों में प्रवेश के लिए अज़ीम प्रेमजी विश्वविद्यालय की 2023 की घोषणा

भोपाल । अज़ीम प्रेमजी विश्वविद्यालय, बेंगलुरु ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के अनुरूप संरचित अपने नए चार-वर्षीय स्नातक कार्यक्रमों में प्रवेश की घोषणा की है। कार्यक्रमों का उद्देश्य सामाजिक रूप से सजग, आत्म-शिक्षण में सक्षम, जागरूक और चिंतनशील युवा नागरिकों को तैयार करना और उन्हें प्रोत्साहन देना है। कार्यक्रमों में चार एकीकृत तत्व शामिल हैं - एक प्रबल मुख्य या मेजर विषय, गहन इंटर्नशिप के साथ व्यावसायिक तैयारी पर केंद्रित एक अंत:विषय घटक, दुनिया के साथ मिल जुल कर प्रभावी ढंग से कार्य करने एवं क्षमताओं को विकसित करने के लिए डिज़ाइन किए गए मूलभूत पाठ्यक्रमों का एक सेट और लचीले क्रेडिट की एक पूरी श्रृंखला है, जिससे छात्रों को अपनी रुचियों की व्यापक पड़ताल का अवसर मिल सकें। 2023 प्रवेश प्रक्रिया दूसरा दौर आवेदन की आख़िरी तारीख़ 9 मार्च, 2023। राष्ट्रीय प्रवेश परीक्षा 9 अप्रैल, 2023 व्यक्तिगत साक्षात्कार अप्रैल-मई, 2023। प्रवेश प्रस्ताव मई, 2023 कक्षाएं शुरू होने की तारीख़ जुलाई, 2023 के अंत में। 2023 प्रवेश प्रक्रिया दूसरा दौर आवेदन की आख़िरी तारीख़ 9 मार्च, 2023। राष्ट्रीय प्रवेश परीक्षा 9 अप्रैल, 2023 व्यक्तिगत साक्षात्कार अप्रैल-मई, 2023। प्रवेश प्रस्ताव मई, 2023 कक्षाएं शुरू होने की तारीख़ जुलाई, 2023 के अंत में। *तारीख़ों में बदलाव भी हो सकते हैं। अज़ीम प्रेमजी विश्वविद्यालय, भोपाल शैक्षणिक वर्ष जुलाई 2023 से आरंभ होगा और इसी तरह के स्नातक कार्यक्रम और स्नातकोत्तर कार्यक्रम पेश करेगा।

ज्यूडिशियरी गोल्ड के छात्रों ने एमपीसीजे 2021 परीक्षा में रिकॉर्ड तोड़ सफलता हासिल की

भोपाल । मध्य प्रदेश सिविल जज (एमपीसीजे) 2021 परीक्षा में ज्यूडिशियरी गोल्ड के छात्रों ने बेहतरीन परिणाम प्राप्त किया। भारत के अग्रणी डिजिटल लर्निंग प्लेटफॉर्म टॉपरैंकर्स ने फिर से अपने स्तर को ऊंचा कर दिया है। ज्यूडिशियरी गोल्ड के मेधावी छात्रों ने परीक्षा में शीर्ष रैंक हासिल की हैं जिसमें दूसरा, पांचवां और छठा स्थान भी है। मध्य प्रदेश सिविल जज की परीक्षा एक बेहद प्रतिस्पर्धी राज्य स्तरीय परीक्षा है जो उम्मीदवारों को न्यायपालिका में एक प्रतिष्ठित स्थान हासिल करने का अवसर प्रदान करती है। बेहतरीन परिणामों पर अपनी खुशी जताते हुए, श्री गौरव गोयल, मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) और टॉपरैंकर्स के सह-संस्थापक ने कहा, हम एमपीसीजे 2021 परीक्षा में अपने छात्रों के बेहतरीन प्रदर्शन से खुश हैं। यह हमारे छात्रों की कड़ी मेहनत और समर्पण के साथ ही हमारी अत्यधिक अनुभवी टीम के अनुभव और सिखाने के उत्तम नजरिये का प्रमाण है। ये ऐतिहासिक परिणाम भारत के अग्रणी डिजिटल लर्निंग प्लेटफॉर्म के रूप में हमारी स्थिति को मजबूत करते हैं, और हम अपने कैरियर के लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए और अधिक छात्रों की सहायता करने के लिए तत्पर हैं। इस साल की भर्ती प्रक्रिया में 270 प्रतिभागी शामिल थे, इनमें से 147 उम्मीदवार सिविल जज के पद तक पहुंचे।

कैलिफ़ोर्निया वॉलनट्स मार्च में शुरू करेगा अपना पावर ऑफ 3 कैंपेन

भोपाल। कैलिफ़ोर्निया वॉलनट्स ओमेगा-3 अल्फा-लिनोलिक एसिड (एएलए) के स्वास्थ्य संबंधी फायदों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के साथ-साथ आहार में ओमेगा-3 की खुराक बढ़ाने में अखरोट के विलक्षण गुणों की भूमिका को उजागर कर रहा है। अखरोट पेड़ों पर लगने वाला एकमात्र नट है जो वनस्पति-आधारित ओमेगा-3 एएलए (प्रत्येक 28 ग्राम अखरोट में 2.5 ग्राम) का शानदार स्रोत है। अनुसंधान से संकेत मिलता है कि हृदय की सेहत, मस्तिष्क की सेहत और स्वस्थ बुढ़ापा में ओमेगा-3 एएलए मददगार हो सकता है।1-6 असल में, वर्ष 2022 में ऐडवांसेस इन न्यूट्रीशन में प्रकाशित एक अध्ययन से पता चला कि ओमेगा-3 एएलए और हृदयधमनी से सम्बंधित परिणामों पर संचित साक्ष्य को देखते हुए हृदय के लिए स्वास्थ्यकर आहार में खाद्य के ज्यादा एएलए वाले स्रोतों को शामिल करना चाहिए।जहाँ अनुसंधान अखरोट के स्वास्थ्य संबंधी फायदों को लगातार पुष्ट कर रहे हैं, वहीं अखरोट को खाद्य के रूप में इस्तेमाल करना आसान है जिन्हें चलते-फिरते खाया जा सकता है या भोजन के तहत अपने रोजाना के आहार में शामिल किया जा सकता है। वे अपने-आप में स्वादिष्ट होते हैं, लेकिन सलाद, दही, या सिंकी हुई चीजों के साथ भी शानदार लगते हैं।

स्वास्थ्य एवं कल्याण केन्द्रों में आई केयर सेवाएं उपलब्ध कराने की साझेदारी

भोपाल। वन साइट एस्सिलर लक्ज़ोटिका फाउन्डेशन ने स्वास्थ्य एवं कल्याण केन्द्रों में सशक्त आईकेयर सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए मध्य प्रदेश सरकार और जीएचपीआईईजीओ के साथ साझेदारी की है, जिससे मध्य प्रदेश में आई केयर सेवाओं (नेत्र देखभाल सेवाओं) की सुलभता में सुधार होगा।

''हमें खुशी है कि स्वास्थ्य एवं कल्याण केन्द्रों में नेत्र देखभाल सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए हमें मध्य प्रदेश सरकार को सहयोग प्रदान करने का मौका मिला है। हमें उम्मीद है कि आई मित्रा के सहयोग से हम मध्य प्रदेश के समुदायों में नेत्रों की समस्याओं को हल करने में योगदान दे सकेंगे।'' अनुराग हंस, हैड-एस्सिलर लक्ज़ोटिका मिशन एवं प्रेज़ीडेन्ट- वन साइट एस्सिलर लक्ज़ोटिका फाउन्डेशन ने कहा। ''हमें उम्मीद है कि जेएचपीआईईजीओ और यूएसएआईडी के साथ हमारी साझेदारी इस पहल को सफल बनाएगी और ज़्यादा से ज़्यादा लोगों की आंखों के स्वास्थ्य में सुधार लाने में मदद करेगी।''

यह साझेदारी सरकार की मौजूदा 'आयुष्मान भारत' योजना के अनुसार देश भर के 150,000 से अधिक स्वास्थ्य एवं कल्याण केन्द्रों के नेटवर्क के माध्यम से व्यापक प्राइमरी हेल्थकेयर सुविधाओं को सुलभ बनाएगी। भारत में तकरीबन 550 मिलियन लोग रहते हैं- इनमें से 43 फीसदी लोग किसी न किसी दृष्टि दोष से पीड़ित हैं (यानि उनकी नज़र कमज़ोर है)। इसके चलते देश की अर्थव्यवस्था को हर साल रु 300,000 करोड़ का नुकसान होता है। ऐसे में मौजूदा स्वास्थ्यसेवा केन्द्रों में व्यापक आई केयर सेवाओं को उपलब्ध कराने से देश के विभिन्न वर्गों के नागरिक आसानी से इन सेवाओं का लाभ उठा सकेंगे। वन साइट एस्सिलर लक्ज़ोटिका फाउन्डेशन अपने साझेदारों के साथ मिलकर काम करते हुए सुनिश्चित करेगा कि आई मित्रा नेटवर्क के ज़रिए उच्च गुणवत्ता की प्राथमिक आई केयर सेवाएं सभी के लिए सुलभ हों। इस साझेदारी के तहत आई केयर के प्रभावी प्रबन्धन के लिए रेफरल सेंटरों के साथ संबंधों को भी मजबूत बनाया जाएगा। इस प्रोग्राम के तहत आधुनिक समाधानों एवं तकनीकों के प्रभाव का परीक्षण किया जाएगा, जिसके लिए पार्टनर्स ने टैली-रिफ्लेक्शन एवं टैली-ऑप्थेल्मोलोजी पायलट परियोजनाओं की योजना बनाई है।

उड़ीसा में आयोजित पहल की सफ्लता के बाद इस साझेदारी की घोषणा की गई, जहां 73 आई मित्रा ने 196 स्वास्थ्य एवं कल्याण केन्द्रों को सहयोग प्रदान किया था। इन प्रयासों के परिणामस्वरूप 11,000 लोगों को नि:शुल्क चश्मे मुहैया कराए गए थे।

निगम परिषद अध्यक्ष ने किया सोनचिरैया होली महोत्सव मेले का शुभारंभ

भोपाल । निगम परिषद अध्यक्ष ने दीनदयाल अंत्योदय योजना-राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन के तहत सोनचिरैया होली महोत्सव मेले का फीता काटकर शुभारंभ किया। नगर निगम द्वारा स्वसहायता समूहों के उत्पादों को विक्रय एवं प्रदर्शनी की सुविधा के साथ ही उनके आर्थिक उन्नयन के दृष्टिगत समय समय पर प्रदर्शनी से विक्रय मेलों का आयोजन किया जाता है। इसी तारतम्य में स्वसहायता समूहों की महिलाओं द्वारा रंग उत्सव से संबंधित उत्पादों सहित अन्य प्रकार के उत्पादों की प्रदर्शनी एवं बिक्री हेतु सोनचिरैया होली महोत्सव का आयोजन किया गया है। मेले के शुभारंभ अवसर पर निगम की अपर आयुक्त टीना यादव सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे। सोनचिरैया होली महोत्सव का शुभारंभ करने के उपरांत निगम परिषद अध्यक्ष किशन सूर्यवंशी ने स्वसहायता समूहों की महिलाओं द्वारा लगाये गये स्टॉलों पर जाकर हर्बल गुलाल सहित विभिन्न प्रकार के उत्पादों का अवलोकन किया एवं शुद्ध व स्वादिष्ट व्यंजनों का स्वाद भी लिया और इन उत्पादों/व्यजनों की गुणवत्ता आदि की सराहना करते हुए कहा कि स्वसहायता समूहों की बहिनों द्वारा तैयार किये गये गुणवत्तापूर्ण उत्पादों की खरीददारी शहरवासियों को यहीं से करना चाहिये। दीनदयाल अंत्योदय योजना-राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन के अंतर्गत होली महोत्सव मेला शुक्रवार 03 मार्च 2023 से रविवार 05 मार्च 2023 तक शिवाजी नगर नूतन कॉलेज के सामने स्थित महिला हॉकर्स कार्नर में आयोजित किया गया है जिसमें स्वसहायता समूह की महिलाओं ने 32 स्टॉल लगाये हैं।

लखनऊ में स्टेट हैण्डलूम एक्स-पो में मध्यप्रदेश के उत्पादों की धूम

भोपाल । उत्तरप्रदेश की राजधानी लखनऊ में स्टेट हैण्डलूम एक्स-पो 2023 में मध्यप्रदेश के उत्पाद आकर्षण का केन्द्र बने हुए हैं। विकास आयुक्त (हाथकरघा मंत्रालय) नई दिल्ली और मध्यप्रदेश के कुटीर एवं ग्रामोद्योग विभाग के संत रविदास हस्तशिल्प एवं हथकरघा विकास निगम द्वारा आयोजित इस एक्स-पो का शुभारंभ उत्तरप्रदेश की अपर मुख्य सचिव अनिता भटनागर जैन ने शुभारंभ किया। एक्स-पो 14 मार्च 2023 तक चलेगा। इसमें मध्यप्रदेश सहित 8 राज्यों के बुनकर भागीदारी कर रहे हैं।

आईसीपीएल रेडबुल कप टी 20 क्रिकेट प्रतियोगिता में बंसल कॉलेज ने आईईएस को 23 रनों से हराया

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

बीएसएसएस कॉलेज और यूआईटी आरजीपीवी के बीच खेला गया जिसमें बीएसएसएस कॉलेज में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवर में 7 विकेट के नुकसान पर 187 रन बनाए जिसमें गुरु प्रसाद मिश्रा ने 45 गेंदों में 9 चौके और दो छक्कों की मदद से 66 अनुराग यादव ने 16 गेंदों में 37 एवं अलीजर खान ने नाबाद 16 रनों का योगदान दिया वही यूआईटी आरजीपीवी की ओर से गेंदबाजी करते हुए मजहर अली ने 4 ओवर में 40 रन देकर 2 एवं शिवेश प्रसाद ने 3.2 ओवर में 18 रन देकर दो सफलताएं अर्जित की

बाद में बल्लेबाजी करने उतरी यूआईटी आरजीपीवी की टीम 18 ओवर में 10 विकेट पर 113 रन ही बना सकी जिसमें हेमंत ने 26 एवं हर्ष तिवारी ने 19 गेंदों में 14 और मजहर अली ने 20 गेंदों में 20 रनों का योगदान दिया। बीएसएस की ओर से गेंदबाजी करते हुए अलीजर खान ने 4 ओवर में 25 रन देकर तीन एवं शक्ति साहू ने 4 ओवर में 22 रन देकर दो विकेट लिए इस प्रकार बीएसएस ने यह मुकाबला 74 रनों के बड़े अंतर से जीत लिया शानदार प्रदर्शन करने वाले बी एस एस कॉलेज के अलीजर खान रहे। दिन का दूसरा मुकाबला आईईएस कॉलेज और बंसल कॉलेज के बीच खेला गया जिसमें बंसल कॉलेज ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 18 ओवर में 7 विकेट के नुकसान पर 127 रन बनाए बंसल की ओर से परेशान ने 36 गेंदों में 62 अकबर ने 6 गेंदों में 16 रनों का योगदान दिया

वही आईईएस की ओर से गेंदबाजी करते हुए सेवा चंद ने 4 ओवर में 42 रन देकर दो एवं अनुराग बघेल ने 4 ओवर में 18 रन देकर दो सफलताएं अर्जित की। बाद में बल्लेबाजी करने उतरी आईईएस की टीम 17.3 ओवर में 10 विकेट के नुकसान पर 104 रन ही बना सकी जिसमें रितिक आर्यन ने 44 गेंदों में 38 अनुराग पालने 27 गेंदों में 28 रनों का योगदान दिया। बंसल कॉलेज की ओर से प्रशांत ने 4 ओवर में 16 रन देकर पांच विकेट एवं अकबर सिद्दीकी ने 3.3 ओवर में 15 रन देकर पांच विकेट लिए इस प्रकार बंसल ने यह मुकाबला 23 रनों से जीत लिया। इस मैच के मैन ऑफ द मैच शानदार प्रदर्शन करने वाले प्रशांत रह। आज के दोनों ही मैन ऑफ द मैच को हमारे मुख्य अतिथि रेड रोज ग्रुप के डायरेक्टर हर्षिल पोंडा ने मैन ऑफ द मैच की ट्रॉफी से पुरस्कृत किया।

खेले जाने वाले मुकाबले: पहला मुकाबला कॉरपोरेट ग्रुप से भोपाल स्ट्राइकर विरूद्ध ग्रेविटी टाइटंस सुबह 9 बजे। दूसरा मुकाबला कॉलेज ग्रुप से एसए टीआई कॉलेज विदिशा विरूद्ध बंसल कॉलेज 1बजे से।

फ्लिपकार्ट इंडिया ने कृषि कार्यक्रम शुरू किया

भोपाल। फ्लिपकार्ट इंडिया प्राइवेट लिमिटेड ने भारत के कृषक समुदायों और किसान उत्पादक संगठनों को अपने मंच के माध्यम से देश भर के बाजार तक पहुंच और मोलभाव की ज्यादा शक्ति प्रदान करने के उद्देश्य से आज फ्लिपकार्ट समर्थ कृषि कार्यक्रम शुरू किया भारतीय किसानों को सशक्त बनाने और कृषि क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता के अनुरूप फ्लिपकार्ट समर्थ कृषि कार्यक्रम का उद्देश्य बाजार पहुंच प्रदान करने और किसानों की क्षमता निर्माण करना है इसके अतिरिक्त यह उन्हें निरंतर विकास करने बाजार के लिए तैयार होने और प्रासंगिक साझेदारी के माध्यम से मुख्यधारा की अर्थव्यवस्था का हिस्सा बनने में मदद करेगा कार्यक्रम के हिस्से के रूप मंर किसानों और एफ्मीओ को उत्पादों की गुणवत्ता में सुधार के लिए टैक्नोलॉजीज और सर्वोत्तम प्रथाओं पर प्रशिक्षित किया जाएगा और उन्हें कुशल बनाया जाएगा।

शासकीय सेवा में चयन जीवन का दुर्लभ और सौभाग्यशाली क्षण: शिवराज सिंह चौहान

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि शासकीय सेवा में चयन जीवन का दुर्लभ और सौभाग्यशाली क्षण है। शासकीय सेवा जनता की सेवा का अवसर है। बेहतर काम कर के दिखायें। आपके काम से आपका मान बढ़े और किसानों की भी जिन्दगी बदले। जुनून और उत्साह से काम करें। मुख्यमंत्री चौहान निवास कार्यालय समत्व भवन में उद्यानिकी एवं खाद्य प्र-संस्करण विभाग में नव चयनित 126 वरिष्ठ उद्यान विकास और उद्यान विस्तार अधिकारियों को नियुक्ति आदेश वितरित कर रहे थे। उद्यानिकी एवं खाद्य प्र-संस्करण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) भारत सिंह कुशवाह सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री चौहान ने कहा कि जब मैं मुख्यमंत्री बना तब प्रदेश में प्रति व्यक्ति आय 13 हजार थी, जो अब बढ़ कर एक लाख 40 हजार रूपए हो गई है। इसमें कृषि का बड़ा योगदान है। किसानों की आमदनी बढ़ाने के लिए फसल चक्र बदल कर बागवानी फसलों के उत्पादन को प्रोत्साहित किया जा रहा है। मध्यप्रदेश को दुनिया का सबसे अच्छा राज्य बनाना मेरा जुनून है। इसके लिए केवल कृषि ही नहीं, उद्योग और व्यवसाय पर भी ध्यान दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जीवन बहुत छोटा है, इसलिए ऐसा काम करें कि लोग याद रखें। माता-पिता को भी आप पर गर्व हो। मुख्यमंत्री चौहान ने चयनित उद्यान विस्तार अधिकारियों का कहानियों और प्रसंगों से उत्साहवर्धन किया।

राज्य मंत्री कुशवाह ने कहा कि मुख्यमंत्री चौहान के कुशल नेतृत्व में कृषि को लाभ का धंधा बनाया जा रहा है। उद्यानिकी फसलों द्वारा किसान अपनी आय दोगुनी कर सकते हैं। प्रदेश को कई बार कृषि कर्मण पुरस्कार मिला है। मेरा विश्वास है कि इसी तरह उद्यानिकी के क्षेत्र में भी पुरस्कार मिलेगा। राज्य सरकार किसानों के साथ अधिकारी-कर्मचारियों की चिंता भी कर रही है। रोजगार के अवसर बढ़ाने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। मुख्यमंत्री चौहान का नव-चयनित उद्यान विकास और विस्तार अधिकारियों ने तालियाँ बजा कर अभिवादन किया।

उद्यान विस्तार अधिकारियों को नियुक्ति आदेश वितरण कार्यक्रम

भोपाल। सिद्धेश्वरी अटल दुर्गा मंदिर में रुद्राक्ष वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

अंतर्राष्ट्रीय मोटापा दिवस पर योग गुरु महेश अग्रवाल ने दी कई जानकारियां

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

आदर्श योग आध्यात्मिक केंद्र स्वर्ण जयंती पार्क कोलार रोड़ भोपाल के संचालक योग गुरु महेश अग्रवाल ने बताया कि 4 मार्च को विश्व मोटापा दिवस मनाया जाता है। मोटापे से जुड़े खतरों की जानकारी देने, उसके व्यावहारिक समाधान, और सही इलाज करते हुए लोगों को हेल्दी वेट हासिल करने और बनाए रखने में मदद करने के लिए मनाया जाता है। योग गुरु अग्रवाल ने बताया कि योग का उद्देश्य भार को कम करना नहीं है, फिर भी योग को भार सम्बन्धी समस्याओं के लिए प्रभावपूर्ण और स्थायी निदान के रूप में मान्यता मिली है। वास्तव में यह न तो विशेष आहार का परिणाम होता है, और न ही उत्तेजक व्यायाम का। मूल ग्रीक भावार्थ के अनुसार योग एक उपयुक्त आहार देता है, एक जीवन-चर्या देता है। योग हमें हमारी आवश्यकताओं और स्वभाव के अनुरूप जीवन के प्रति एक सामंजस्यपूर्ण अभिवृत्ति देता है। योग की नजर भार पर नहीं होती, बल्कि आप पर होती है। योग आपको एक शरीर नहीं, बल्कि एक व्यक्ति मानकर ऐसी व्यावहारिक तकनीक बताता है जो न केवल आपको वसा और मिताहार (डायटिंग) से मुक्ति दिलाती है, बल्कि आपके जीवन के प्रत्येक पक्ष को स्वस्थ और समस्वरित बनाती है।

एसवी पॉलिटेक्निक के वार्षिकोत्सव रिदम-2023 का समापन

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

विद्यार्थियों के लिए रोजगार हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है, आरजीपीवी में 100 प्रतिशत प्लेसमेंट का पायलट प्रोजेक्ट चलाया जा रहा है , इसकी सफलता के बाद इसे अगले चरण में पूरे प्रदेश में लागू किया जाएगा। उक्त उद्गार सरदार वल्लभभाई पॉलिटेक्निक के वार्षिकोत्सव रिदम 2023 के समापन एवम पुरुस्कार वितरण समारोह में आर.जी.पी.वी. विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफ़ेसर सुनील कुमार गुप्ता ने कहे। शुक्रवार को संपन्न हुए इस कार्यक्रम में उन्होंने आगे कहा कि, आने वाला समय चुनौतीपूर्ण है और उस हिसाब से तकनीकी शिक्षा में सिलेबस, ट्रेनिंग और प्रैक्टिकल अपग्रेडेशन किया जाना चाहिए।

समापन समारोह कार्यक्रम की शुरुआत रॉक बैंड की परफॉरमेंस से हुई। इसके बाद पुरूस्कार वितरण समारोह प्रारंभ हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में आरजीपीवी के कुलपति डॉ सुनील गुप्ता शामिल हुए। डॉ सुनील गुप्ता एवं प्राचार्य द्वारा विभिन्न खेलकूद एवम सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं के विनर्स को प्राइज डिस्ट्रीब्यूट किये गए। पार्ट टाइम डिप्लोमा पाठ्यक्रम के प्राचार्य डॉ मुकेश लाल खेलकूद एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी व्यक्तिगत रूप से विद्यार्थियों को पुरस्कार से सम्मानित किया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ के वी राव ने कुलपति को धन्यवाद दिया एवं समस्त छात्रों एवं स्टाफ को कार्यक्रम के सफल आयोजन की बधाई दी। समापन समारोह के समापन अवसर पर फ़िल्म टेक्नोलॉजी विभाग के छात्रों द्वारा बनाई गई डॉक्यूमेंट्री का प्रदर्शन किया गया।सांस्कृतिक कार्यक्रमों के प्रभारी डॉ अवधेश सिंह एवं स्टूडेंट काउंसिल के प्रभारी डॉ ए.के. तुली ने सभी के प्रति अपना आभार व्यक्त किया।

मिलावट से मुक्ति अभियान में दूध और उत्पादों के 12 नमूने लिए

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

मिलावट से मुक्ति अभियान के अन्तर्गत आगामी होली त्यौहार के दृष्टिगतखाद्य सुरक्षा अधिकारियों द्वारा नगर के विभिन्न खाद्य प्रतिष्ठानों का निरीक्षण कर दूध, मिठाइयों तथा नमकीन आदि के नमूने एकत्र किये गये हैं। अविहित अधिकारी डी के वर्मा ने बताया कि अभियान के दौरान सर्वधर्म कॉलोनी, कोलार रोड़ भोपाल से दूध तथा पनीर, आगरा स्वीट्स् से पिस्ता बर्फी, हीरा स्वीट्स से बादाम बर्फी, नमकीन तथा टोस्ट, जैन डेयरी फार्म से भैंस का दूध, बालाजी डेयरी फार्म से भैंस का दूध तथा दही, संजीवनगर, न्यू जेल रोड़ स्थित श्री बांके बिहारी डेयरी से भैंस दूध, अब्बास नगर स्थित गौरव दूध डेयरी से गाय का दूध, गांधीनगर, भोपाल स्थित जयश्री दूध डेयरी से भैंस का दूध के नमूने एकत्र किये गये हैं। उन्होंने बताया कि कलेक्टर भोपाल श्री अविनाश लवानिया के निर्देशानुसार खाद्य सुरक्षा अधिकारियों द्वारा नगर के विभिन्न खाद्य प्रतिष्ठानों का निरीक्षण कर दूध, मिठाइयों तथा नमकीन आदि के नमूने एकत्र किये गये हैं ।

वर्मा ने बताया कि आयुक्त खाद्य सुरक्षा, मध्यप्रदेश डॉ. सुदाम खाड़े के द्वारा राज्य में दूध एवं दूध उत्पादों की सघनता से जांच के निर्देश जारी किये जाने के उपरांत जिले में संचालित समस्त दूध व्यापार का सघन निरीक्षण प्रारंभ किया गया है। साथ ही होली त्यौहार के दृष्टिगत मावा से बनी मिठाइयों के नमूने लिये जा रहे हैं। शुक्रवार को खाद्य सुरक्षा प्रशासन द्वारा लिये गये 12 नमूनों को गुणवत्ता परीक्षण हेतु राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला भोपाल प्रेषित किया जा रहा है । परीक्षण उपरांत खाद्य सुरक्षा और मानक अधिनियम, 2006 में वर्णित प्रावधानों के अनुसार विधिसम्मत कार्यवाही की जायेगी ।

पॉवर जनरेटिंग कंपनी की तीन इकाइयों ने बनाया रिकार्ड

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

मध्यप्रदेश पॉवर जनरेटिंग कंपनी लिमिटेड के अमरकंटक ताप विद्युत गृह चचाई की 210 मेगावाट क्षमता की इकाई और सतपुड़ा ताप विद्युत गृह सारनी की 250-250 मेगावाट क्षमता की दो इकाइयों ने फरवरी 2023 में शत-प्रतिशत प्लांट लोड फेक्टर (पीएलएफ) एवं प्लांट अवेलेबिलिटी फेक्टर (पीएएफ) अर्जित कर नया कीर्तिमान बनाया है। ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर, प्रमुख सचिव ऊर्जा श्री संजय दुबे एवं मध्यप्रदेश पावर जनरेटिंग कंपनी के प्रबंध संचालक श्री मनजीत सिंह ने अमरकंटक ताप विद्युत गृह चचाई और सतपुड़ा ताप विद्युत गृह सारनी द्वारा बनाए गए कीर्तिमान के लिए बधाई दी है।

अमरकंटक ताप विद्युत गृह चचाई: अमरकंटक ताप विद्युत गृह चचाई की 210 मेगावाट क्षमता की इकाई ने फरवरी 2023 में 142 मिलियन यूनिट विद्युत उत्पादन किया। माह फरवरी 2023 में इकाई का पीएलएफ 100.7 प्रतिशत एवं पीएएफ 101 प्रतिशत रहा। पिछले तीन वर्ष में यह इकाई की अभी तक का माहवार में सर्वाधिक पीएलएफ रहा है। इस इकाई की फरवरी 2023 में ऑक्जलरी खपत 8.85 प्रतिशत और विशिष्ट तेल खपत शून्य रही। यह इकाई 9 सितंबर 2009 को क्रियाशील हुई थी।

सतपुड़ा ताप विद्युत गृह सारनी: पावर जनरेटिंग कंपनी के सतपुड़ा ताप विद्युत गृह सारनी के विद्युत गृह क्रमांक चार की 250-250 मेगावाट क्षमता की इकाई क्रमांक 10 एवं 11 ने माह फरवरी 2023 में कुल 338.3 मिलियन यूनिट विद्युत उत्पादन किया। इन दोनों इकाईयों का पीएलएफ 100.7 एवं पीएएफ 101.6 प्रतिशत रहा। विद्युत गृह क्रमांक चार की इन इकाइयों के स्थापना वर्ष से अभी तक माह फरवरी 23 में सर्वाधिक बिजली उत्पादन हुआ है। इकाई क्रमांक 10 का पीएलएफ 100.64 व इकाई क्रमांक 11 का पीएलएफ 100.72 प्रतिशत रहा। इकाइयों की 7.55 प्रतिशत ऑक्जलरी खपत अभी तक निम्नतम है। इकाई क्रमांक 10, 18 अगस्त 2013 को एवं इकाई क्रमांक 11, 16 मार्च 2014 को क्रि?याशील हुई थी।

निगम आयुक्त ने आदमपुर छावनी में एनीमल कारकेस का निरीक्षण कर दिये निर्देश

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

नगर निगम आयुक्त ने आदमपुर छावनी स्थित एनीमल कारकेस प्लांट का निरीक्षण किया और कंपनी के प्रतिनिधियों एवं निगम अधिकारियों से प्लांट की कार्यप्रणाली के संबंध में विस्तारपूर्वक चर्चा की। निगम आयुक्त श्री चैधरी ने एनीमल कारकेस प्लांट में शीघ्र ही हॉपर एवं कन्वेयर स्थापित करने के निर्देश दिए। निगम आयुक्त श्री चैधरी ने प्लांट का संचालन प्रायोगिक तौर पर सीएनजी गैस द्वारा करने के निर्देश दिए।

नगर निगम आयुक्त शुक्रवार को आदमपुर छावनी स्थित एनीमल कारकेस प्लांट का निरीक्षण किया और निगम अधिकारियों तथा कंपनी के प्रतिनिधियों से प्लांट संचालन के संबंध में विस्तारपूर्वक चर्चा की। निगम आयुक्त श्री चैधरी ने एनीमल कारकेस प्लांट में शीघ्र ही हॉपर एवं कन्वेयर स्थापित करने के निर्देश दिए। निगम आयुक्त ने प्लांट का संचालन सीएनजी गैस द्वारा प्रायोगिक तौर पर करने के निर्देश दिए। निगम आयुक्त ने प्लास्टिक वेस्ट मैनेजमेंट प्लांट स्थल पर शीघ्र कार्य प्रारंभ करने के निर्देश दिए एवं इससे लगी खुली भूमि को वृक्षारोपण हेतु तैयार करने के निर्देश दिए। निगम आयुक्त श्री चैधरी ने निर्माणाधीन एनीमल बर्थ कंट्रोल सेंटर के कार्यों की गति बढ़ाकर शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। निगम आयुक्त श्री चैधरी ने आरडीएफ निष्पादन हेतु स्थापित श्रेडो मशीन के कार्यों का जायजा लिया एवं कार्य की गति बढ़ाकर निरंतर कार्य जारी रखने के निर्देश दिए। निगम आयुक्त श्री चैधरी ने एडमिन ब्लाक के पीछे निर्माणाधीन कार्टनवाल एवं नाली निर्माण कार्य का जायजा लिया और इससे लगी भूमि से पालीथीन अपशिष्ट को हटाकर अन्य स्थान पर डंप करने के निर्देश दिए। निगम आयुक्त श्री चैधरी ने वृहद एवं सघन वृक्षारोपण अभियान के अंतर्गत तैयार वृक्षारोपण स्थल का भी निरीक्षण किया और वहां रोपित पौधों की पर्याप्त देखभाल एवं सिंचाई करने के निर्देश दिए। निगम आयुक्त श्री चैधरी ने वृक्षारोपण स्थल से लगी अतिरिक्त खुली भूमि का समतलीकरण कर पौधारोपण हेतु तैयार करने के निर्देश दिए। निगम आयुक्त श्री चैधरी ने हरीपुरा में निर्मित आवासों के आवंटन की कार्यवाही शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए।निरीक्षण के दौरान अपर आयुक्तद्वय एम.पी.सिंह, विनीत तिवारी, अधीक्षण यंत्री आर.के.सक्सेना सहित निगम के अन्य अधिकारी मौजूद थे।

एम्स की टीम ने अंतर्राष्ट्रीय शोध पत्र की श्रेणी में दूसरा स्थान प्राप्त किया

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

डॉ रुचि सिंह, अपर प्राध्यापक फिजियोलॉजी, एम्स भोपाल के मार्गदर्शन में कार्यरत जूनियर रिसर्च फेलो डॉ मुत्रिशा एम रॉय और उनकी टीम ने दिनांक 24-25 फरवरी 2023 को रवींद्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय (आरएनटीयू) द्वारा आयोजित शोध शिखर 2023 में भाग लेकर अंतर्राष्ट्रीय शोध पत्र की श्रेणी में दूसरा स्थान प्राप्त किया। यह अध्ययन आईसीएमआर नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित है और इसका उद्देश्य 11 से 17 वर्ष की आयु के किशोरों के बीच नींद की कमी की आधारभूत स्थिति को रिकॉर्ड करना और उन्हें नींद की अच्छी आदतों के बारे में शिक्षित करना है।

अब तक के अध्ययन से पता चला है कि भले ही छात्रों के विद्यालय के लगने का समय भिन्न हो सकता है, किंतु उनके सोने का समय लगभग समान रहता है। इस प्रकार, जिन छात्रों का विद्यालय सुबह जल्दी लगता था, उनमें अवसाद, चिंता, तनाव के रूप में विचलित मनोदशा और अल्प गुणवत्ता की नींद पाई गई। उनको दिन में अधिक नींद आती थी। इस प्रकार, यह शोध हमारे किशोरों को अच्छी नींद के लिए शिक्षित करने की आवश्यकता पर जोर देता है। उनके स्कूल के समय को ध्यान में रखते हुए उनके सोने के समय की योजना इस प्रकार बनानी चाहिए कि उन्हें प्रतिदिन कम से कम 8 घंटे की नींद आवश्यक रूप से मिल सके।

मरीजों की सुविधा के लिए सहायता केंद्र का शुभारंभ

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) अस्पताल में इमरजेंसी उपचार हेतु आने वाले मरीजों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए समाज सेवी संस्था रोटरी क्लब द्वारा संचालित किए जाने वाले एक सहायता केंद्र का शुभारंभ एम्स भोपाल के कार्यपालक निदेशक प्रोफेसर डॉक्टर अजय सिंह द्वारा किया गया । इस अवसर पर एम्स भोपाल की चिकित्सा अधीक्षक डॉ मनीषा श्रीवास्तव, रोटेरियन जीतेंद्र जैन, रोटेरियन कर्नल महेंद्र मिश्रा, डॉ पंकज सूद एवं अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे । निदेशक महोदय ने इमरजेंसी सेवाओं का जायजा लिया और कहा कि एम्स भोपाल मरीजों को अधिक से अधिक सुविधाएं देने के लिए प्रतिबद्ध है ।

दो युवा नेत्र रोगियों की आंखों को मिली नई रोशनी

अरविन्दम गुप्ता 56 वर्षीय निवासी प्राप्ति नगर बरखेड़ा भोपाल, की मृत्यु के पश्चात उनकी दोनों आंखे 25/02/2023 को अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान एम्स भोपाल मे दान की गई। इनकी आँखों की पुतलियों को दो युवा मरीजों को जिनको बहुत जरुरत थी, उनको लगाई गई। उनके इस उपकार से इन दोनों रोगियों को नया जीवन मिल सका है और अब वे जीवन की रोशनी देख सकेंगे। दानदाता अरविंदम गुप्ता की पत्नी सुमा गुप्ता एवं उनके भाई विजित गुप्ता ने एम्स भोपाल मे आकर अरविंदम गुप्ता के मृत्यु उपरांत नेत्रदान करवाय। एम्स भोपाल सभी से अनुरोध करता है की मृत्यु उपरान्त अपनी और अपने परिजनों के नेत्र दान करे जिससे कि वो किसी की आँखों के जरिये इस दुनिया मे जीवित रह सके। एम्स भोपाल उनके इस योगदान की सराहना करता है और इनका हमेशा आभारी रहेगा ।

स म्पा द की य

झूठ की रफ्तार

सोशल मीडिया पर फेक न्यूज जिस रफ्तार से फैलती है, उसके चलते सच्चाई विक्टिम बन गई है। एक झूठी बात बीज की तरह जमीन में बोई जाती है और यह बड़ी थ्योरी में बदल जाती है, जिसे तर्क के आधार पर तौला नहीं जा सकता है। इसलिए कानून को भरोसे की ग्लोबल करेंसी कहते हैं। यह कोई और नहीं, देश के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ का कहना है। वो कहते हैं- हम ऐसे दौर में रह रहे हैं जहां लोगों में सब्र और सहिष्णुता कम है। सोशल मीडिया के दौर में अगर कोई आपकी सोच से सहमत नहीं है तो वह आपको ट्रोल करना शुरू कर देता है।

प्रधान न्यायाधीश चंद्रचूड़ अमेरिकन बार एसोसिएशन इंडिया कॉन्फ्रेंस 2023 के लॉ इन द ऐज ऑफ ग्लोकलाइजेशन, कंवर्जेंस ऑफ इंडिया एंड द वेस्ट सेमिनार को संबोधित कर रहे थे। वो कहते हैं कि संविधान जब बनाया गया तो यह ऐसा बड़े परिवर्तन लाने वाला डॉक्यूमेंट था, जिसमें दुनियाभर की सबसे बेहतर प्रैक्टिसिस को शामिल किया गया था। भारतीय संविधान के चीफ आर्किटेक्ट डॉ. आंबेडकर ने कहा था कि संविधान में सिर्फ दुनिया से प्रेरणा नहीं ली गई है, बल्कि यह देश के लोगों की जरूरतों को ध्यान में रखकर बनाया गया है। यह एक बेहद अनोखा भारतीय प्रोडक्ट है जो ग्लोबल भी है। लेकिन, अब हमारी रोजाना की जिंदगी दुनिया में होने वाली चीजों से प्रभावित होती है।

कई मायनों में भारतीय संविधान ग्लोबलाइजेशन का सबसे बड़ा उदाहरण है, वह भी उस समय का जब हम ग्लोबलाइजेशन के दौर में आए नहीं थे। जब संविधान का ड्राफ्ट तैयार किया गया था, तो इसे बनाने वालों को ये अंदाजा नहीं था कि दुनिया में किस तरह से बदलाव आएगा। उन्होंने कहा कि उस वक्त हमारे पास इंटरनेट नहीं था। हम ऐसे दौर में थे जो एल्गोरिदम से नहीं चलता था। सोशल मीडिया तो बिल्कुल नहीं था। आज हर छोटी चीज के लिए आपको यह डर रहता है कि सोशल मीडिया पर लोग आपको ट्रोल करेंगे। और यकीन मानिए जज होकर हम इस ट्रोलिंग से बच नहीं पाते हैं।

उन्होंने कहा कि ट्रैवल और टेक्नोलॉजी के विस्तार के साथ मानवता का विस्तार हुआ है, लेकिन व्यक्तिगत तौर पर कोई क्या सोचता है, उसे लेकर लोगों में सहमति की भावना खत्म होने के साथ मानवता का पतन भी हुआ है। यही हमारे समय का चैलेंज है। इसमें से ज्यातादर तो टेक्नोलॉजी का प्रभाव है। अब लोग ग्लोबलाइजेशन से नाखुश होने लगे हैं। दुनियाभर के लोग जिस भावनात्मक उथलपुथल से गुजर रहे हैं, उसके चलते एंटी-ग्लोबलाइजेशन सेंटीमेंट में बढ़ोतरी हुई है। 2001 का आंतकी हमला इसका उदाहरण है। कोविड-19 के दौरान भी दुनिया ग्लोबल मेल्टडाउन से गुजरी, लेकिन यह एक मौके के तौर पर उभरा।

प्रधान न्यायाधीश आजकल कई फैसलों को लेकर चर्चाओं में हैं और इनमें से कुछ फैसले तो ऐतिहासिक ही कहे जाएंगे।

जस्टिस चंद्रचूड़ ने सोशल मीडिया को लेकर जो कहा है, वो बारह आने यानि सौ फीसदी सच है। सोशल मीडिया ने जहां कई ऐसे लोगों को मंच दिया है, जिन्हें अपनी प्रतिभा को दिखाने का अवसर मिला है। मूक को वाचाल बना दिया। परंतु दूसरी तरफ यह झूठ के प्रसार का भी बहुत बड़ा माध्यम बन गया है। इतिहास को तोड़ मरोड़कर पेश करने से लेकर ऐसे मुद्दों को फैलाया जा रहा है, जो समाज को तोड़ने का काम कर रहे हैं। समाज में वैमनस्यता फैलाने के लिए सोशल मीडिया का सहारा खूब लिया जा रहा है। उन्होंने सही ही तो कहा, सोशल मीडिया फेक न्यूज का बड़ा प्लेटफार्म बन गया है। कोई बार तेजी से फैलानी होती है, इसका सहारा लिया जाता है। हमारे देश में ही कई झूठ सोशल मीडिया के माध्यम से परोसे गए और कुछ लोगों के प्रति घृणा का भाव तक पैदा किया गया, आज भी किया जा रहा है। सोशल मीडिया के झूठ के सहारे सरकारें बनाई गई हैं।

आज भी चुनावी दंगल में सोशल मीडिया सबसे बड़ा हथियार बन जाता है। तमाम महत्वपूर्ण मुद्दे चुनाव के दौरान गौण कर दिए जाते हैं और जनता को भ्रमित कर काल्पनिक मुद्दों में उलझा कर वोट हासिल किए जा रहे हैं। सच को झूठ साबित करने के लिए सोशल मीडिया से बड़ा हथियार नहीं है। सीजेआई ने इस ओर भी इशारा किया कि कुछ लोगों को जो पसंद नहीं आता, उसे ट्रोल करने लगते हैं। यहां तो साहब, सच कहने वाले ज्यादा ट्रोल होते हैं। इसके साथ ही उन्होंने जो ग्लोबलाइजेशन के खिलाफ पैदा होने वाली मानसिकता का जिक्र किया, वह सही भी है, लेकिन विश्व समुदाय के लिए खतरा है। जातिवाद और संप्रदायवाद को भड़का कर लोग अपना स्वार्थ सिद्ध करने लगे हैं, इसमें सोशल मीडिया का भरपूर दुरुपयोग किया जा रहा है। हमारी विडम्बना यह है कि हम सच जानते हैं, समझते भी हैं, लेकिन खड़े झूठ के साथ हो जाते हैं। कई लोग इसे मजबूरी कहते हैं। हमारे देश के लिए आज सोशल मीडया का झूठ सबसे बड़ा खतरा बन गया है। फिलहाल तो लगता नहीं कि इसका कुछ निदान हो, लोग झूठ की धारा में बह ही नहीं रहे, डूबते जा रहे हैं।

प्रधान-मंत्री कोई हो, प्रधान-मंत्र अब राहुल हैं

पंकज शर्मा

जिस दिन राहुल का सूर्य उत्तरायण होगा, वे किसी का विकल्प नहीं, मौलिक-कृति होंगे। ऐसा जब भी होगा, प्रकृति भारत का नया भाग्य रचेगी। तब तक के लिए हम-आप यही कामना कर सकते हैं कि राहुल को अपनी आस्तीनें बलाओं से मुक्त बनाए रखने की सन्मति और शक्ति मिले, झाड़फूंकी-टोटकेबाज़ों को वे अपने से दूर बनाए रख सकें और कनखजूरों को झटक कर परे फेंक पाएं। इतना भर हो जाए तो सब हो जाए!

भारत जोड़ो यात्रा से अपने लिए ग़ज़ब की निजी साख़ हासिल करने के बाद राहुल गांधी ने रायपुर के कांग्रेस महाधिवेशन में अपनी भावनाओं का मार्मिक छंदबद्ध-इज़हार कर ख़ुद के रुतबे में कई-कई चांद टांक लिए। फिर लंदन के कैंब्रिज विश्वविद्यालय में उन्होंने विद्यार्थियों के बीच अपने मन का काव्यात्मक फर्रुखाबादी-खेल खेलते हुए घूंघट की आड़ से झांकती भारतीय सियासत का असली चेहरा सरेआम वैश्विक-जाजम के हवाले कर दिया। महज़ महीने भर में राहुल के इस कर्मण्येवाधिकारस्ते-भाव ने उनके खांटी विरोधियों को भी ठोड़ी पर हाथ रख कर संजीदगी से सोचने पर मजबूर कर दिया है।

मैं मानता हूं कि राहुल की वैयक्तिक और राजनीतिक क्षमताओं के बारे में ऊहापोह की स्थिति से देश अब पूरी तरह बाहर आ गया है। बुनियादी मसलों की उनकी समझ पर देश का भरोसा अब पूरी तरह पुख़्ता हो गया है। उनके बौद्धिक, अकादमिक और प्रशासकीय आयामों पर मुल्क़ का यक़ीन पक्का हुआ है। ज़िंदगी से जुड़ी मनोहारी कौशल कलाओं में राहुल की पारंगतता को देख नवयुवाओं में उनके प्रति एक अनोखा जुड़ाव उपजा है। मुझे नहीं मालूम कि मौजूदा दौर की राजनीति के नियमों का पालन राहुल कभी कर पाएंगे या नहीं और इस वज़ह से वे भारत के प्रधानमंत्री कभी बन पाएंगे या नहीं, मगर इतना मैं जानता हूं कि भारत के भावी लोकमन-नायक वे ही हैं। 'प्रधान-मंत्री' की कुर्सी पर कोई भी बैठा रहे, भारत के 'प्रधान-मंत्र' का सिंहासन उन्हीं के लिए आरक्षित हो गया है। यह मंत्र है विश्वास, स्नेह और निर्भीकता का।

मगर कुछ सवाल व्यावहारिक संसार के आसमान में तैर रहे हैं। ये सवाल, ज़ाहिर है कि, तैरते ही रहेंगे। तब तक, जब तक कि इनके जवाब न मिल जाएं। सवाल है कि एकल-राहुल तो एक बड़ी शक्ति के तौर पर स्थापित हो गए हैं, लेकिन क्या कांग्रेस भी एक सांगठनिक ताक़त के तौर पर पुनर्स्थापित हो पाएगी? सवाल है कि अब जब राहुल कांग्रेस के ढांचे को

गढ़ने की औपचारिक भूमिका से बाहर हैं, क्या पार्टी के भावी खिवैयों की शक्लो-सूरत तय करने के काम में वे अपेक्षित दिलचस्पी लिया करेंगे? सवाल है कि कहीं ऐसा तो नहीं होगा कि राजदरबारी राहुल को तो कंधे पर धनुष-बाण ले कर पगडंडियों पर पैदल घुमाते रहेंगे और उनकी खड़ाऊं के नाम पर गुदगुदे गद्दों पर अपना मधुमास मनाते रहेंगे? तजुर्बा कहता है कि कांग्रेस के बरामदे में और राहुल के आंगन में ऐसे बहुरूपियों की कमी नहीं है, जो कांग्रेस और राहुल को विभ्रांत बनाए रखने का खाद-पानी अपने पिटारे में दिन-रात लिए घूमते रहते हैं। सो, मुद्दा यह है कि यह जालबट्टा काटे बिना अपनी तमाम तपस्या का कोई पुण्य न राहुल को मिल पाएगा और न कांग्रेस को। और, इसलिए सवाल यह है कि राहुल में इस मुक्तिवाही छटपटाहट का अहसास अब भी जन्मा है या नहीं?

कांग्रेस ने चूंकि राहुल-युग में कई उतार-चढ़ाव देखे हैं, इसलिए बावजूद इसके कि कांग्रेस उन्हें ले कर सारे पसोपेश से बाहर आ गई है, अब भी यह अनिवार्य बना हुआ है कि राहुल अपनी सोच और शैली की निर्णायक मुहर अंतिम रूप से कांग्रेसी श्यामपट्ट पर चस्पा करें। 19 बरस में राहुल के किए बहुत-से प्रयोगों से कांग्रेस रू-ब-रू हुई। कुनमुनाती रही, कसमसाती रही, छटपटाती रही, लेकिन राहुल के पीछे-पीछे चलती रही। कभी-कभार खदबदाई भी, मगर तूफ़ान कुल मिला कर प्याले में ही थमा रहा। देगची से उबाल टुकड़ों-टुकड़ों में रिस कर बाहर गिरता रहा, लेकिन ऐसा कभी नहीं हुआ कि तपेली का ढक्कन ही उड़ गया हो। इसे राहुल में कांग्रेसजन की आस्था कह लीजिए, कांग्रेस के बुनियादी मूल्यों से पार्टी-संगठन को मिले अटूट संस्कार कह लीजिए या कांग्रेसियों का लिजलिजापन कह लीजिए। गफ़लत में आ कर बाकी देश ने जो किया-सो-किया, मगर कांग्रेस ने राहुल को हमेशा अंगीकार किया। उस कांग्रेस ने भी, जिसे राहुल ने बेमुरव्वत हो कर ठेंगा दिखाने में कोई भी कोताही नहीं की। सहमति-असहमति को परे रख कांग्रेसजन ने राहुल के हर अनुप्रयोग को सिर-माथे लगाया। उनकी हर ज़िद की बलैयां लीं और रोते-हंसते उनकी पालकी ढोते रहे।

तक़रीबन दो दशक में कांग्रेस ने राहुल के ऐसे-ऐसे विचलन देखे कि कोई और राजनीतिक दल होता तो अपने धैर्य का बांध कभी का तोड़ देता। राहुल की सबसे बड़ी धरोहर ही आज यह है कि मोटे तौर पर समूची कांग्रेस बेर-केर का यह संग निभाती रही। इसलिए अब राहुल की बारी है कि वे इस कांग्रेस के लिए अपने अंतर्मन में नतमस्तक भाव-गति पैदा करें। आपकी तरह मुझे भी लगता है कि राहुल अब बहुत बदल गए हैं। भारत जोड़ो यात्रा के अनुभवों ने उनके सोच-विचार, भाव-भंगिमा और कार्यशैली को बेहद सम्यक बनाया है। वे ख़ुद भी इसका ज़िक्र बार-बार कर रहे हैं। यह शिक्षण-प्रशिक्षण ही अब उनकी असली शक्ति है। उनके पक्के इरादों का शिव इसी शक्ति के सम्मिलन से भारत का तारणहार बनेगा। कांग्रेस का पुनरोत्थान तो राहुल के अवमेध का बहुत छोटा-सा हिस्सा है। मसला तो अब भारत की सांस्कृतिक, सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक पुनर्प्राणप्रतिष्ठा का है। हमजोली तो राहुल को अपनी इस यात्रा के लिए चुनने हैं। पिछले 178 दिनों में क़ुदरत ने राहुल के हाथों में भारत का नया और अर्थवान इतिहास लिखने का मोर-पंख थमाया है। अब अपने सामने रखे तालपत्र पर मज़मून उकेरने का काम वे किस स्याही से करेंगे ङ्क सारा दारोमदार इसी पर है।

जो कहते थे और अब भी कहते हैं कि राहुल गांधी तो नरेंद्र मोदी का विकल्प बन ही नहीं सकते हैं, वे एकदम सही हैं। राहुल को नरेंद्र भाई का विकल्प बनते देश देखना भी नहीं चाहता है। राहुल, राहुल हैं। उनमें नरेंद्र भाई का एक भी लक्षण नहीं है। और, यही बात राहुल को सार्थक बनाती है, अर्थपूर्ण बनाती है और प्राकृत बनाती है। नरेंद्र मोदी का विकल्प तो मोदी-सोच, मोदी-वक्रता और मोदी-ऐयारी से लैस कोई व्यक्ति ही हो सकता है। अच्छा है कि राहुल में नरेंद्र भाई का विकल्प बनने की न तो क्षमता है, न संभावनाएं। ऐसा होता तो मेरे जैसे हज़ारों-लाखों लोग माथा पीट रहे होते। जो कांग्रेसी बरसों से इस ग़म में दुबले होते जा रहे हैं कि देश राहुल में नरेंद्र मोदी का विकल्प नहीं देखता है, उन्हें तो इस पर ख़ुशी से नाचना चाहिए कि राहुल ने कांग्रेसी दामन पर ऐसी किसी आम-धारणा का कलंक नहीं लगने दिया।

कहते हैं न कि ब्रह्मा जी कभी-कभी किसी एक का निर्माण करने के बाद उस सांचे को तोड़ ही डालते हैं। राहुल के मामले में ऐसा ही हुआ लगता है। मैं नरेंद्र भाई के आराधकों को भी यह कह कर दिलासा देना चाहता हूं कि उनके आराध्य के निर्माण में काम आने वाला सांचा भी ब्रह्मा जी ने ज़रूर तोड़ डाला होगा। सांचों की इस अनुलोम-विलोम धाराओं का फ़र्क़ जो समझते हैं, वे जानते हैं कि जिस दिन राहुल का सूर्य उत्तरायण होगा, वे किसी का विकल्प नहीं, मौलिक-कृति होंगे। ऐसा जब भी होगा, प्रकृति भारत का नया भाग्य रचेगी। तब तक के लिए हम-आप यही कामना कर सकते हैं कि राहुल को अपनी आस्तीनें बलाओं से मुक्त बनाए रखने की सन्मति और शक्ति मिले, झाड़फूंकी-टोटकेबाज़ों को वे अपने से दूर बनाए रख सकें और कनखजूरों को झटक कर परे फेंक पाएं। इतना भर हो जाए तो सब हो जाए!

(लेखक न्यूज़-व्यूज़ इंडिया और ग्लोबल इंडिया इनवेस्टिगेटर के संपादक हैं।)

अतिवादी राजनीति से अभिशप्त आंतरिक सुरक्षा

ब्रह्मदीप अलूने

अतिवादी राजनीति के बीच क्या सुशासन स्थापित किया जा सकता है, भारत में यह सवाल बहुत पुराना है। आज़ाद भारत में विभिन्नता का सम्मान करते हुए एकता कायम करने की संविधानिक कोशिशों के साथ सियासी चक्रव्यूह भी बुने गए है। देश की एकता और अखंडता को चोट पहुँचाने का सवाल किसी क्षेत्र विशेष से सम्बन्धित न हो होकर, इसका प्रभाव देश के अलग अलग स्थानों पर देखा गया है और यह समस्या कभी भी खत्म न होकर बदस्तूर जारी है। रोजगार की तलाश में कई सालों तक दुबई में रहने वाला पंजाबी युवा अमृतपाल सिंह कुछ समय पहले भारत आकर पृथकतावादी ताकतों को लामबंद करने की दिशा में मजबूती से कदम बढ़ा रहा है। वह पृथक सिख होमलैंड के बेहद संवेदनशील विषय को उभार कर जनसमर्थन हासिल करना चाहता है और आश्चर्यजनक रूप से उसे यह समर्थन मिलता भी दिखाई दे रहा है। अमृतपाल सिंह ने अपने एक साथी को थाने से छुड़ाने के लिए हिंसक भीड़ का नेतृत्व किया। इस दौरान हथियार लहराते हुए हिंसक भीड़ से पुलिसकर्मी घायल भी हो गए। इस घटना के बाद भी अमृतपाल सिंह क़ानूनी शिकंजे से दूर है और उसे सरकार की और से कोई चुनौती मिलती हुई दिखाई भी नहीं दे रही है।

दरअसल अपराधियों, अलगाववादी ताकतों और आतंकियों को सत्ता द्वारा किसी भी प्रकार से ढील दिया जाना कितना घातक हो सकता है, इसके परिणाम देश ने बहुत देखे और भोगे है। फिर चाहे सिख अतिवाद के कारण इंदिरा गांधी की हत्या हो या बेअंतसिंह की हत्या। तमिलनाडू में राजीव गांधी के हत्यारों की सजा माफ़ करने के पक्ष में सत्ता की लामबंदी के दूरगामी परिणाम अंततः समूचे देश की आंतरिक सुरक्षा को चुनौती देते हुए नजर आते है।

विशाल संरचना और संघात्मक शासन व्यवस्था वाले भारत के किसी भी क्षेत्र में सत्ता या किसी संगठन द्वारा अतिवाद का पालन पोषण समस्या का कारक बनता रहा है। खासकर पंजाब और जम्मू कश्मीर को लेकर इस संबंध में कानून और व्यवस्था की दृष्टि से बेहद सतर्कता की जरूरत होती है। पंजाब में खालिस्तान की आग के शांत होने के करीब दो दशक के बाद पुनःइस आंदोलन ने हाल ही में जिस प्रकार जोर पकड़ा है, वह देश की आंतरिक सुरक्षा के लिए बड़ी चुनौती बन सकता है। खालिस्तान से जुड़े नेताओं

को न केवल देश में, पर विदेश में भी समर्थन मिल रहा है और वे लोकतांत्रिक प्रक्रिया के जरिए संसद में भी पहुंचने में कामयाब हो रहे है।

पिछले साल पंजाब की संगरूर लोकसभा सीट से उपचुनाव में शिरोमणि अकाली दल अमृतसर के नेता सिमरनजीत सिंह मान विजयी हुए और वे देश की संसद में पहुंचने में कामयाब हो गए। यह वहीं शख्स है जिन्होंने 1984 में ऑपरेशन ब्लू स्टार के विरोध में आईपीएस की नौकरी से इस्तीफ़ा दे दिया था। 1994 में मान ने अपनी राजनीतिक पार्टी बनाई और फिर ये भड़काऊ भीड़ के बूते सत्ता के गलियारों की जरूरत बन गए। पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की हत्या समेत कई हिंसक कार्रवाइयों में इन्हें संदिग्ध माना गया और पांच साल की सजा हुई। अब सिमरनजीत सिंह संसद के एक माननीय सदस्य है। मान की पहचान एक कट्टर सिख नेता की है, जो खालिस्तान की बात अक्सर करते हैं।

खालिस्तान सिखों के लिए एक संप्रभु राष्ट्र की परिकल्पना है। मान से लेकर अमृतपाल, सब इसके पैरोकार बनते रहे है। 1984 में ऑपरेशन ब्लू स्टार के दौरान खालिस्तान के कट्टर समर्थक नेता जरनैल सिंह भिंडरावाले को भारतीय सुरक्षा बलों ने मार गिराया था। अमृतपाल सिंह उन्हीं के नक्शे कदम पर चलकर खालिस्तान के पक्ष में, वारिस पंजाब दे संगठन के बूते भारतीय एकता और अखंडता को चुनौती दे रहे है। वारिस पंजाब दे संगठन, किसान आंदोलन के दौरान चर्चा में आया था और अब वह सिख होमलैंड के नाम पर भारी जनसमर्थन जुटाने में कामयाब हो गया है। अमृतपाल सिंह ही इसके प्रमुख है।

कथित स्वयम्भू सिख नेता अमृत पाल सिंह ने खालिस्तानी आतंकी जरनैल सिंह भिंडरावाले के पैतृक स्थान पंजाब के मोगा ज़िले के रोडे गाँव में दस्तार बंदी समारोह आयोजित किया। यहां हजारों लोग पहुंचे और कथित तौर पर खालिस्तान के समर्थन में नारे लगाए। यह भी दिलचस्प है कि पिछले साल पंजाब में आप की सरकार के सत्ता में आने के बाद खालिस्तानी आंदोलन और हिंदू-सिख धर्मावलम्बियों के बीच टकराव की घटनाओं में अभूतपूर्व वृद्धि हुई है। अमृतसर के एक पुलिस थाने पर भीड़ के हमलें और कई पुलिसकर्मियों के घायल होने के बाद भी राज्य सरकार का वोट बैंक को सुरक्षित करने के लिए मूकदर्शक बने रहना, देश की आंतरिक सुरक्षा के संकट को बढ़ाने वाला साबित हो सकता है।

लोकतंत्र को सुशासन की गारंटी माना जाता है लेकिन इसकी दूसरी हकीकत यह भी है कि यहां नेताओं के समर्थन के बूते हथियारबंद गिरोह काम करते है जो धर्म, आध्यात्म, भाषा, क्षेत्र और जातीय मुद्दों के बूते एक भीड़ तंत्र विकसित कर लेते है। ये लोग देश की आंतरिक शांति को भंग करने की कोशिशें करने लगते है। अमृतपाल सिंह या रामपाल कानून को चुनौती देने की जुर्रत बिना राजनीतिक समर्थन के नहीं कर सकते। 2014 में हरियाणा के बरवाला के सतलोक आश्रम के बाबा रामपाल को एक हत्या के मामलें में गिरफ्तार करने पुलिस पहुंची तो बाबा के हथियार बंद गिरोह से जिस प्रकार पुलिस को कई दिनों तक जूझना पड़ा था, वह देश की कानून व्यवस्था के मुंह पर करारा तमाचा था।

आध्यात्म के नाम पर मजबूत दीवारों के बीच बाबा की दुनिया इतनी विशाल और खौफनाक थी की हरियाणा पुलिस और सेंट्रल रिजर्व पुलिस फोर्स के संयुक्त अभियान के बाद रामपाल को गिरफ़्तार करने में सफलता मिल सकी थी। पुलिस के मुताबिक पुलिस मानव चेन बनकर आश्रम के अंदर पहुंची और रामपाल को पकड़ने में कामयाब हुई। उस समय हिसार ज़िला अदालत में उनके समर्थकों ने काफ़ी हुड़दंग मचाया था और उनके चालीस हज़ार समर्थकों ने चंडीगढ़ में रेलवे स्टेशन को ठप कर दिया था। पुलिस जब बाबा को गिरफ्तार करने पहुंची तो गिरफ़्तारी का विरोध कर रहे रामपाल के समर्थक हिसार के बरवाला कस्बे में स्थित सतलोक आश्रम के चारों ओर मानव श्रृंखला बनाकर बैठ गए थे, युवा समर्थकों ने हेलमेट पहन रखा है और उनके हाथों में लाठियां थी। इन सबके बाद भी स्थानीय स्तर पर लोगों और राजनेताओं का समर्थन बाबा को हासिल था और इसमें कभी कोई कमी नहीं आई।

भारत में राष्ट्र से ज्यादा क्षेत्रीय और स्थानीय हितों वाली राजनीति हावी रही है और इसी का परिणाम है कि राजनीतिज्ञों का ध्यान जनसमर्थन हासिल करने पर होता है। इसके लिए वे किसी भी स्तर पर जाकर किसी भी व्यक्ति या संस्था को समर्थन देने से नहीं चूकते है। पूर्वोत्तर में कई अलगाववादी संगठन काम करते है और स्थानीय राजनीति उनसे प्रभावित रहती है। उल्फा जैसे अलगाववादी और हिंसक संगठनों का उभार राजनीति से ही प्रेरित रहा है। जम्मू कश्मीर के क्षेत्रीय दलों द्वारा आतंकी संगठनों को समर्थन, आतंकियों को मिलने वाले जनसमर्थन की ही परिणिति है। महाराष्ट्र में पहले शिवसेना और बाद में महाराष्ट्र नवनिर्माण पार्टी द्वारा हिंदी भाषियों को निशाना बनाया गया लेकिन इन दोनों दलों के नेताओं पर कभी भी कड़ी कार्रवाई नहीं की गई।

जाहिर है, धर्म, जाति, क्षेत्र और भाषा के नाम पर पनपने वाले स्वयम्भू गुरु, नेता और संगठन, सत्ता के संरक्षण से फलते फूलते रहे है। इससे देश के अलग अलग क्षेत्रों में अशांति उत्पन्न होती है और आंतरिक सुरक्षा के लिए संकट बढ़ता है। अलग अलग स्तरों पर मिलने वाला सत्ता का यह समर्थन इतना व्यापक है कि खालिस्तान, नक्सलवाद, कट्टरतावाद, अलगाववाद और आतंकवाद पोषित होता है, स्थापित रहता है और आंतरिक सुरक्षा का संकट गहराता रहता है।

तीस साल बाद होली पर बन रहा त्रिग्रही योग

डॉ. घनश्याम बटवाल

समूचे भारत वर्ष में होली के त्योहार का विशेष महत्व है.विदेशों में भी भारतीय मूल के लोग भी बड़े उत्साह और उत्सव के रूप में मनाते हैं। रंगों तरंगों और उमंगों का त्योहार बना है होली का त्यौहार। बृज की होली हो या आदिवासी अंचल का भगोरिया, मालवा में रंगों की बौछार हो या हाड़ौती अंचल की मीठी मनुहार। चहुँओर रंग के साथ हिलमिल खेली जाती है होली। फाल्गुन माह के शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा तिथि के दिन होलिका दहन और होली की पूजाकी जाती है. वहीं, उसके अगले दिन यानी चैत्र प्रतिपदा तिथि को रंग खेला जाता है. बता दें कि इस बार होली का त्योहार 8 मार्च और होलिका दहन 07 मार्च के दिन किया जाएगा।

कब है होलिका दहन: सनातन पंचाग के अनुसार, फाल्गुन माह की पूर्णिमा तिथि 06 मार्च दिन मंगलवार को शाम 04 बजकर 17 मिनट पर प्रारंभ होगी और इस तिथि का समापन 07 मार्च दिन बुधवार को शाम 06 बजकर 09 मिनट पर होगा. फाल्गुन पूर्णिमा तिथि में प्रदोष काल में होलिका दहन होती है. ऐसे में इस साल होलिका दहन 07 मार्च दिन मंगलवार को है। होलिका दहन के दिन 07 मार्च को भद्रा सुबह 05 बजकर 15 मिनट तक है. ऐसे में प्रदोष काल में होलिका दहन के समय भद्रा का साया नहीं रहेगा.

कब मनाई जाएगी रंगों वाली होली? (धुलेंडी): होली का पर्व चैत्र माह के कृष्ण पक्ष की प्रतिपदा तिथि को मनाया जाता है। अगर प्रतिपदा तिथि दो दिन रहती है। तब पहले दिन होली मनाई जाती है। इस साल यही स्थिति है। जिस कारण धुलण्डी को लेकर लोग असमंजस में हैं। होलिका दहन के अगले दिन होली का त्योहार मनाया जाएगा. ऐसे में इस साल होली का त्योहार 08 मार्च दिन बुधवार को मनाया जाएगा. 08 मार्च को चैत्र कृष्ण प्रतिपदा तिथि शाम 07 बजकर 42 मिनट तक है।

होली का महत्व- पौराणिक कथा: भगवान विष्णु के परम भक्त प्रह्लाद को आग में जलाकर मारने के लिए उसके पिता हिरण्यकश्यप ने अपनी बहन होलिका को तैयार किया. होलिका के पास एक चादर थी, जिसको ओढ़ लेने से उस पर आग का प्रभाव नहीं होता था. इस वजह से वह फाल्गुन पूर्णिमा को प्रह्लाद को आग में लेकर बैठ गई. भगवान विष्णु की कृपा से भक्त प्रह्लाद बच गए और होलिका जलकर मर गई. इस वजह से हर साल होलिका दहन किया जाता है और अगले दिन रंगों की होली मनाई जाती है. होली बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक के रूप में मनाया जाता है.

विशेष संयोग : इस बार होली के खास मौके पर शनि 30 साल बाद स्वराशि कुंभ में विरामान हैं और देवगुरु बृहस्पति स्वराशि मीन में विराजमान हैं। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार कुंभ राशि में त्रिग्रही योग भी बन रहा है. कुंभ में शनि, सूर्य और बुध की युति का भी निर्माण हो रहा है. बता दें कि कुल 30 साल बाद होली पर ये ग्रहों की युति एक अद्भुक संयोग बना रही है होली पर बन रहे हैं। विशेष शुभ योग, पूजा, व्रत और दान का मिलेगा

जानिए राशि अनुसार उपयुक्त रंग:

मानव शरीर पर रंगों का वैज्ञानिक और ज्योतिषीय प्रभाव दोनों ही पड़ता है। यह इंसान की मनोवृति प्रभावित करता है। आप यदि अपनी राशि के अनुसार रंग लगाएं या कपड़े पहनें और खास रंग से बचें तो होली का उत्सव और भी प्रभावी हो जाएगा। **मेष व वृश्चिक:** आप लाल, केसरिया व गुलाबी गुलाल का टीका लगाएं व लगवाएं और काले व नीले रंगों से बचें। **वृषभ व तुला:** आपको सफेद, सिल्वर, भूरे, मटमैले रंगों से होली क्रीड़ा भाएगी। हरे रंगों से बचें। **मिथुन व कन्या:** हरा रंग आपके मनोकूल रहेगा। लाल, संतरी रंगों से बचें। **कर्क:** पानी के रंगों से इस होली पर बचें। आस्मानी या चंदन का तिलक करें या करवाएं। काले नीले रंगों से परहेज रखें। **सिंह:** पीला, नारंगी और गोल्डन रंगों का उपयोग करें। काला, ग्रे, सलेटी व नीला रंग आपकी मनोवृति खराब कर सकते हैं। **धनु व मीन:** राशि वालों के लिए पीला लाल नारंगी रंग फिज़ा को और रंगीन बनाएगा। काला रंग न लगाएं न लगवाएं। **मकर व कुंभ:** आप चाहे काला, नीला, ग्रे रंग जितना मर्जी लगाएं या लगवाएं, आनंद रहेगी पर लाल, गुलाबी गुलाल से बचें।

समृध्दि के लिए विशेष उपाय : होली पर उपाय का बड़ा महत्व बताया गया है. अगर आप अपनी जिंदगी में किसी भी स्तर पर परेशान हैं तो इन छोटे-छोटे उपाय से आप लाभ पा सकते हैं. । व्यापार में हो लाभ इसके लिए होलिका दहन के बाद होलिका का पूजन करें. पूजन करने के पश्चात नारियल, पान और सुपारी जलती होली को भेंट करें। होलिका दहन के अगले दिन सुबह होलिका की थोड़ी सी राख लाकर, एक लाल वस्त्र में स्फटिक श्रीयंत्र, चांदी के कुछ सिक्के और राख को बांधकर अपने घर अथवा प्रतिष्ठान की तिजोरी में रख दें। व्यापार में हानि रोकने आप होली के दिन पीले कपड़े में काली हल्दी, 11 गोमती चक्र और एक सिक्का चांदी का काले कपड़े में बांधकर व्यापार स्थल पर रखे। होली की 11 बार परिक्रमा करके 108 बार 'ऊँ महालक्ष्म्यै नमः' मंत्र का जाप करें। परिवार में सुख, स्वास्थ्य के लिए होलिका दहन के दिन परिवार के सभी सदस्यों के पैर के अंगूठे से लेकर हाथ को सिर से ऊपर पूरा ऊँचा करके कच्चा सूत नाप कर होली में डालें. (ध्यान रखें आपका पैर सूत पर न लगे) होली की विभूति यानि राख घर जरुर लायें. पुरुष इस भस्म को मस्तक पर और महिला अपने गले में लगाएं इससे स्वास्थ्य सुख बना रहेगा। विद्यार्थी अच्छे नंबरों के लिए.बच्चे के हाथों से पान, नारियल और सुपारी को होलिका दहन वाली जगह पर दान कर दें. इस उपाय से जरूर लाभ मिलेगा। वास्तु दोष से मुक्ति के लिए .होलिका दहन के अगले दिन सर्वप्रथम उठकर स्नान कर स्वच्छ होकर अपने इष्टदेव को गुलाल अर्पित करें.अपने इष्ट देव का निवास स्थान ईशान कोण में रख कर पूजन करें. यह उपाय करने से ग्रह दोष, वास्तु दोष समाप्त हो जाता है और घर में शांति, सुख-सुविधा धनेश्वरी की वर्षा होती है। नौकरी प्राप्ति के लिए .होलिका दहन के दिन 8 नींबू लेकर उसे अपने ऊपर से 21 बार उतारे यानि यह क्रिया एंटी क्लोकवाईस करें. इन्हें ले जाकर जलती होली में चढ़ा दें। दरिद्रता के नाश के लिए .होली की रात पूर्व दिशा की ओर मुंह करके, आसन लगाकर, सात कौड़ियों व एक छोटे शंख को मसूर की दाल की ढ़ेरी पर स्थापित कर लें. इसके पश्चात मूंगे या फिर तुलसी की माला से ऊँ गं गणपतये नमः.मंत्र का 5 माला जाप करें. मंत्र-जप संपन्न होने पर समस्त सामग्री को किसी निर्जन स्थान पर गड्ढा खोदकर दबा दें. ऐसा करने से निश्चित ही आपकी दरिद्रता का नाश होगा। आर्थिक संकट दूर करने के लिए .घर या प्रतिष्ठान पर कोई भी एक कील ले जाकर जिस स्थान पर होली जलनी हो, वहां की मिट्टी में दबा दें. अगले दिन उस कील को निकालकर मुख्य-द्वार के बाहर की मिट्टी में दबा दे किसी प्रकार का आर्थिक संकट आप पर आएगा।

वागीशा यस्य वदने लक्ष्मीर्यस्य च वक्षसि
यस्यास्ते हृदये संवित् तं नृसिंहमहं भजे ॥

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक भरत पटेल द्वारा इंडिपेंडेंट प्रेस 11, प्रेस काम्प्लेक्स, एमपी नगर, जोन-1, भोपाल से मुद्रित तथा 226, एमपी नगर जोन-2, भोपाल से प्रकाशित। संपादक — भरत पटेल, प्रबंध सलाहकार — भारती पटेल, संपादकीय सलाहकार — विष्णु कौशिक, सलाहकार संपादक - स्मिता पटेल, स्थानीय संपादक —संजय सक्सेना, प्रकाशन से संबंधित समस्त समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समस्त न्यायिक कार्यवाहियों के लिए क्षेत्राधिकार भोपाल न्यायालय का रहेगा। रजि. नं. भोपाल डिवी. 48 म.प्र.। ई-मेल : dspbpl67@gmail.com, वेबसाईट: dainiksandhyaprakash.in

जायसवाल बने नगर कांग्रेस अध्यक्ष

इटारसी- कांग्रेस पार्टी के लिए समर्पित जायसवाल परिवार हमेशा सक्रियता एवं समर्पित रहता है, इसी विश्वास को पाते हुए युवा नेता मयूर जायसवाल को कांग्रेस नगर अध्यक्ष की कमान सौंपी गई । मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा जारी सूची मे एनसयूआई मे सक्रियता से कार्य कर रहे मयूर जायसवाल को इटारसी नगर कांग्रेस का अध्यक्ष नियुक्त किया है । जायसवाल राजनीती को माध्यम बना कर समाज सेवा कर रहे है जायसवाल इसके पूर्व भी कई पदों पर रह चुके है जिसमे एनसयूआई जिला अध्यक्ष युवा कांग्रेस विधानसभा अध्यक्ष युवा कांग्रेस जिला अध्यक्ष के साथ ही वर्तमान मे युवा कांग्रेस के प्रदेश सचिव का दायित्व निभा रहे थे । मयूर की सक्रियता तथा पार्टी के प्रति समर्पण को देखते हुए पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ तथा पूर्व केंद्रीय मंत्री सुरेश पचौरी द्वारा उन्हें नगर कांग्रेस की कमान सौपी गयी । उनकी इस नियुक्ति पर शहर के समस्त कांग्रेस जनो ने हर्ष व्यक्त किया है।

सुरक्षित व शांति पूर्ण त्योहार मनाने बम व डॉग स्कॉड ने की चैकिंग

नरसिंहपुर। आगामी त्योहारों को सुरक्षित व शांतिपूर्वक मनाए जाने हेतु करेली थाना प्रभारी अखिलेश मिश्रा सहित अन्य पुलिस टीम के साथ बम स्क्रायड व डॉग स्क्रायड ने शहर के प्रमुख स्थलों पर की चैकिंग। जिसमें बम निरोधक आधुनिक उपकरणों के साथ देशी नश्ल के डॉग स्क्रायड शामिल थे। बीडीएस दस्ते द्वारा रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड सहित अनेक व्यस्तम स्थानों पर चैकिंग की गई। करेली में इसी प्रकार चेकिंग जिले के अन्य शहरों में भी की गई है।

शिक्षक ,आर्मी के मेजर और पटवारी के नाम स्वीकृत किया पट्टा

शिवपुरी - प्रदेश सरकार लगातार गरीबों को आवास के साथ उन्हें रोजगार से जोड़ने के लिए उन्हें शासकीय जमीनों के पट्टे मुहैया कराए गए हैं दिए उनमें भी उनके अधीनस्थ अधिकारियों ने अपने लोगों के नाम जोड़ दिए जिसमें वह शासकीय कर्मचारी हैं जो आज भी शासकीय सेवक के रूप में अपनी सेवाए दे रहे हैं। जबकि गरीब व्यक्ति आज भी रोजी रोटी के लिए मोहताज बना हुआ है।

जिले के करैरा अनुविभाग के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत सिरसौद में शिक्षक गौरी शंकर पांडे और पटवारी अतुल पांडे पुत्र वासुदेव पांडे निवासी ग्राम सिरसोद तहसील करैरा शासकीय सेवा में रहने के बाद भी करैरा तहसील के आला अधिकारियों द्वारा इन्हें पट्टा दिया गया सर्वे नंबर के पहले से ही भूमिस्वामी है फिर भी इन्हें पट्टा दिया गया है। जिस सर्वे नंबर का पट्टा इन्हें दिया गया वह है जमीन आज भी मिट्टी की खदान के नाम से आरक्षित है, जोकि कुम्हार समाज के लोग मिट्टी के बर्तन बनाने के लिए वहां से मिट्टी भरकर लाते थे जिससे वह अपना जीवन यापन करते थे और आज कुम्हार समाज के व्यक्तियों को मिट्टी नहीं मिलने से समस्या उत्पन्न हो रही है और वे मिट्टी के बर्तन नहीं बना पा रहे हैं,जिससे वह बेरोजगारी की कगार पर खड़े हो चुके हैं।

होटल संचालक पर एफआईआर, नाबालिग के साथ हुआ था दुष्कर्म

शिवपुरी - बीती 21 फरवरी को शहर के जायका होटल में एक 17 वर्षीय युवती के साथ दुष्कर्म का मामला सामने आया था। पुलिस ने मामले में होटल के संचालक विक्रम त्रिवेदी को भी सह आरोपी बनाया है। नाबालिग ने सिटी कोतवाली पुलिस को शिकायत की थी कि 21 फरवरी को वह श्योपुर में रहने वाली बुआ के घर से वापस शिवपुरी आ रही थी। दोपहर करीब 3 बजे शिवपुरी के घोड़ा चौराहे के पास सतनवाड़ा जाने वाली बस का इंतजार कर रही थी। इसी दौरान परिचित धर्मेंद्र और अमर स्कूटी से आए। वे धमकाकर अपने साथ ग्वालियर बाइपास के पास जायका होटल में ले गए। होटल के कमरे में धर्मेंद्र ने मारपीट कर गलत काम किया। यहां से दोनों ने मुझे ग्वालियर बायपास पर छोड़ दिया। सिटी कोतवाली थाना प्रभारी अमित भदौरिया ने बताया कि जायका होटल में नाबालिग के साथ दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया गया था। होटल संचालक विक्रम त्रिवेदी ने बिना एंट्री के ही होटल का कमरा नियम विरुद्ध तरीके से किराए पर दिया था, साथ ही होटल में पहुंची नाबालिग के दस्तावेज नहीं जांचे।अगर होटल संचालक ने लापरवाही नहीं बरती होती तो उक्त वारदात को टाला जा सकता था।

उचित समय सीमा से करें होलिका दहन, शांति समिति की बैठक में उठा मुद्दा

ओबेदुल्लागंज। स्थानीय थाना प्रांगण में आज आगामी त्यौहार होली को लेकर शांति समिति की बैठक आयोजित की गई जिसमें उचित समय में होलिका, दहन शराब पीकर वाहन चालकों के विरुद्ध कड़ी कार्यवाही,सूखे रंगों से होली खेलने, तेज आवाज में डीजे न चलाने जैसे विषयों पर विचार विमर्श किया गया और आपसी सदभावना से होली ओर मुस्लिम त्यौहार मनाने की अपील की। गौरतलब है कि शांति समिति की बैठक में नगर के अधिकांश गणमान्य लोग उपस्थित थे लेकिन नगर के तमाम जनप्रतिनिधियों सहित भाजपा नेताओं ने इससे दूरी बनाई जिसकी चर्चा नगर के चौक चौराहों पर हुई।इस अवसर पर अनुविभागीय अधिकारी प्रमोद गुर्जर एसडीओपी मलकीत सिह सुरजीत सिंह बिल्रे हिंदु उत्सव समिति अध्यक्ष राजेश खटीक संजय सिंह चौहान देवेंद्र सिंह राजू सीएमओ सोनाली शर्मा थाना प्रभारी संदीप चौरसिया सलीम खान सहित पत्रकार बंधु उपस्थित रहे।

रेडक्रास सोसायटी की बैठक संपन्न

रेडक्रास मानवतावादी संगठन है: त्रिपाठी

रायसेन -जिला चिकित्सालय में भारतीय रेडक्रास सोसायटी की बैठक संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता जनरल सेक्रेटरी भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी राज्य शाखा प्रदीप त्रिपाठी ने की । प्रांत प्रचारक सेवा भारती सुरेंद्र सोलंकी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

बैठक को संबोधित करते हुए त्रिपाठी ने कहा कि दुनिया चाहे कितनी ही तरक्की कर ले परंतु प्राकृतिक आपदाएं और आपातकालीन स्थितियां निरंतर सामने आती रहेंगी। ऐसे हालात में जिस संस्था का नाम लोगों के दिमाग में सबसे पहले आता है, वो रेड क्रॉस है।'' रेडक्रास मानवतावादी संगठन है। इस संगठन की प्रेरणा से लाखों स्वयं सेवक प्राकृतिक आपदाओं, आपातकालीन परिस्थितियों में पीड़ित मानवता की सेवा करते हैं। रेडक्रास संगठन ने स्वास्थ्य के क्षेत्र में अद्भुत और प्रेरणा दायक कार्य किए हैं।

पीड़ित मानवता की सेवा के लिए हमें प्रयास करना होंगे। यदि यह प्रयास ईमानदारी और प्रतिबद्धता के साथ किये जाएं तो निश्चित रूप से चमत्कारिक नतीजे आएंगे। ऐसे नतीजे इतिहास के पन्नों में दर्ज

होते हैं और सदैव इनकी मिसाल दी जाती है । इसके लिए रेडक्रास के माध्यम से विद्यार्थियों, युवाओं एवं समाज के प्रत्येक वर्ग के बीच पहुंचकर संकल्प लेना होगा ।

बैठक में डॉक्टर दिनेश खत्री मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, डॉक्टर ए.के. शर्मा सिविल सर्जन, मोहन लालवानी, डॉक्टर अवधेश अग्रवाल, राजीव चौबे, हरीश मिश्र, संजय गोहिल, दीपक कांकर, बृजेंद्र बघेल, ऋषि राज बघेल, सुरेश सक्सेना, गिरधारी लाल शाक्य उपस्थित रहे।

आगामी त्यौहार को लेकर शांति समिति की बैठक संपन्न

बरेली । मार्च-अप्रैल-मई में होने बाले आगामी त्योहारों को लेकर नगर में शांति एवं सौहार्द के साथ मनाने के लिए तहसील प्रांगण स्थित किसान भवन में शांति समिति का आयोजन किया गया जिसकी अध्यक्षता एसडीएम मुकेश सिंह के द्वारा की गई। बैठक में आगामी दिनों में आने वाले त्यौहार जिनमें होली , रंग पंचमी , चैत्र नवरात्रि , इंद उल फितर और रमजान को ध्यान में रखते हुए त्योहारों को शांति और सौहार्द पूर्ण रूप से मनाने को लेकर प्रशासन के द्वारा नगर के धार्मिक संगठनों और गणमान्य नागरिकों से अपील की गई। इस दौरान एसडीएम मुकेश सिंह ने अपील की कि त्यौहार के दौरान नगर की फिजा खराब ना होने पाए जिसमें सभी को अपनी भागीदारी निभाते हुए नगर में हर एक गतिविधि पर नजर रखते हुए अपने दायित्व का निर्वहन करना है।

अतिक्रमण एवं सड़क चौड़ीकरण का मुद्दा गरमाया

मीटिंग के दौरान नगर में अतिक्रमण एवं सड़क चौड़ीकरण को लेकर भी पूर्व के मुद्दे गर्माये जिसके जवाब में एसडीओपी राजीव जंगले ने व्यापार महासंघ अध्यक्ष एवं पदाधिकारियों से बाजार में व्यापारियों के द्वारा निर्धारित सीमा से बाहर रखे जाने वाले सामान और व्यवस्था बनाने में सहयोग की अपील की उन्होंने तो यहां तक कहा कि हम अपने स्तर से कार्यवाही करने के लिए आपके साथ सदैव तत्पर हैं किंतु यदि इस मुहिम में व्यापारियों का स्वयं साथ मिल जाता है तो काफी बेहतर होगा । इस दौरान एसडीएम मुकेश सिंह , एसडीओपी राजीव जागले , थाना प्रभारी आशीष सप्रे , तहसीलदार छोटे गिरी गोस्वामी सहित हिंदू उत्सव समिति अध्यक्ष मनमोहन शर्मा , मुस्लिम त्योहार कमेटी के पदाधिकारी मौजूद रहे ।

पात्र कृषक हितग्राही के आधार , ई-केवाईसी प्राथमिकता से कराये

तालाब एवं गौ-शाला के सीमांकन एवं नक्शा शुद्धिकरण का अभियान चलाये

छतरपुर। कलेक्टर संदीप जी आर ने राजनगर, लवकुशनगर, नौगांव एवं छतरपुर के मैदान स्तरीय राजस्व अधिकारियों तथा पटवारियों से शुक्रवार को ऑडिटोरियम छतरपुर में संवाद प्रशिक्षण में प्राथमिकता पर पीएम किसान सम्मान निधि में नाम जोड़ने से शेष रहे कृषकों के बैंक खाते को ई-केवाईसी से लिंक कराने के निर्देश दिये। इस अवसर पर एडीएम एवं जिले के अनुविभाग के एसडीएम, तहसीलदार, नायब तहसीलदार भी उपस्थित थे।

उन्होंने कहा कि कृषकों को परेशानी न हो इसलिये पटवारी, तहसीलदार बैंक में पात्र कृषक हितग्राही के फार्म, आधार, ई-केवाईसी और बैंक खाते से संबंधित जानकारी सत्यापित करते हुये जमा कराये। इस प्रशिक्षण में उपस्थित लीड बैंक प्रबंधक को निर्देश दिये गये कि बैंक में प्रस्तुत किये गये दस्तावेज के अपडेशन की कार्यवाही प्राथमिकता से करें।

जिले में नवाचार के रूप में शुरू किये गये श्रद्धांजलि कार्यक्रम के तहत ऐसे लोग जो मृत हो चुके है और जिनके फौती नामांतरण की कार्यवाही लंबित है उनकी फौती नामांतरण की कार्यवाही पटवारी पंचायत एवं नगरीय निकायों की मृत्यु पंजी से सत्यापित करते हुये यह प्रमाणित करें कि मृत्यु पंजी में दर्ज व्यक्ति वारिसान को प्राथमिकता के आधार पर फौती नामांतरण कर दिया है जिसे तहसीलदार को सत्यापित करेंगे।

कलेक्टर ने निर्देश दिये कि तालाब एवं गौ-शाला के सीमांकन, नक्शा शुद्धिकरण के लिये अभियान चलाये और चारागाह के लिये पंचायतों में चरनोई भूमि सुरक्षित रखे। अभियान के रूप में खुले बोरवेल को बंद कराये और सत्यापन प्रमाण पत्र दें और राजस्व कार्यों के निर्वहन के संबंध में जिले एवं तहसील के वरिष्ठ कार्यालय के जारी आदेशों का प्राथमिकता से अमल हो।

पूर्व कांग्रेस नगर अध्यक्ष ने धन्यवाद व आभार किया व्यक्त

नर्मदापुरम// इटारसी कमेटी द्वारा मयूर जायसवाल को नगर अध्यक्ष बनाए जाने के बाद पूर्व नगर अध्यक्ष पंकज राठौर धन्यवाद और आभार व्यक्त किया । पंकज ने कहा की मैंने भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की विचारधारा में विश्वास करते हुए लगातार 36 वर्षो से कांग्रेस में कार्यकर्ता व सभी संगठनों में छात्र जीवन से भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन,युवा कांग्रेस,सेवादल,किसान कांग्रेस,ब्लॉक व जिला कांग्रेस में वार्ड,नगर,जिला व प्रदेश स्तर के विभिन्न पदों पर कार्य किया वर्तमान में ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष इटारसी में 13 वर्षो से कार्यरत था । पार्टी और नेताओं की मंशा, निर्देश के अनुरूप बिना किसी प्रतिफल के ज्ञापन, धरना,विरोध प्रदर्शन, रैली,सभा,जयंती, पुण्यतिथि,सामाजिक सभी कार्यक्रमों को आयोजित भी किया मेने मेरी क्षमताओं व परिस्थिति से अधिक कार्य करने का प्रयास भी किया। मैं तकरीबन एक साल से अधिक समय से नेतृत्व से यह निवेदन कर रहा हूं कि कुछ समय से मेरी व्यक्तिगत व पारिवारिक जिम्मेदारी की वजह से व संगठन में अपेक्षित सहयोग न मिलने के कारण मैं इटारसी ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष पद पर सक्रियता से अपनी भूमिका निभाने में असक्षम महसूस कर रहा था । एक लंबे अंतराल तक पार्टी संगठन ने, वरिष्ठ नेताओ, ने मुझ पर विश्वास जता कर इस प्रमुख पद पर पदासीन रखा उन्हे भी साधुवाद मैंने अपनी क्षमताओं से अधिक तन,मन,धन,समय दे कर अपनी जिम्मेदारी को निभाया जिन आत्मीय जनों ने मेरी मदद की व विपरीत परिस्थितियों में भी पार्टी का एवं मेरा साथ दिया उनके प्रति में ह्रदय से कृतज्ञता ज्ञापित करता हूं, । मुझसे मेरे कार्य से व्यवहार से अगर कोई साथी, वरिष्ठजनों को कोई ठेस पहुंची हो तो क्षमा चाहता हूं ।

मैं भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की विचारधारा रीति नीति में पूर्ण विश्वास जताते हुए हमेशा कार्य करता रहूंगा पार्टी अन्य जो भी जबाबदारी तय करेगी , में उस पर अपनी क्षमता अनुसार ईमानदारी, निष्ठा से कार्य करूंगा।

नये इटारसी ब्लॉक अध्यक्ष प्रिय मयूर जायसवाल को बधाई , शुभकामनाएं ।

पत्नी से अवैध संबंधों के संदेह में सिर पर कुदाली मारकर की हत्या

नरसिंहपुर। करेली थानान्तर्गत ग्राम में 2 मार्च को एक गुड़भट्टी पर हुई अंधी हत्या के मामले में उच्चाधिकारियों के निर्देशन में करेली पुलिस ने 24 घंटे में आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया जहाँ से उसे जेल भेज दिया गया है। उक्त अंधे कत्ल की जानकारी देते हुए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुनील कुमार शिवहरे एवं नगर निरीक्षक करेली अखिलेश मिश्रा ने करेली थाना प्रांगण में आयोजित पत्रकार वार्ता में खुलासा करते हुए बताया कि 2 मार्च 2023 को सिद्धकी पिता अब्दुल जब्बार उम्र 22 वर्ष निवासी रांकई ने शिकायत की थी कि गुड़ भट्टी में काम करने वाले नीरज ने बताया है कि गुडबल भाईजान के मुंह से खून निकल रहा था, तो मैंने सुबह 8-45 बजे करीब गुड़ भट्टी में जाकर देखा तो गुड़ के ढेर के ऊपर मुरीदुल हसन उर्फ गुडबल पिता नुरुल हसन उम्र 30 वर्ष निवासी राकई मृत अवस्था में मृत पड़ा था, जिसके सिर के ऊपर व नाक के नीचे चोट का निशान है, खून निकल रहा है। किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा घातक हथियार से जान से मारने की नीयत से सिर व नाक के नीचे प्राणघातक चोट पहुंचा कर हत्या कर दी है। इस पर घटनास्थल पर ही अपराध पंजीबद्ध किया गया व विवेचना प्रारंभ की गई। हत्या जैसी गंभीर घटना पर नवागत पुलिस अधीक्षक अभिजीत कुमार रंजन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुनील कुमार शिवहरे ने स्वयं घटनास्थल पहुंचकर प्रकरण की विवेचना के संबंध में निर्देश दिए। विवेचना हेतु थाना प्रभारी करेली अखिलेश मिश्रा के नेतृत्व में उपनिरीक्षक एचआर मानकर, सीएस यादव प्रधान आरक्षक संतराम मरकाम, कुलदीप सोमकुवर, आरक्षक महेंद्र कुमार, राजेश बागरी, सत्येंद्र बागरी, सुदीप ठाकुर, पुष्पेंद्र सिंह, अभिषेक सूर्यवंशी साइबर सेल की टीम का गठन किया गया था। पूछताछ में पता चला कि गुड़भट्टी पर मृतक के साथ एक और अन्य व्यक्ति शेख मुबारक था जो मौके पर नही मिला। पुलिस द्वारा पहले तो उसके साथ भी कोई अनहोनी मानकर उसकी तलाश की गई। लेकिन उसके कहीं कोई पता नहीं मिलने पर हत्या का संदेह उसी पर गहराया। जिससे उसकी पुलिस ने अपने तरीके से खोजबीन शुरू की। तत्संबंध में थाना प्रभारी करेली अखिलेश मिश्रा को मुखबिर सूचना प्राप्त हुई की घटना का संदेही शेख मुबारक बोहानी सिहोरा रेलवे स्टेशन के पास छुपकर बैठा है और भागने के लिए ट्रेन का इंतजार कर रहा है। जो हमराह स्टाफ के साथ पहुंचकर शेख मुबारक उर्फ कादर हुसैन पिता रमजान खान उम्र 45 वर्ष निवासी आजाद वार्ड, कंदेली नरसिंहपुर को अभिरक्षा में लेकर पूछताछ करने पर अपना जुर्म स्वीकार किया एवं पहने हुए कपड़े में लगे खून के संबंध में पूछताछ करने पर बताया कि मुरीदुल हसन उर्फ गुडबल निवासी रांकई की हत्या करने के दौरान कपड़े में लग गया था।

-छतरपुर में सहायक आयुक्त पद सृजित करने की उठी मांग, सौंपा ज्ञापन

छतरपुर। छतरपुर टैक्स बार एंड प्रैक्टिशनर्स एसोसियेशन का नेशनल सेमीनार छिंदवाड़ा में आयोजित किया गया। इस सेमीनार में छतरपुर टैक्स बार एंड प्रैक्टिशनर्स एसोसियेशन की ओर से प्रतिनिधि के रूप मे वरिष्ठ अधिवक्ता संतोष गुप्ता, एड. संजय नामदेव, एड. संजय मिश्रा,एड. विक्रांत रेजा एवं एड. निरंकार चौरसिया ने हिस्सा लिया। छिंदवाड़ा में आयुक्त लोकेश जाटव के नाम से मध्यप्रदेश टैक्स लॉ बार एसोसिएशन के माननीय अध्यक्ष अश्विन लखोटिया को एक ज्ञापन दिया। ज्ञापन में मांग की है कि छतरपुर वाणिज्यकर कार्यालय में सहायक आयुक्त वाणिज्यकर अर्थात डिप्टी कमिश्नर स्टेट टैक्स का पद सृजित होना चाहिए। इसके अलावा छतरपुर में ही कैम्प लगाकर सुनवाई की जाए। उल्लेखनीय हैं की छतरपुर वृत्त में 6200, नौगांव वृत्त में 2300 कुल मिलाकर 8500 रजिस्टर्ड डीलर हैं। केवल एक सीटीओ के द्वारा इतनी बड़ी संख्या को मैनेज करना संभव नहीं है। न्याय हित में छतरपुर में एक सहायक आयुक्त वाणिज्यकर का पद सृजित कर शीघ्र ही पदस्थापना होनी चाहिए। मध्यप्रदेश टैक्स लॉ बार के ज्वाइंट सेक्रेटरी एड संतोष गुप्ता ने बताया कि सहायक आयुक्त वाणिज्यकर का पद सृजित होने पर एवं अपील के कैंप छतरपुर में लगाकर सुनवाई करने से छतरपुर वृत्त, नौगांव वृत, पन्ना वृत्त एवम टीकमगढ़ वृत के व्यापारियों को सीधा लाभ प्राप्त होगा। इसके साथ ही छोटे-छोटे कार्यों के लिए सागर नहीं भागना पड़ेगा।-

कार्यालय भोपाल विकास प्राधिकरण

क्रमांक 605 ज.सं./भो.वि.प्रा./ 23 भोपाल, दिनांक 03/03/2023

आम सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, कि प्राधिकरण की महाराणा प्रताप नगर जोन-1 योजना स्थित भूखण्ड क्रमांक 238, श्रीमती शाशी बाला गांधी पत्नी श्री डी.आर. गांधी एवं अन्य के नाम पर अंकित है। आवंटी श्रीमती शाशी बाला गांधी का स्वर्गवास दिनांक 12.03.2022 को हो जाने के कारण उनके समस्त वारिसगण जिसमें श्री आशीष गांधी आ. श्री डी.आर. गांधी, श्री डी.आर. गांधी आ. श्री जे.आर. गांधी, श्री शशवत गांधी आ. श्री आशीष गांधी एवं श्रीमती रोली गांधी पत्नी श्री आशीष गांधी द्वारा प्रस्तुत आवेदन पत्र, शपथ पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र के आधार पर उक्त भूखण्ड पर निर्मित स्व. श्रीमती शाशी बाला गांध के भू-भाग का नामांतरण/नाम सम्मिलित अपने नाम पर पर चाहा गया है।

उक्त संबंध में किसी व्यक्ति/उत्तराधिकारी को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशित होने की दिनांक से 7 दिवस के अन्दर लिखित एवं साक्ष्य/दस्तावेजो के साथ के साथ इस कार्यालय को अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें। उक्त समयावधि के पश्चात कोई भी दावा/ आपत्ति स्वीकार नहीं की जावेगी एवं प्राधिकरण नियमानुसार कार्यवाही करने हेतु स्वतंत्र रहेगा।

राजस्व अधिकारी

कार्यालय नगर पालिक निगम, भोपाल

यांत्रिकी विभाग मुख्यालय गोविंदपुरा (बी.एच.ई.एल)
निविदा आमंत्रण घोषणा पत्र

क्र. 230/यां. वि./2022 भोपाल दिनांक 03.03.2023

निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु दो लिफाफा पद्धति के अनुसार म.प्र. लोक निर्माण विभाग में केन्द्रीकृत व्यवस्था के अंतर्गत पंजीकृत ठेकेदार पर्सेंटेज मोहर बंद निविदाये निर्धारित प्रपत्र पर ऑनलाईन आमंत्रित की जाती है।

क्र.	ऑनलाईन निविदा क्रं.	कार्य का नाम	अनुमानित राशि	धरोहर राशि	प्रपत्र राशि	कार्य हेतु निर्धारित एस.ओ.आर	कार्य की अविध
1	2023_UAD_25=394_3	CONSTRUCTION OF DRAIN WORK FROM AISHWARYA WEAR TO HOTEL JOHRI AND SURROUNDING LOCATIONS, MALVIYA NAGAR WARD 34 ZONE 17 third call	500538/-	5005/-	2000/-	MPUADD ISSR 2021	02 Months

1. निविदा प्रपत्र की निर्धारित राशि एवं धरोहर राशि एवं अन्य आवश्यक दस्तावेज आनलाईन प्रस्तुत करने होंगे एवं अन्य समस्त विस्तृत जानकारी www.mptenders.gov.in पर देखी जा सकती है।
2. किसी भी निविदा को स्वीकार अथवा अस्वीकार करने का अधिकार विभाग के पास सुरक्षित होगा।
3. Amendments to NIT if any would be published on website https://www.mptenders.gov.in/only, and not in newspaper.
4. The initial period of 3 (three) year after completion shall be treated as Defect Liability Period (DLP)

नि.क्र. 1707/022/023

कार्यालय यंत्री (सिविल)
नगर, निगम भोपाल

कार्यालय नगर पालिका पिपरिया, जिला-नर्मदापुरम् (म.प्र.)

Municipal Council Pipariya Distt-Narmadapuram

पं. दीनदयाल उपाध्याय पार्क के बाजू में तिलक वार्ड, पिपरिया फोन नं. 07576-222041 पिन-461775 EMail-cmopipariya @mpurban gov. in

क्रमाक/न.पा./2023/731 पिपरिया दिनांकः- 27.02.2023

ई- निविदा आमंत्रण सूचना

एतद द्वारा सूचित हैं कि म.प्र. शासन में पंजीकृत / केन्द्रीकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों/सप्लायर/विक्रेताओं/ फर्मो के माध्यम से तालिका में वर्णित कार्यों हेतु नगर पालिका पिपरिया को वर्ष 2023-24 में उपयोग में लाई जाने वाली सामग्रियों आदि की दरें हेतु नियमानुसार ऑनलाईन निविदाएँ आमंत्रित की जाती है।

क्रं.	निविदा क्रं.	कार्यों का विवरण	प्रा. राशि	धरोहर राशि	निविदा फार्म शुल्क	मात्रा
1	2023_UAD_255907_1	जयप्रदाय शाखा में विभिन्न साईजों की स्लूस वाल्व की रॉड चेकनट सहित सप्लाय हेतु वार्षिक दरें	2.00 लाख	4000 / रू	1000/ रू	आवश्यकतानुसार
2	2023_UAD_255970_1	सार्वजनिक नल हैंडपंप एवं पाईप लाइन मरम्मत कार्य हेतु नवीन सामग्री क्रय किये जाने हेतु वार्षिक दरें	9.50 लाख	9500/रु	2000 / रू	आवश्यकतानुसार
3	2023_UAD_256019_1	जय प्रदाय शाखा में मोटर पंप एवं स्टार्टर मरम्मत कार्य हेतु नवीन सामग्री क्रय किये जाने हेतु वार्षिक दरें	9.50 लाख	9500/रु	2000 / रू	आवश्यकतानुसार

निविदा प्रपत्र दिनांक 01/03/2023 प्रात 10.30 से 15/03/2023 सायं 05.30 बजे तक वेबसाइट पर ऑनलाईन प्राप्त हो सकेगें एवं ऑनलाईन निविदा दिनांक 15/03/2023 को सायं 05-30 बजे तक प्रस्तुत की जा सकती है। किसी भी प्रकार का संशोधन केवल ऑनलाईन वेबसाइट पर प्रदर्शित किया जावेगा, समाचार पत्र में कोई संशोधन प्रकाशित नहीं किया जावेगा। विस्तृत निविदा सूचना तथा अन्य जानकारी वेबसाइट https://mptenders.gov.in पर देखी जा सकती है।

मुख नगरपालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद पिपरिया

जबलपुर के एक छोटे शहर के लड़के की फादर ऑफ इंडियन हार्डवेयर बनने की प्रेरक कहानी

जबलपुर के अजय चौधरी की उल्लेखनीय कहानी हार्पर कॉलिन्स इंडिया द्वारा प्रकाशित की जाएगी

जबलपुर, मध्य प्रदेश के रहने वाले अजय चौधरी, एचसीएल के छह संस्थापक सदस्यों में से एक, ने भारत को अपना माइक्रो कंप्यूटर देने के सपने के साथ चार दशक पहले एक रोमांचक यात्रा शुरू की थी। भारत में डिजिटल इलेक्ट्रॉनिक्स के पायनियर ने आईटी इंडस्ट्री के तीन प्रमुख माइलस्टोन लिखे-पीसी रिवॉल्यूशन, मोबाइल टेलीफोनी और सिस्टम इंटीग्रेशन। चौधरी, जिन्हें %भारतीय हार्डवेयर का जनक% माना जाता है, इलेक्ट्रॉनिक में आत्मनिर्भरता के अथक हिमायती रहे हैं। उन्होंने भारत को दुनिया का इलेक्ट्रॉनिक हब बनाने की दिशा में काम कर रही कई सरकारी समितियों में काम किया है और अब भी कर रहे हैं। उनके योगदान के लिए, उन्हें 2011 में भारत के राष्ट्रपति द्वारा भारत के तीसरे सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार, पद्म भूषण से सम्मानित किया गया था।

हाल के वर्षों में, डॉ. चौधरी स्टार्टअप्स की नर्चरिंग और उनमें निवेश कर रहे हैं, व्यक्तिगत रूप से 50 से अधिक स्टार्टअप में निवेश कर रहे हैं और भारत में अपनी तरह के सबसे बड़े इंडियन एंजेल नेटवर्क के बोर्ड में काम कर रहे हैं। वह आईएएन फंड, इलेक्ट्रॉनिक्स डेवलपमेंट फंड और कैनबैंक वेंचर कैपिटल फंड की इनवेस्टमेंट कमेटी में भी हैं।

यह पुस्तक चौधरी, एचसीएल के संस्थापकों में से एक और 1975 में भारत के शुरुआती स्टार्ट-अप्स का एक हिस्सा होने की उल्लेखनीय यात्रा को उजागर करती है (उस समय जब %स्टार्ट-अप% शब्द हमारी शब्दावली का हिस्सा नहीं था)।

अजय चौधरी ने किताब में कहा है, जब मैंने अपना करियर बनाने के लिए छोटे शहर जबलपुर को छोड़ा, जहां मैं पला-बढ़ा, तो मैंने सपने में भी नहीं सोचा था कि मैं खुद पाथ ब्रेकिंग रिवॉल्यूशन का हिस्सा बनूंगा, जो भारत को बदल देगा।

पुस्तक में मध्य प्रदेश के जबलपुर के एक छोटे शहर के लड़के चौधरी की प्रेरक कहानी को बड़े सपनों और आकांक्षाओं के साथ कैद किया गया है जो

ज़एचसीएल को बड़ा बनने में मदद की

ज़ भारत में तीन क्रांतिकारी ट्रांसफॉर्मेशन के पायनियर रहे; पीसी

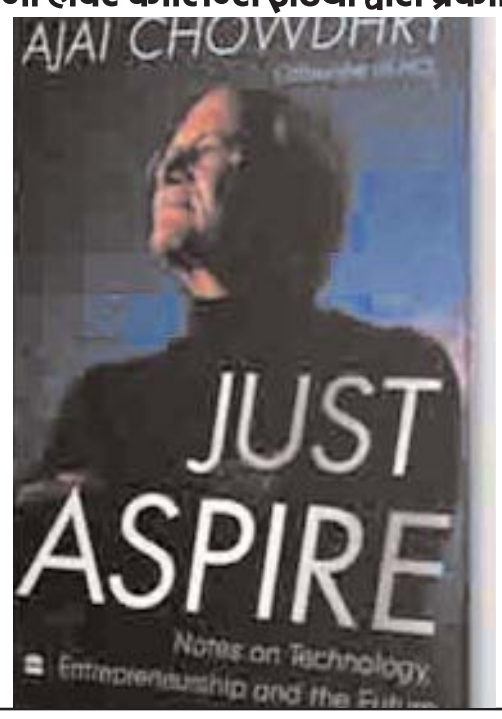

रिवॉल्यूशन, मोबाइल टेलीफोनी और सिस्टम इंटीग्रेशन

ज़ एक दूरदर्शी हैं जिन्होंने भारत में इलेक्ट्रॉनिक्स इंडस्ट्री के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है और भारत को इलेक्ट्रॉनिक्स में एक प्रोडक्ट नेशन बनाने के लिए दृढ़ संकल्पित हैं

पुस्तक एक आकर्षक विवरण प्रस्तुत करती है कि कैसे भारत की सॉफ्टवेयर इंडस्ट्री का जन्म हार्डवेयर से हुआ। पाठकों को एंटरप्रेन्योरशिप, लीडरशिप, सेल्समैनशिप, संस्थानों और राष्ट्रों के निर्माण और बड़े सपने देखने और बदलाव लाने के लिए प्रेरित करने के लिए पर अमूल्य ज्ञान प्राप्त होगा। इस किताब से एक ऐसे व्यक्ति से सबक लेने को मिलेगा जो कि एंटरप्रेन्योर, स्पोर्ट्समैन, सेल्सपर्सन, इंजीनियर, एजुकेशनिस्ट, जैज़ प्रशंसक, सिंगर, और इन्वेस्टर आदि है।

सैमसंग की नयी पीसी श्रृंखला गैलेक्सी बुक 3 सीरीज़ की सेल भारत में शुरू

गुरुग्राम, एजेंसी। सैमसंग की नयी पीसी श्रृंखला, गैलेक्सी बुक 3 प्रो 360,गैलक्सी बुक 3 प्रो और गैलेक्सी बुक 360 की सेल शुरू हो गई है। गैलेक्सी बुक 3 को ख़ास तौर पर उन के लिए है डिज़ाइन किया गया है, जिन्हें अपनी उत्पादकता और क्रिएटिविटी बढ़ाने के लिएबिना किसी रुकावट के मल्टी डिवाइस कनेक्टिविटी और प्रीमियम हार्डवियर की जरूरत है। गैलेक्सी बुक3 सीरीज़ को हमारे उपभोक्ताओं की ज़रूरतों और अपेक्षाओं को ध्यान में रखते हुए मल्टी-डिवाइस दुनिया में कनेक्टेड डिवाइसों के लिए तैयार किया गया है।प्रमुख उद्योग भागीदारों की मदद से, गैलेक्सी बुक3 सीरीज़ ने मल्टी-डिवाईस कनेक्टिविटी के मामले में नए मानक स्थापित कर दिए हैं औरउपभोक्ताओं को विभिन्न डिवाईसेज़ एवं अलग-अलग ऑपरेटिंग सिस्टम्स में बेहतरीन तरीके से काम करने और क्रिएटिव टास्क पूरे करनेमें समर्थ बनाया है।गैलेक्सी बुक3 सीरीज यूजर्स को ऑपरेटिंग सिस्टगम में फोन-टू-पीसी कनेक्टिविटी का एक बेहतर अनुभव प्रदान करती है।

रंगों के बिना जिंदगी अर्थहीन और बेमतलब : हितेश भारद्वाज

मुंबई, एजेंसी। कलर्स के 'उड़ारियां' में एकम का किरदार निभा रहे हितेश भारद्वाज ने कहा, रंगों के बिना जिंदगी अर्थहीन और बेमतलब है। होली मेरे पसंदीदा त्योहारों में से एक है और यह हमारी संस्कृति की जीवंतता और संस्कार को लेकर आती है। यह बच्चों और बड़ों के लिए एक बिल्कुल अलग त्योहार है। मैं मथुरा का रहने वाला हूं और मुझे याद है कि बचपन में मेरी मां होली पर हमारे लिये 'गुझिया' बनाती थीं। इसके अलावा और भी कई सारे स्वादिष्ट व्यंजन बनाये जाते थे। आज भी वही परंपरा कायम है। हम सब परिवार वाले एक जगह इकट्ठा होते हैं और मुंह में पानी भर देने वाली मिठाईयों का आनंद उठाते हैं। मैं अपने कजिन्स और दोस्तों के साथ होली खेलता हूं। यह त्योहार अब दोस्तों एवं परिवार वालों से मिलने-जुलने एवं बेवकूफी से भरी तस्वीरें लेने का जरिया बन गया है।

न्युवोको ने नया अभियान इसमें है वो, जो नंबर 1 में भी नहीं लॉन्च किया

मुंबई, एजेंसी। न्युवोको विस्टास कॉर्प लिमिटेड, भारत की पांचवीं सबसे बड़ी सीमेंट कंपनी और पूर्वी भारत में अग्रणी सीमेंट कंपनी, क्षमता के मामले में, ने उत्तरी भारत पर मुख्य फोकस करने क साथ ही पूरे देश में एक नया इंटीग्रेटेड मार्केटिंग अभियान इसमें है वो, जो नंबर 1 में भी नहीं शुरू किया है। यह अभियान ड्यूरागार्ड फ्रैंचाइजी के अनूठे विक्रय प्रस्तावों को उजगार करता है जो उपभोक्ताओं के साथ न्युवोको के संबंध को और मजबूत करेगा। ड्यूरागार्ड की इस फ्रेंचाइजी में भारत का पहला और एकमात्र माइक्रोफाइबर सीमेंट, वॉयड रिडक्शन टेक्नोलॉजी सीमेंट, सुपरसेट टेक्नोलॉजी सीमेंट और फाउंडेशन टू फिनिश सीमेंट शामिल हैं। इस व्यापक और अलग श्रेणी का उद्देश्य समझदार ग्राहक की निर्माण आवश्यकताओं को पूरा करना है।यह अभियान राजस्थान, गुजरात, दिल्ली, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, पंजाब और मध्य प्रदेश के प्रमुख क्षेत्रों में फैला हुआ है। अभियान में लघु फिल्मों की एक श्रृंखला शामिल है जो इस फ्रैंचाइज़ी के अद्वितीय गुणों को प्रदर्शित करती है जो ग्राहकों को न्युवोको की अनूठी पेशकशों के साथ अपने सपनों का घर बनाने के बारे में बेहतर और अधिक सूचित निर्णय लेने के लिए प्रेरित कर सकती है।

एचडीएफसी लाइफ का गारंटीड इनकम इंश्योरेंस प्लान सुरक्षित भविष्य सुनिश्चित करता है

मुंबई। भारत की प्रमुख लाइफ इंश्योरेंस कंपनियों में से एक एचडीएफसी लाइफ ने एचडीएफसी लाइफ गारंटीड इनकम इंश्योरेंस प्लान लॉन्च किया है। यह प्रोडक्ट नियमित टैक्स फ्री लाभ और मृत्यु लाभ की गारंटी देता है। एचडीएफसी लाइफ द्वारा लगातार ऐसे प्रोडक्ट पेश करने की कोशिश की जाती है, जो ग्राहकों के लिए जीवन के विभिन्न चरणों की ज़रूरतों को पूरा करे। एचडीएफसी लाइफ गारंटीड इनकम इंश्योरेंस प्लान के जरिये, कंपनी ग्राहकों को अपने लिए एक पूंजी निर्माण करने का मौका देती है, जो उन्हें नियमित एवं गारंटीकृत आमदनी के साथ लगातार मदद करती रहेगी। लाइफ इंश्योरेंस हर उस व्यक्ति के लिए आवश्यक है जिसके पास अपने परिवार की जिम्मेदारियां और लंबी अवधि के आर्थिक लक्ष्य हैं। एचडीएफसी लाइफ गारंटीड इनकमइंश्योरेंस प्लान इन जीवन लक्ष्यों को पूरा करने में मदद कर सकता है। नए प्लान के लॉन्च पर बोलते हुए अनीश खन्ना ङ्क हेड, प्रोडक्ट्स एंड सेगमेंट्स, एचडीएफसी लाइफ ने कहा, ÷एचडीएफसी लाइफ में हमारा लक्ष्य अपने पॉलिसीधारकों एवं उनके परिवार की आर्थिक सुरक्षा सुनिश्चित करना है।

आईआरसीटीसी ने को-ब्रांडेड ट्रेवेल क्रेडिट कार्ड लॉन्च करने के लिए एचडीएफसी बैंक के साथ साझेदारी की

नई दिल्ली, एजेंसी। रेल मंत्रालय के तहत सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कॉरपोरेशन लिमिटेड (आईआरसीटीसी) और भारत के सबसे बड़े निजी क्षेत्र के बैंक एचडीएफसी बैंक ने आज भारत के सबसे पुरस्कृत को-ब्रांडेड ट्रेवेल क्रेडिट कार्डों में से एक को लॉन्च करने के लिए साझेदारी की घोषणा की। आईआरसीटीसी एचडीएफसी बैंक क्रेडिट कार्ड के नाम से जाना जाने वाला नया कार्ड लॉन्च किया गया, को-ब्रांडेड कार्ड एक ही संस्करण में है और विशेष रूप से एनपीसीआई के रुपे नेटवर्क पर उपलब्ध है। यह आईआरसीटीसी की टिकटिंग वेबसाइट और आईआरसीटीसी रेल कनेक्ट ऐप के माध्यम से बुक किए गए ट्रेन टिकटों की बुकिंग पर विशेष लाभ और अधिकतम बचत प्रदान करेगा। इसके अतिरिक्त, आईआरसीटीसी एचडीएफसी बैंक क्रेडिट कार्डधारकों को आकर्षक ज्वाइनिंग बोनस, बुकिंग पर छूट और देश भर के रेलवे स्टेशनों पर कई कार्यकारी लाउंज तक पहुंच का आनंद मिलेगा।कार्ड यात्रियों को बेहतर मूल्य और बेहतर ग्राहक अनुभव प्रदान करने के लिए दो प्रमुख भारतीय ब्रांडों की ताकत को जोड़ता है। यह देश में कार्ड जारी करने में मार्केट लीडर के रूप में एचडीएफसी बैंक की विशेषज्ञता का लाभ उठाएगा, अपने श्रेणी में सर्वश्रेष्ठ पुरस्कार कार्यक्रम और ट्रेन यात्रा पर आईआरसीटीसी की बेजोड़ सेवाओं की पेशकश करेगा।

अमेजन.इन के होली शॉपिंग स्टोर के साथ मनाएं रंगों का त्योहार

मुंबई, एजेंसी। अमेजन.इन पर खास तौर पर तैयार किए गए होली शॉपिंग स्टोर पावर्ड बाय बेवजिला के साथ होली के मौके पर खुशियों के रंग घर लेकर आइए। इस स्टोर पर आप रंग एवं पिचकारी, सेफ्टी आइटम, पूजा की जरूरत के सामान, फैशन एवं ब्यूटी से जुड़े जरूरी सामान, मिठाई एवं स्नैक्स, वाटरप्रूफ गैजेट्स, एक्सेसरीज आदि जैसी अपनी जरूरत के सभी सामानों पर 70 प्रतिशत तक की छूट पाएं और रंगों से भरपूर होली के मज़ेदार उत्सव का आनंद लें। इस स्टोर पर ग्राहक बेवजिला, क्रॉक्स, फेरेरो रौशर, फोसिल आदि जैसे ब्रांडों पर बड़ी बचत कर सकते हैं।

एकत्रित होता वैज्ञानिक प्रमाण भारतीयों के स्वास्थ्य के लिए पैकेज़्ड फूड पर 'वार्निंग लेबल' का समर्थन कर रहा है

मुंबई, एजेंसी। भारत में ऐतिहासिक फूड लेबलिंग के नियम अपनाए जाने वाले हैं, जिससे जन स्वास्थ्य के मामले में काफी बड़ा परिवर्तन आ सकता है। प्रतिष्ठित वैज्ञानिक और मेडिकल संस्थानों द्वारा किए गए शोध एवं अध्ययन इस बात का समर्थन कर रहे हैं कि लोगों के लिए वार्निंग लेबल सर्वश्रेष्ठ हैं। एफएसएसएआई को सही विकल्प चुनने में समर्थ बनाने के लिए डॉक्टर और वैज्ञानिक इस विकल्प के समर्थन में विज्ञान पर आधारिक और तकनीकी प्रमाण एकत्रित कर रहे हैं।

इंडियन काउंसिल फॉर मेडिकल रिसर्च (आईसीएमआर) और नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ न्यूट्रिशन (एनआईएन) द्वारा हाल ही में किए गए एक अध्ययन के मुताबिक वार्निंग लेबल देखकर ज्यादातर स्वास्थ्य को थोड़ा नुकसान करने वाले या अस्वास्थ्यकर उत्पाद खरीदने से रुक जाते हैं। वार्निंग लेबल से उस उत्पाद द्वारा स्वास्थ्य को उत्पन्न होने वाले संभावित खतरों के बारे में जानकारी मिल जाती है। वार्निंग लेबल में उस उत्पाद में मौजूद शुगर, फैट और साल्ट आदि संभावित नुकसानदायक सामग्री को ध्यान में लिया गया होता है।

एफओपीएल का मुख्य उद्देश्य उपभोक्ताओं को आसान भाषा में उस उत्पाद में मौजूद साल्ट, शुगर और फैट्स आदि ज्यादा होने की जानकारी देना है। डॉ. उमेश कपिल, प्रेसिडेंट, एपिमेडियोलॉजिकल फाउंडेशन ऑफ इंडिया ने कहा, ''अनेक अध्ययनों में सामने आया है कि लोगों को 'वार्निंग लेबल' पढ़ना और समझना सबसे आसान लगता है। हमें लेबल का ऐसा डिज़ाईन चुनना होगा, जो वैज्ञानिक हो। भारतीयों के लिए वार्निंग लेबल सर्वश्रेष्ठ हैं, इस बात को प्रमाणित करने के लिए अब पर्याप्त शोध उपलब्ध है। एफएसएसएआई को अध्ययन में मिले परिणामों को नजरंदाज नहीं करना चाहिए क्योंकि लेबल डिज़ाईन का निर्णय आने वाले सालों में भारत में बीमारी के भार को तय करने में मुख्य भूमिका निभाएगा। उत्पाद में मौजूद संभावित नुकसानदायक पोषक तत्वों के बारे में जानकारी और चेतावनी को प्रदर्शित किया जाना जरूरी है। फायदेमंद पोषक तत्वों की जानकारी स्टार के रूप में दिए जाने से केवल लोग भ्रमित होंगे।''

भारत में गैरसंचारी रोगों (एनसीडी) का भार तेजी से बढ़ रहा है। व्यस्कों में पोषण के संबंधित बीमारियां जैसे डायबिटीज़, मोटापा, और बच्चों द्वारा मोटापे का शिकार हो जाने के बढ़ते मामले चिंताजनक हैं। ऑल इंडिया मेडिकल साईंसेज़ (एम्स) और यूनिवर्सिटी ऑफ नॉर्थ कैरोलीना, शैपेल हिल (यूएनसी) के शोधकर्ताओं ने हाल ही में भारत में उपलब्ध 10,000 से ज्यादा फूड एवं बेवरेज उत्पादों का विश्लेषण किया। उनके शोध में सामने आया कि इनमें से 68 प्रतिशत उत्पादों में कम से कम एक तत्व की मात्रा चिंताजनक रूप से ज्यादा है, जबकि 32 प्रतिशत डब्लूएचओ के क्षेत्रीय मानकों के अनुरूप वैज्ञानिक सीमा के अंदर हैं। भारत के आयोडीन मैन के रूप में प्रसिद्ध और इस पेपर के सह-लेखक, पद्मश्री (डॉ.) चंद्रकांत पांडव ने बताया, ''एफओपीएल पर भारत के निर्णय पर पूरी दुनिया की नजर है।

स्टेफ्री और कियारा आडवाणी का हुआ गठबंधन

मुंबई, एजेंसी। महिलाओं की माहवारी संबंधी स्वच्छता में भारत के अग्रणी ब्रांड्स में से एक, स्टेफ्री ने आज बॉलिवुड सुपरस्टार और लोकप्रिय युवा आईकन, कियारा आडवाणी को अपना ब्रांड एम्बेसडर और स्टेफ्री सिक्योर एक्सएल पैड्स के लिए अपने नए कैम्पेन का चेहरा बनाया है। कियारा आडवाणी आधुनिक भारत की महिलाओं का प्रतिनिधित्व करती हैं, और ब्रांड के सिद्धांत एवं अवधारणा का प्रदर्शन करेंगी। इस नए अभियान के बारे में मनोज गाडगिल, वाईस प्रेसिडेंट, मार्केटिंग एवं एसेंशल हैल्थ बीयू हेड, जॉनसन एंड जॉनसन कंज़्यूमर हैल्थ ने कहा, ''स्टेफ्री ने सदैव युवा महिलाओं के उत्साह और सामर्थ्य को सम्मानित किया है। स्टेफ्री एक्सएल के नए कैम्पेन 'दिन तुम्हारे साथ चलेगा' के साथ यह ब्रांड महिलाओं को अपने सपनों और महत्वाकांक्षाओं को पूरा करने में समर्थ बना रहा है, ताकि वो अपनी शर्तों पर जिंदगी जी सकें और तेजी से लक्ष्य की ओर बढ़ सकें। हमें स्टेफ्री परिवार में कियारा आडवाणी को शामिल करने की खुशी है। वो आज की पीढ़ी की महत्वाकांक्षी युवा महिला का प्रतिनिधित्व करती हैं। कियारा आडवाणी के साथ इस गठबंधन द्वारा हमारा उद्देश्य महिलाओं को हर अवसर का लाभ उठाने और अपने सपनों की ओर बढ़ने में समर्थ बनाने के ब्रांड के उद्देश्य को आगे बढ़ाना है, ताकि उनकी माहवारी के दौरान भी कोई अवसर उनके हाथ से छूट न जाए।''

स्टेफ्री के साथ अपने गठबंधन के बारे में कियारा आडवाणी ने कहा, ''आज की आधुनिक महिलाएं रुकती नहीं हैं। मेरा विश्वास है कि आज की महिलाओं के उत्साह, साहस और दृढ़ निश्चय को कोई रोक नहीं सकता। मुझे खुशी है कि मैं स्टेफ्री का नया चेहरा बन गई हूँ और मैं इस आईकोनिक ब्रांड का प्रतिनिधित्व कर रही हूँ, जो लाखों युवा लड़कियों और महिलाओं को अपनी महत्वाकांक्षाएं पूरी करने में मदद करता है, और उन्हें माहवारी से जुड़ी असुविधा, डर और शर्म से बचाता है। स्टेफ्री सिक्योर एक्सएल आराम और 12 घंटे तक लंबी सुरक्षा प्रदान करता है।

मरेंगो एशिया हेल्थकेयर ने गुजरात में पहले द्विपक्षीय फेफड़े के प्रत्यारोपण किया

अहमदाबाद, एजेंसी। गुजरात राज्य में पहली बार दोहरे फेफड़े के प्रत्यारोपण के प्राप्तकर्ता को अहमदाबाद के मरेंगो सिम्स अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है। 41 वर्षीय सीरियाई सज्जन, जो इंटरस्टीशियल लंग डिजीज (आईएलडी या फेफड़े की फाइब्रोसिस) बिगड़ने से 2 महीने से अधिक समय से बिस्तर पर थे, इस साल 6 जनवरी को उन पर प्रोसीजर की गई। मरेंगो एशिया हेल्थकेयर नेटवर्क अस्पतालों की संयुक्त विशेषज्ञता से गठित फेफड़े के प्रत्यारोपण दल का नेतृत्व फेफड़े के प्रत्यारोपण के कार्यक्रम निदेशक डॉ कुमुद धीतल ने किया। इस केस में मरेंगो अस्पताल, निदेशक - एनेस्थीसिया एंड क्रिटिकल केयर, सीटीवीएस और हार्ट एंड लंग ट्रांसप्लांट, श्री प्रवीण दास, चीफ परफ्यूजनिस्ट शामिल थे, जिन्हें सिम्स अस्पताल में यह स्थानीय विशेषज्ञों का सहयोग मिला॰ सर्जरी - डॉ धीरेन शाह, सीनियर कंसल्टेंट सीटीवीएस और हार्ट एंड लंग ट्रांसप्लांटेशन; एनेस्थीसिया और क्रिटिकल केयर - डॉ निरेन भावसार और डॉ हर्षित बावीशी; ट्रांसप्लांट पल्मोनोलॉजी॰ डॉ कपिल अय्यर और अमित पटेल।

केस इंडिया ने 'प्रोजेक्ट लीड' को दिखाई हरी झंडी, ग्रामीण

क्षेत्रों में उद्यमिता को बढ़ावा देने का प्रयास

मुंबई, एजेंसी। केस कंस्ट्रक्शन इक्विपमेंट ने भारत में ग्रामीण युवाओं के बीच उद्यमशीलता को प्रोत्साहित करने के लिए एक नई सीएसआर पहल - लीड (लाइवलीहुड एंड एंटरप्रेन्योरशिप अवेयरनैस डेवलपमेंट) को हरी झंडी दिखाई है। यह परियोजना जागरूकता और प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से कृषि और इन्फ्रास्ट्रक्चर के क्षेत्र में आमदनी के सहायक अवसरों पर केंद्रित है। पहले वर्ष में, ब्रांड का लक्ष्य 3000 से अधिक गांवों में 30,000 से अधिक युवा उम्मीदवारों को अपने साथ जोड़ना और उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव लाना है।

लीड प्रोजेक्ट दरअसल एक डोर-टू-डोर जागरूकता कार्यक्रम है, जो देशभर में युवाओं को कृषि, ग्रामीण उद्योगों (मुर्गी पालन, डेयरी, मधुमक्खी पालन और मत्स्य पालन) और ग्रामीण बुनियादी ढांचे (सड़क निर्माण की पहल और सिंचाई) के तहत उद्यमशीलता के उपक्रमों के बारे में शिक्षित करता है। ये ऐसे उपक्रम हैं, जो स्थानीय क्षेत्रों में संचालित किए जा सकते हैं। इस पहल के तहत 2024 तक की योजना बनाई गई है। इसमें स्थानीय युवाओं के साथ बातचीत पर जोर दिया जाता है, ताकि नौकरियों की तलाश में शहरी क्षेत्रों में उनके पलायन को रोका जा सके। साथ ही इस पहल के तहत रिवर्स माइग्रेशन को भी प्रोत्साहित किया जाता है।

प्रोजेक्ट के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए श्री सुनील पुरी, मैनेजिंग डायरेक्टर, केस कंस्ट्रक्शन - इंडिया और सार्क ने कहा, ''सामाजिक रूप से जिम्मेदार ब्रांड के रूप में, हम युवाओं के बीच आजीविका और उद्यमशीलता को बढ़ावा देने के लिए एक और सीएसआर पहल शुरू करके खुशी का अनुभव कर रहे हैं।

कोहोर्ट-1 के सफल चयन के बाद, यूसैड के मूमेंटम ने यश एंट्रप्रेन्योर्स प्रोग्राम के अंतर्गत कोहोर्ट-2 के लिए आवेदनों की घोषणा की

नई दिल्ली, एजेंसी। यूनाईटेड स्टेट्स एजेंसी फॉर इंटरनेशनल डेवलपमेंट (यूसैड) मूमेंटम कंट्री एंड ग्लोबल लीडरशिपः इंडिया-यश प्रोजेक्ट, जिसका नेतृत्व जॉन हॉपकिंस एफिलिएट, झपीगो अग्रणी सोशल एंटरप्राइज़ इनक्यूबेटर, विलग्रो के साथ करते हैं, ने यश एंट्रप्रेन्योर्स प्रोग्राम के कोहोर्ट-2 के लिए आवेदन मंगाए हैं। यह प्रोग्राम भारत में युवाओं के लिए परिवार नियोजन और प्रजनन स्वास्थ्य (एफपी/आरएच) के परिणामों में सुधार लाने की क्षमता वाले इनोवेटिव बिज़नेस मॉडल्स को बढ़ावा देने पर केंद्रित होगा। कोहोर्ट-1 की विरासत को आगे बढ़ाते हुए यह प्रोग्राम मुख्य पब्लिक और प्राईवेट सेक्टर के स्टेकहोल्डर्स के साथ साझेदारियों का उपयोग कर एंट्रप्रेन्योरशिप के परिवेश को आकार देगा ताकि संभावनापूर्ण एवं किफायती एफपी/आरएच इनोवेशंस का विस्तार हो सके। इस प्रोग्राम के अंतर्गत 10 लाख रु. तक की फंडिंग तथा विलग्रो की ओर से टेक्निकल सहायता, मेंटरिंग, और इन्क्यूबेशन में सहयोग दिया जाएगा। ज्यादा गहन और परिणाम-आधारित सहयोग के लिए कम संख्या में संभावनापूर्ण स्टार्टअप्स चयन किया जाएगा तथा प्रत्येक को 1 करोड़ रु. के अतिरिक्त फंड का सहयोग दिया जाएगा।

इससे पूर्व अगस्त 2022 में इनक्यूबेशन के चरण में इस प्रोग्राम में 7 सोशल एंटरप्राईज़ शामिल हुए, जिन्होंने इनोवेशन पर आधारित उत्पादों व सेवाओं का विकास किया, जो माहवारी के दौरान स्वच्छता (पैडकेयर लैब्स, ग्रीन डिलाईट इनोवेशंस), यौन और प्रजनन के स्वास्थ्य (एसआरएच) (यूीव हैल्थ, पिंकी प्रॉमिज़, गेट इंटीमेसी और स्टैंड वी स्पीक) तथा मानसिक सेहत (दैटमेट) आदि से संबंधित समस्याओं के समाधान पर केंद्रित थे। इनक्यूबेशन चरण के अंत में इन सात उद्यमों के एक लाख लाभार्थियों तक पहुँचने और 3 करोड़ रु. का राजस्व अर्जित करने का अनुमान है।

सीग्राम केरॉयल स्टैग नेनए भारत के लिए एक नई म्यूजिक प्रोपर्टी - रॉयल स्टैग बूमबॉक्स की शुरूआत की- जनरेशन लार्ज का ओरिजनल साउंड

मुंबई, एजेंसी। अपने स्कोपऔर साउंड,दोनों में एक अलग रिदमबनाते हुए, रॉयल स्टैग बूमबॉक्स का मकसदएक अनूठा अनुभव ऑफर करना है, जिसमेंबॉलीवुड की सबसे ज्यादा पसंद की जाने वाली धुनों का संगम हिप-हॉप की बीट्स से होता। इस शानदारअनुभव में बादशाह, अरमान मलिक, अमित त्रिवेदी, धीमा चीता, निखिता गांधी, बाली, ईपीआर, नीति मोहन, जसलीन रॉयल, डीजे सुकेतु और डिनो जेम्सजैसे दिग्गज संगीतकारों का जादू दर्शकों के सिर चढ़ कर बोलेगा । मार्च2023॰ लिविंग इट लार्ज की स्प्रिटको सेलीब्रेट करते हुए, सीग्राम का रॉयल स्टैग रॉयल लाया है अपने किस्म का पहला संगीतमय अनुभव, जिसका नाम है रॉयल स्टैग बूमबॉक्स । यह युवा पीढ़ीकी आवाज है, एक ऐसा वर्ग जो पुराने ट्रेंड्स पर चलने के बजाय,खुद के ट्रेंड्स बनाने में विश्वास रखता है; ऐसा वर्ग,जो आत्मा को तृप्त करने वाले नए अनुभवों की निरंतर खोज में रहत है। सोमवार, 27 फरवरी, 2023 को मुंबई में एक एक्सक्लूसिव प्रिव्यू में ब्रांड ने स्टोर में उपलब्ध चीजों की एक झलक दिखाई गई। रॉयल स्टैग बूमबॉक्स म्यूजिक इंडस्ट्री के दो अलग-अलग शैलियों को एक साथ लाया है, जिसमें बॉलीवुड की मेलोडीऔर हिप-हॉप की गली वाइब को साथ लाया गया है, जो ओरिजनल म्यूजिक और नया साउंडस्केप बनाते हैं।

विगत कई वर्षों से, ब्रांड के लिए संगीत एक महत्वपूर्ण कंज्यूमर इंगेजमेंट पिलर रहा है। आजके युवा संगीत के नित नए रूपों को तलाश रहे हैं। हिप-हॉप जैसी समकालीन शैली देश के युवाओं के बीच तेजी से लोकप्रिय हो रही है, जबकि बॉलीवुड की धुनें उनके सांस्कृतिक परिवेश का अभिन्न अंग बनी हुई हैं।

हगीज़ ने किया सोनम कपूर आहूजा को चैलेंज

मुंबई, एजेंसी। किम्बर्ली-क्लार्क के अग्रणी ब्रांड हगीज़ ने हगीज़ कम्प्लीट कम्फर्ट रेन्ज के भारत में रीलॉन्च के लिए, वी गॉट यु, बेबी के दूसरे चरण में एक्टर और हाल ही में माँ बनी सोनम कपूर आहूजा के साथ सहयोग किया है। युवा महिलाओं और माताओं में सोनम बहुत मशहूर है, इस वजह से ब्रांड को विश्वास है कि उनके साथ यह सहयोग ब्रांड का संदेश सही उपभोक्ताओं तक पहुंचाने में प्रभावकारी साबित होगा। सोनम ने ब्रांड के #HuggiesFlipAndDipChallenge को स्वीकार किया है, यह दिखाने वाली फिल्म को डिजिटल प्लेटफॉर्म्स और टीवी पर पांच भाषाओं में प्रसारित किया जाएगा। फिल्म की परिकल्पना और उसका एक्ज़िक्यूशन ओगिल्वी इंडिया ने किया है। इस फिल्म में सोनम कपूर आहूजा ने हगीज़ चैलेंज लिया है। बच्चों के डाइपर चुनते समय कोई भी माँ दो बातों पर ध्यान देती है - मुलायमता और सोखने की क्षमता। इन दोनों की जांच के लिए हगीज़ चैलेंज में दो आसान स्टेप्स बताए गए हैं। इस चैलेंज में सोनम को पता चलता है कि हगीज़ डाइपर दूसरे डाइपर के मुकाबले बहुत ही अच्छा है, वह अपने बेबी के लिए हगीज़ कम्प्लीट कम्फर्ट0 रेन्ज को चुनकर हगीज़ मॉम क्लब के साथ जुड़ने का फैसला करती है। किम्बर्ली-क्लार्क इंडिया की मार्केटिंग डायरेक्टर साक्षी वर्मा मेनन ने टीवीसी के बारे में कहा, हगीज़ परिवार में सोनम का स्वागत करते हुए हमें बहुत खुशी हो रही है। सोनम हाल ही में माँ बनी है और अपने बेबी के लिए सबसे अच्छी चीज़ों को चुनने के लिए काफी सोच-समझकर फैसला लेती है।

बादाम की अच्छाईयों के साथ मनाएं रंगों का त्यौहार

मुंबई, एजेंसी। बसंत के आगमन का स्वागत करने और सर्दियों का मौसम समाप्त होने के मौके पर हर साल होली मनाई जाती है इस साल नई शुरूआत का उत्सव मनाते हुए चलिए एक अधिक सेहतमंद होली की योजना बनाते हैं। हम लोग त्यौहार के दौरान क्या खा रहे हैं इसके बारे में अधिक सतर्कता बरत सकते हैं और अनहेल्दी स्नैक्स की बजाय बादाम का विकल्प चुन सकते हैं बादाम सेहतमंद और पौष्टिक होते हैं और होली के जश्न में इसे आसानी से शामिल किया जा सकता है चाहे हमारे दोस्तों और परिवार के सदस्यों के लिए दिए जाने वाले उपहार हों, परंपरागत पकवान हों या त्यौहार के एक भाग के रूप में परोसे जाने वाले स्नैक्स हों। बादाम जैसे प्राकृतिक रूप से फ्लेवर्ड नट्स का एक गिफ्ट देने का विकल्प कोई भी व्यक्ति चुन सकता है। बादाम को एक अच्छे स्वास्थ्य के उपहार के रूप में जाना जाता है जो विटामिन ई, प्रोटिन, राइबोफ्लेविन, मैंगनीज, फोलेट इत्यादि सहित 15 पोषक तत्वों का एक प्राकृतिक स्त्रोत है। कई वर्षों के वैज्ञानिक शोध से यह प्रदर्शित हुआ है कि बादाम का नियमित सेवन हृदय स्वास्थ्य, त्वचा स्वास्थ्य, डायबिटीज और वजन प्रबंधन के मामलों में विभिन्न प्रकार के लाभ प्रदान करता है।

महिन्द्रा यूनिवर्सिटी ने अकादमिक वर्ष 2023-24 के लिए एजुकेशनल स्टडीज में पीएचडी के लिए प्रवेश की घोषणा की

हैदराबाद, एजेंसी। भारत के सबसे तेजी से बढ़ते अंतःविषय शैक्षणिक संस्थानों में से एक और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने के लिए समर्पित महिन्द्रा युनिवर्सिटी (एमयू) ने अकादमिक वर्ष 2023-24 के लिए एजुकेशनल स्टडीज़ में पीएचडी के लिए प्रवेश देने की घोषणा की है। इस प्रोग्राम के तहत पूर्णकालिक अनुसंधान छात्रों के लिए पीएचडी असिस्टेंटशिप की पेशकश की जा रही है। यह गतिशील अध्ययन वातावरण में शिक्षा के जटिल संदर्भों को समझने के लिए अंतर एवं अंतःविषय दृष्टिकोण का उपयोग करते हुए शिक्षा के विभिन्न आयामों पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। शिक्षा एक क्षेत्र के तौर पर महज अभ्यास का क्षेत्र नहीं है, बल्कि यह कक्षा के अभ्यास से परे भी जाता है। यह अन्य सामाजिक विज्ञानों और मानविकी से काफी कुछ ग्रहण करता है, इसलिए यह अपरिहार्य हो जाता है कि इंदिरा महिन्द्रा स्कूल ऑफएजुकेशन (आईएमएसई) अपने अध्यापन एवं अनुसंधान एजेंडा में शिक्षा के पेशेवर क्षेत्र के साथ एक समग्र दृष्टिकोण अपनाए ताकि यह ज्ञान के उन्नयन के लिए एक केंद्र के तौर पर बढ़े। अध्यापन और अनुसंधान का अभ्यास बहुत हद तक गैर पारंपरिक है और शिक्षकों द्वारा अपने अपने क्षेत्रों में कार्यों से और शिक्षा के क्षेत्र में अति आधुनिकता से इसे गति मिलती है। शिक्षा में पीएचडी प्रोग्राम की अवधि तीन वर्ष की है और उचित विचार के बाद इसे एक साल तक के लिए बढ़ाया जा सकता है।

सबसे तेज़ी से विकसित होते प्रीमियम मोटरसाइकल ब्राण्ड टीवीएस अपाचे सीरीज़ ने दुनिया भर में 5 मिलियन युनिट्स की सेल्स की उपलब्धि हासिल की

टीवीएस अपाचे सीरीज़ के साथ सशक्त ग्लोबल कम्युनिटी जुड़ी है, जिसकी 60 से अधिक देशों में मौजूदगी है

मुंबई एजेंसी। प्रीमियमीकरण की यात्रा पर तेज़ी से आगे बढ़ते हुए दुनिया भर में दोपहिया एवं तिपहिया वाहनों की प्रतिष्ठित निर्माता टीवीएस मोटर कंपनी ने अपने प्रीमियम मोटरसाइकल ब्राण्ड टीवीएस अपाचे सीरीज़ की 5 मिलियन युनिट्स की ग्लोबल सेल्स का आंकड़ा दर्ज कर लिया है। 2005 में लॉन्च की गई टीवीएस अपाचे की 60 से अधिक देशों में सशक्त मौजूदगी है, जो आज दुनिया भर में सबसे तेज़ी से विकसित होता स्पोर्ट्स ब्राण्ड बन चुकी है। टीवीएस मोटर कंपनी की फैक्टरी रेसिंग टीम- टीवीएस रेसिंग की समृद्ध धरोहर पर आधारित टीवीएस अपाचे सीरीज़ ने अपने वर्ग में सर्वश्रेष्ठ परफोर्मेन्स, टेक्नोलॉजी एवं स्टाइल के साथ प्रीमियम मोटरसाइकल सेगमेन्ट में नए बेंचमार्क स्थापित किए हैं।

ट्रैक-टू-रोड़ दृष्टिकोण पर निर्मित एवं विकसित की गई टीवीएस अपाचे ने रेसिंग को नया आयाम दिया है और सिर्फ एक प्रोडक्ट से विकसित होकर मोटरसाइकल के बेहद महत्वाकांक्षी ब्राण्ड के रूप में उभरी है, जिसे पिछले सालों के दौरान उपभोक्ताओं से ज़बरदस्त प्यार और भरोसा मिला है। 5 मिलियन युनिट्स की सेल्स की उपलब्धि हासिल करना उपभोक्ताओं के इसी भरोसे की पुष्टि करता है। विश्वस्तरीय प्रोडक्ट्स उपलब्ध कराने की टीवीएस मोटर की प्रतिबद्धता के अनुरूप टीवीएस अपाचे सीरीज़ ने पिछले सालों के दौरान कई अपग्रेड्स किए हैं और अपने सेगमेन्ट में पहली बार कई आकर्षक फीचर्स लेकर आई है जैसे रेस-ट्यून्ड फ्यूल इंजेक्शन ;त्ज.थ्प्द्ध, राईड मोड्स, ड्यूल चैनल एबीएस, रेस ट्यून्ड स्लीपर क्लच, उंतजग्वददमबज आदि। ऐसे में यह दुनिया भर के बाइकिंग प्रेमियों एवं राइडरों की पहली पसंद बन चुकी है।

इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए श्री विमल सुंबली, हैड बिज़नेस- प्रीमियम, टीवीएस मोटर कंपनी ने कहा, ''हमें खुशी है कि हम इस विश्वस्तरीय उपलब्धि तक पहुंच गए हैं, इसके लिए हम दुनिया भर के अपाचे मालिकों के प्रति आभार व्यक्त करना चाहते हैं। इस उपलब्धि तक पहुंचने की यात्रा के दौरान हमने उल्लेखनीय प्रयास किए हैं, जिनके चलते आज टीवीएस अपाचे सही मायनों में ग्लोबल ब्राण्ड बन चुका है। टीवीएस अपाचे ने सिर्फ एक मोटरसाइकल से आगे बढ़कर सम्पूर्ण प्रीमियम अनुभव प्रदान करने में लम्बी दूरी तय की है, जो हमारे प्रोडक्ट्स की व्यापक रेंज तथा हमारी विभिन्न पहलों जैसे- मर्चेन्डाइज़, तेज़ी से विकसित होता अपाचे ओनर ग्रुप (एओजी), अपाचे रेसिंग एक्सपीरिएंस (एआरई), अपाचे प्रो परफोर्मेन्स (एपीपी), टीवीएस वन मेक चैम्पियनशिप और मार्की राईड्स में स्पष्ट होता है। इन पहलों ने हमें न सिर्फइस ब्राण्ड को विकसित करने में मदद की है बल्कि हमें देश-विदेश में मौजूद हमारे उपभोक्ताओं के साथ भी करीब से जोड़ा है।

भारतीय शोधकर्ताओं ने 'स्क्रब टाइफस' के गंभीर मामलों की दवा द्वारा बेहतर इलाज का पता लगाया

चेन्नई, एजेंसी। विभिन्न संस्थानों के शोधकर्ताओं की एक भारतीय टीम ने 'स्क्रब टाइफस' के गंभीर मामलों की दवा द्वारा बेहतर इलाज का पता लगाया है। यह ओरिएंटिया सुत्सुगामुशी नामक बैक्टीरिया का जानलेवा संक्रमण है। मुख्य रूप से चूहों का यह संक्रमण ट्रॉम्बिक्युलिड माइट्स के लार्वा से मनुष्यों (जूनोज) में फैलता है।शोधकर्ताओं ने यह देखा कि स्क्रब टायफस के गंभीर मामलों के इलाज में केवल एक दवा से अधिक कारगर 'एंटीबायोटिक मिला कर' (दवाओं को मिला कर) उपचार करना है।स्क्रब टाइफस का संक्रमण भारत और अन्य दक्षिण एशियाई देशों में सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए एक बड़ा खतरा है।

संतोष डेहरिया उपाध्यक्ष नियुक्त

भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा छिंदवाड़ा नगर मंडल दो की मंडल कार्यकारिणी घोषित

छिंदवाड़ा । भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा जिलाध्यक्ष श्रीमती ज्योति डेहरिया की सहमति से एवं भाजपा छिंदवाड़ा नगर मंडल दो अध्यक्ष अंकुर शुक्ला की अनुशंसा पर भाजपा छिंदवाड़ा नगर अनुसूचित जाति मोर्चा मंडल अध्यक्ष संदीप बघेल द्वारा अनुसूचित जाति मोर्चा की छिंदवाड़ा नगर मंडल दो की कार्यकारिणी घोषित की गई जिसमें उपाध्यक्ष संतोष डेहरिया, जितेन्द्र पीपले, ओम बारसिया, भरत नागवंशी, महामंत्री अशोक बिंझाड़े, गोलू डेहरिया, मंत्री अरूण डेहरिया, विनोद पाटिल, जय कुमार डेहरिया, नितिन वंशकार, कोषाध्यक्ष शिवम वंशकार, सहकोषाध्यक्ष शिवा डेहरिया, मीडिया प्रभारी सुमित डेहरिया, सह मीडिया प्रभारी अज्जू वंशकार, सदस्य अज्जू मंडराह, ललित अहरवार, बलराम बघेल, राजेश गोलाइत, खेमचंद डेहरिया, पवन बिंझाड़े, कमल डेहरिया, दीपक आठनेरे, प्रेम डेहरिया, संजय डेहरिया, विशाल डेहरिया घोषित हुए । नियुक्ति पर भाजपा नेताओं एवं मोर्चा के पदाधिकारियों ने बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित की ।

धीरज खण्डेलवाल चौरई के अध्यक्ष बने

छिन्दवाड़ा । प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष, पूर्व मुख्यमंत्री माननीय कमलनाथ एवं जिले के सांसद माननीय नकुलनाथ के निर्देशानुसार चौरई शहर कांग्रेस अध्यक्ष एवं समन्वयक पद पर नियुक्ति की गई है। आगामी विधानसभा चुनाव के मद्देनजर संगठन को और अधिक सक्रिय करने की दृष्टि से नवनियुक्त पदाधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपी गई।जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष विश्वनाथ ओक्टे द्वारा प्रदत्त जानकारी के अनुसार चौरई शहर कांग्रेस अध्यक्ष पद पर धीरज खंडेलवाल मनोनीत किये गये हैं। समन्वयक पद पर अमित चौरसिया नियुक्त किये गये हैं। समस्त नवनियुक्त पदाधिकारियों ने अपनी नियुक्ति के प्रति माननीय कमलनाथ जी, माननीय नकुलनाथ जी सहित चौरई विधायक श्री सुजीत चौधरी, ब्लॉक अध्यक्ष एवं कांग्रेस के समस्त वरिष्ठ पदाधिकारियों का आभार माना है। नियुक्ति पर कांग्रेस पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने बधाई एवं शुभकामनायें प्रेषित की है।

भाजपा महिला मोर्चा सारना, चौरई ग्रामीण एवं अमरवाड़ा ग्रामीण मंडल अध्यक्ष घोषित

छिंदवाड़ा । भाजपा जिलाध्यक्ष विवेक बंटी साहू की सहमति से भाजपा महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष श्रीमती गरिमा प्रतीक दामोदर ने तीन भाजपा महिला मोर्चा मंडल अध्यक्षों की घोषणा की जिसमें छिंदवाड़ा विधानसभा के सारना मंडल में श्रीमती अनिता बेलवंशी, चौरई विधानसभा के चौरई ग्रामीण मंडल में श्रीमती काशी रघुवंशी को एवं अमरवाड़ा विधानसभा के अमरवाड़ा ग्रामीण मंडल में श्रीमती छाया बंटी इंगोले को नियुक्त किया गया है ।

हेमन्त साहू आई.टी.आई में सांसद प्रतिनिधी

छिंदवाड़ा । पांढुर्ना विधायक निलेश उइके ने कमलनाथ एवं नकुलनाथ की सहमति उपरांत पांढुर्ना जनपद पंचायत में विधायक प्रतिनिधि मनोनीत किये हैं। जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष विश्वनाथ ओक्टे द्वारा प्रदत्त जानकारी के अनुसार पांढुर्ना शासकीय आईटीआई में सांसद प्रतिनिधि की जिम्मेदारी हेमंत साहू को सौंपी है। पांढुर्ना जनपद पंचायत में विधायक प्रतिनिधि के पद पर ज्ञानेन्द्र परतेती किये गये हैं। नवनियुक्त सांसद प्रतिनिधि व विधायक प्रतिनिधि ने अपनी नियुक्ति के प्रति कमलनाथ एव नकुलनाथ सहित पांढुर्ना विधायक निलेश उइके, ब्लॉक अध्यक्ष व समस्त कांग्रेस के पदाधिकारियों का आभार माना है।

अल्पसंख्यक मोर्चा नगर अध्यक्ष शहबान खान

पांढुर्णा में मोर्चा मण्डल अध्यक्षो की हुई घोषणा

छिंदवाड़ा । पांढुर्णा नगर मंडल कार्यालय में विधानसभा विस्तारक दिनेश चौसे एवं विधानसभा संयोजक पूर्व विधायक अजय चौरे के मार्गदर्शन में सातों मोर्चा की बैठक संपन्न हुई। बैठक में नवनियुक्त मोर्चा अध्यक्ष की घोषणा की गई।जिसमें अल्पसंख्यक मोर्चा नगर अध्यक्ष शहबान खान, अल्पसंख्यक मोर्चा ग्रामीण अध्यक्ष अनीश भाई खान, अनुसूचित जाति मोर्चा अध्यक्ष पूर्व पार्षद राजेश कुंडे,अनुसूचित जाति मोर्चा अध्यक्ष पांढुर्ना ग्रामीण पंकज गजभिए एवं पांढुर्णा नगर मंडल सोशल मीडिया प्रभारी गणेश बापू बालपांडे को नियुक्त किया गया। नांदनवाड़ी मंडल अध्यक्ष को नियुक्त किया गया

सब्जियों अनाजो एवं फलों की प्रदर्शनी

अमरवाड़ा। ज्ञानदीप उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में कक्षा ग्यारहवीं कृषि संकाय के छात्र छात्राओं द्वारा विभिन्न सब्जियों अनाजो एवं फलों की प्रदर्शनी लगाई। जिसमे उनके वैज्ञानिक नाम, कुल एवं उनके विभिन्न किस्मो से का पूर्ण विवरण बताया गया। जिसका लाभ विद्यालय के अन्य छात्र छात्राओं ने भी लिया।

भारत को विदेश में बदनाम कर रहे राहुल गांधी

छिंदवाड़ा । पहुंचे केन्द्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा कि विदेश में जाकर राहुल गांधी न सिर्फ प्रधानमंत्री का अपमान कर रहे हैं बल्कि वे देश को भी शर्मिंदा कर रहे हैं सदन में उन्हें तर्कसंगत जवाब देते नहीं बनता लेकिन वह विदेश में जाकर देश के खिलाफ लंबा चौड़ा भाषण दे रहे हैं। तीन दिवसीय दौरे पर आए केन्द्रीय मंत्री ने कलेक्ट्रेट में अधिकारियों की समीक्षा बैठक लेने के बाद पत्रकारों से चर्चा कर रहे थे। दरअसल कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कैंब्रिज यूनिवर्सिटी में एक लेक्चरर के दौरान भारत में लोकतंत्र को खतरे में बताया इसी को लेकर केन्द्रीय मंत्री ने राहुल गांधी पर वार किया। उन्होने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने पूरे दुनिया में ऊंचा किया है लेकिन दूसरे देश में जाकर बदनामी करना कांग्रेस की आदत हो गई है।

अगले कुछ दिनों में आएंगे अमित शाह

केन्द्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा कि अगले कुछ दिनों के बाद केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह छिंदवाड़ा आएंगे उन्होने कहा कि मुझे खुशी है कि आवास योजना और अमृत सरोवर योजना में जिले ने काफी प्रगति की है।

आगवानी के लिए नहीं आईं कलेक्टर तो नाराज हुए

केन्द्रीय ग्रामीण विकास राज्यमंत्री गिरिराज सिंह कलेक्टर कार्यालय में अधिकारियों की बैठक लेने पहुंचे थे मंत्री समय पर बैठक में पहुंच गए लेकिन अगवानी करने के लिए सिर्फ एसडीएम ओ.पी.सनोडिया गेट पर खड़े थे कलेक्टर श्रीमति पटले को गेट पर नहीं देखकर मंत्री ने नाराजगी जताई और वापस अपनी कार में बैठ गए आनन फानन में कलेक्टर और एसपी विनायक वर्मा दौड़कर आए तब जाकर मंत्री बैठक में पहुंचे

महिलाओं को एक वर्ष में एक लाख का रोजगार मिले: गिरिराज सिंह

विभागीय अधिकारी नई तकनीकी अपनाकर टिशू कल्चर व ग्राफ्टिंग से अच्छी गुणवत्ताके पौधे तैयार करें

छिन्दवाड़ा। केन्द्रीय ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा कि जिले में वन व उद्यानिकी विभाग अपनी नर्सरी में नवाचार करते हुये नई तकनीकी को अपनाकर टिशू कल्चर व ग्राफ्टिंग से अच्छी गुणवत्ता के पौधों को तैयार करें जिससे कम समय में पौधे तैयार होकर उनसे अच्छी गुणवत्ता का उत्पादन मिले । इन नर्सरियों में बांस व टिम्बर के लिये मिलिया डूबिया व क्रोमलिया जैसी किस्मों, फलदार पौधों के लिये चिरौंजी, अंजीर, अमरूद, संतरा आदि का चयन करें तथा पौधों को तैयार करने के लिये स्व-सहायता समूह की महिला सदस्यों को प्रशिक्षण देकर उन्हें रोजगार से जोड़ने का कार्य करें। उन्होंने निर्देश दिये कि जिले के ग्रामीण विकास, वन, उद्यानिकी, मत्स्योद्योग, कृषि, पशुपालन, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन, उद्योग, नाबार्ड आदि विभागों के अधिकारी आज ही एक संयुक्त बैठक करें और इस बैठक में मनरेगा योजना के साथ ही अपनी विभागीय योजनाओं के माध्यम से एक ऐसी कार्ययोजना तैयार करें जिससे जिले की स्व-सहायता समूह की प्रत्येक महिला सदस्य को एक वर्ष में ही कम से कम एक लाख रूपये का रोजगार मिल सके । केन्द्रीय ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज मंत्री श्री सिंह ने ये निर्देश आज कलेक्टर कार्यालय के मिनी संवाद कक्ष में सभी विभागों के जिला स्तरीय अधिकारियों की समीक्षा बैठक में दिये। बैठक में राज्य सभा सांसद श्रीमती कविता पाटीदार, जिला आपदा प्रबंधन समिति के सदस्य विवेक साहू, कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले, पुलिस अधीक्षक विनायक वर्मा, राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन भोपाल के राज्य कार्यक्रम प्रबंधक (कृषि) मनीष पवार व उपायुक्त राकेश शुक्ला, वनमण्डलाधिकारी ईश्वर रामहरि जरांडे, लक्ष्मीकांत वासनिक व अक्षय राठौर, अतिरिक्त कलेक्टर ओ.पी.सनोडिया, एसडीएम श्री अतुल सिंह, संयुक्त कलेक्टर श्री अजीत तिर्की, अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री एस.के.गुप्ता और सभी विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित थे ।

622 जोड़ों के आवेदनों का नहीं हुआ पंजीयन

सामूहिक कन्यादान योजना के आवेदन आज शाम 5 बजे तक जमा होंगे
पोर्टल बंद होने से पंजीयन के लिए परेशान हो रहे थे जोड़े, जनप्रतिनिधियों की मांग पर कलेक्टर ने लिया फैसला

छिंदवाड़ा । नगर निगम द्वारा कन्यादान योजना के तहत सामूहिक विवाह कार्यक्रम का आयोजन 13 मार्च को किया गया है। प्रदेश सरकार द्वारा योजना में राशी बढ़ाए जाने को लेकर जोड़ों की संख्या बढ़ गई है लेकिन पोर्टल बंद होने से कन्यादान योजना में जोड़ों का पंजीयन नहीं होने से वे भटक रहे थे इसको लेकर भाजपा और कांग्रेस के पार्षदों में ने नाराजी जताई आखिर कलेक्टर के माध्यम से नगर निगम कमिश्नर ने पोर्टल खुलने की जानकारी दी। नगर निगम कमिश्नर राहुल सिंह ने बताया कि सामूहिक कन्या विवाह निकाह कार्यक्रम के आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 27 मार्च से संशोधित करके 4 मार्च शाम 5 बजे तक कर दी गई है। 27 मार्च की अंतिम तिथि के पश्चात भी निगम कार्यालय में प्रतिदिन आवेदन देने के लिए आवेदक उपस्थित हो रहे थे एवं जनप्रतिनिधियों द्वारा भी पात्र आवेदकों के आवेदन लिए जाने के संबंध में मांग की जा रही थी।

622 जोड़ों के आवेदन का नहीं हुआ था पंजीयन

निगम कार्यालय में अंतिम तिथि के पश्चात सात दिनों के भीतर लगभग 622 आवेदन प्राप्त हुए है। उक्त मांगों पर विचार करते हुए जिला कलेक्टर शीतला पटले ने आवेदन की अंतिम तिथि 4 मार्च शाम 5 बजे तक नियत की है। नगर पालिक निगम के योजना कार्यालय में उक्त समय तक सभी पात्र आवेदकों के आवेदन प्राप्त किए जायेंगे।

व्यवस्था बनाने कमिश्नर ने दिए निर्देश

3 मार्च को निगमायुक्त राहुल सिंह द्वारा मुख्यमंत्री कन्या विवाह निकाह योजना के संबंध में आवश्यक व्यवस्था हेतु सभी कर्मचारी एवं अधिकारियों की बैठक ली। दिनांक 13 मार्च को आयोजित होने वाले कार्यक्रम हेतु बैठक में निगमायुक्त ने कार्यक्रम की व्यवस्थाओं को लेकर सभी शाखा प्रभारियों को निर्देशित किया जिसमें आयोजन स्थल पर आवश्यक व्यवस्था टेंट माइक, विद्युत व्यवस्था पुष्प हार, बेदी की व्यवस्था, भोजन चाय की व्यवस्था, आमंत्रण पत्र वितरण बारात व्यवस्था बस का रूट चार्ट तैयार करना हितग्राहियों की उपस्थिति लेना एवं उनके प्रमाण पत्र वितरण की व्यवस्था बनाने सामूहिक विवाह कार्यक्रम में वितरण की जाने वाली राशि के चेक तैयार करने एवं उपहार सामग्री के वितरण की विस्तृत समीक्षा की। बैठक में कार्यपालन यंत्री एवं उपायुक्त ईश्वर सिंह चंदेली वित्त उपायुक्त कमलेश निर्गुड़कर सहित समस्त सहायक यंत्री, उपयंत्री एवं शाखा प्रमुख उपस्थित रहे।

54 कन्याओं के फार्म जमा करवाया

युवा मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष एवम जनपद सदस्य कुबेर सिंग सूर्यवंशी ने बताया की मुख्यमंत्री कन्यादान योजना के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों से आए लोगों का जिसमें छिंदवाड़ा, परासिया, जुन्नारदेव, तामिया व अमरवाड़ा क्षेत्रो से पात्र हितग्राहियों के मुख्यमंत्री कन्यादान योजना के फार्म नगर निगम जमा नही कर रहा था इसकी सूचना मिलते है, भाजपा जिला अध्यक्ष विवेक बंटी, नेता प्रतिपक्ष विजय पाण्डे साथ में महिला मोर्चा की जिला अध्यक्ष सहित भाजपा नेताओं के माध्यम से निगम आयुक्त व कलेक्टर के माध्यम से 54 कन्याओं के फार्म जमा करवाया गया।

आज केन्द्रीय मंत्री भाजपा के सभी मोर्चा कार्यसमिति की बैठक लेंगे

छिंदवाड़ा। भारतीय जनता पार्टी के जिले के सभी मोर्चों की बैठक आज स्थानीय दशहरा मैदान में दोपहर 11 बजे आयोजित की जा रही है। भाजपा मोर्चा कार्यसमिति की इस जिला स्तरीय बैठक को केंद्रीय पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री गिरिराज सिंह जी संबोधित करेंगे। इस जिला स्तरीय भाजपा मोर्चा कार्यसमिति कार्यशाला में भाजपा प्रदेश महामंत्री एवं राज्यसभा सदस्य कविता पाटीदार , सहित छिंदवाड़ा लोकसभा प्रभारी नरेश दिवाकर, भाजपा जिला अध्यक्ष विवेक बंटी साहू, जिला प्रभारी संतोष पारिक, लोकसभा संयोजक शेषराव यादव जी सम्मिलित होकर मार्गदर्शन प्रदान करेंगे।

आसाराम बापू को रिहा करने की मांग

44 करोड़ साधकों की धार्मिक आस्था की रक्षा हेतु सौंपा ज्ञापन

छिंदवाड़ा । विश्व महिला दिवस के उपलक्ष्य में अखिल भारतीय नारी रक्षा मंच ने आज देश के 650 जिला केंद्रों पर विरोध प्रदर्शन कर विशाल रैली निकालकर महामहिम राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और मुख्य न्यायाधीश सुप्रीम कोर्ट के नाम जिला कलेक्टर को ज्ञापन देकर संत श्री आशारामजी बापू की रिहाई की मांग की। ज्ञापन में बताया कि संत हमारी सनातन संस्कृति की पहचान हैं । हमारा देश संतों की , महापुरुषों की भूमि है । संत श्री आशारामजी बापू ऐसे संत हैं, जिन्होंने पूरे विश्व में आध्यात्मिक क्रांति लाई है। पूरे देश में जनहित के सेवाकार्यों की अलख जगाई है । सम्पूर्ण विश्व के बच्चों को विद्यार्थियों को, युवाओं को नई राह दिखाकर 14 फरवरी 9 मातृ - पितृ पूजन दिवस की शुरूआत की जो अब विश्व के 167 देशों का पर्व बन चुका है। इनके आज भी 550 आश्रम, 22 सौ समितियाँ और 11 करोड़ शिष्य हैं। सभी शिष्यों की माता, बहन, पत्नी, होना स्वाभाविक है, इस प्रकार 44 करोड़ लोगों की आस्था का जानबुझकर हनन किया जा रहा है । उनके प्रकरण में

ना कोई गवाह है, ना कोई सबूत । सभी सहआरोपियों को न्यायालय पहले ही बरी कर चुका है । फिर सिर्फ निर्दोष बापू के साथ ही अत्याचार क्यों ? माननीय सुप्रीम कोर्ट के सेवानिवृत्त न्यायाधीश मार्कण्डेय काटजू कहते है की देश की 80 प्रतिशत निचली अदालत भ्रष्ट हैं । जिसका परिणाम पूरा देश भुगत रहा हैं । देश में लगभग 90 करोड़ मतदाता हैं , जिसमें से 70 प्रतिशत मतदाता अपने मत का उपयोग करते हैं , और 36 प्रतिशत मत मिलने पर (23 करोड़) सरकार बन जाती है और यहाँ 44 करोड़ लोगों की आस्था जुड़ी है । इतिहास गवाह है = सन्तों पर जब - जब अत्याचार हुआ है , प्रकृति ने अपना रौद्र रूप दिखाया है । सन् 2018 में पूज्य बापू जी को सजा सुनाई । सन 2019 में कोरोना ने लाखों लोगों की जान लेकर करोड़ों लोगों को प्रभावित कर दिया । पूरे विश्व के हालात चिंताजनक है, रूस- यूक्रेन युध्द के कारण विश्व की अर्थव्यवस्था चौपट हो गयी है। वहीं हमारे पड़ोसी देश, श्रीलंका, पाकिस्तान, अफगानिस्तान, चीन, बांगलादेश के हालात चिंता जनक हैं । देश भर के जिला केंद्रों पर हम करोडों बहनें रैली निकालकर विरोध प्रदर्शन कर रहीं हैं। हमारी प्रार्थना है कि सम्पूर्ण मानव जाति के कल्याणार्थ संत श्री आशारामजी बापू की रिहाई की जाये।

नगर सभापति मास्टर प्लान को एक पत्र के माध्यम से पार्षदों को सूचित किया

परासिया। लोक निर्माण विभाग के सभापति होने के नाते मेरे द्वारा समस्त नगर पालिका परिषद परासिया के पार्षदों को पत्र के माध्यम से सूचित किया गया की उनके वार्ड में जिस भी तरह के निर्माण कार्यों की आवश्यकता है वह समस्त कार्यों की सूची बनाकर मुझे दे और सभी पार्षदों से सूची लेने के पश्चात पूरे 21 वार्ड का एक मास्टर प्लान मेरे द्वारा तैयार किया जाएगा और उस मास्टर प्लान में पार्षदों के द्वारा दिए गए निर्माण कार्यों की सूची में से प्राथमिकता के आधार पर निर्माण कार्यों को लिया जाएगा और फिर पूरी तरह से मास्टर प्लान तैयार करके शासन से राशि की डिमांड की जाएगी और शहर को सुव्यवस्थित सुंदर और स्वच्छ बनाने के लिए मास्टर प्लान बना कर कार्य किया जाएगा

आंबेडकर जन्मोत्सव पर फोटो बांटे

मेहरा डेहरिया समाज समिति छिन्दवाड़ा द्वारा बाबा साहेब आंबेडकर जन्मोत्सव के उपलक्ष में घर-घर बाबा साहब अभियान प्रारंभ किया गया जिसमें समिति पदाधिकारियों द्वारा पेंशनर प्रकोष्ठ के अध्यक्ष पी आर डेहरिय । के घर में जाकर बाबा साहब की फोटो ओर 14 अप्रैल के कार्यक्रम हेतु आमंत्रण प्रदान किया गया

केंद्रीय मंत्री पंच परमेश्वर प्रशिक्षण वर्ग एवं महिला सम्मेलन में लिया भाग

अमरवाड़ा। केंद्रीय पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री गिरिराज सिंह 3 दिन के दौरे पर छिंदवाड़ा पहुंचे।

श्री सिंह के साथ राज्यसभा सांसद कविता पाटीदार,संगठन प्रभारी संतोष पारिख,जिला अध्यक्ष विवेक बंटी साहू, रमेश दुबे, चौधरी चंद्रभान सिंह, कन्हैयाराम रघुवंशी, दौलत सिंह ठाकुर, टीकाराम चंद्रवंशी, प्रीति तिवारी, नीलेश कंगाली, उत्तम सिंह ठाकुर सहित वरिष्ठ जनप्रतिनिधि और गणमान्य नागरिक भी उपस्थित थे। जहां पर उन्होंने अमरवाड़ा विधानसभा क्षेत्र का दौरा करते हुए पंच परमेश्वर प्रशिक्षण वर्ग एवं महिला स्व सहायता समूह सम्मेलन कार्यक्रम में भाग लिया। कार्यक्रम में श्री सिंह ने कहा कि मैं सबसे जवान पार्टी का कार्यकर्ता हूं। 71 साल की उम्र में भी पार्टी के लिए कर्तव्यों के साथ पार्टी की सेवा करता रहा हूं और आप सभी से भी यही आशा और उम्मीद है। वहीं महिलाओं के सम्मेलन कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि हर महिला को लखपति बनना है और इसके लिए योजनाओं से लेकर खर्च करने तक हमारी सरकार प्रतिबद्ध है। वही कार्यक्रम में दूरदराज से पहुंची महिलाओं ने श्री सिंह के निर्देश पर कलेक्टर शीतला पटले से समस्याओं को लेकर वन टू वन चर्चा भी की। वहीं कांग्रेस के गढ़ कहे जाने वाले छिंदवाड़ा के बयान पर श्री सिंह ने पलटवार करते हुए कहा कि जिले में तो ऐसा कुछ ही नजर नहीं आ रहा। हम सातों की साथ विधानसभा जीतेंगे। इस अवसर पर छिंदवाड़ा कलेक्टर शीतला पटले,एसपी विनायक वर्मा,जिला परियोजना प्रबंधक राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन से रेखा अहरवार,छिंदवाड़ा एसडीएम अतुल सिंह,अपर कलेक्टर ओमप्रकाश सनोडिया,कृषि विभाग से जितेंद्र साहू,पशु चिकित्सा विभाग से पक्षकार जी,एसडीएम मनोज प्रजापति, तहसीलदार छवि पंत, बीआरसी विनोद वर्मा, सीईओ एमआर मेहरा सहित अलग-अलग विभागों के अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे। दोनों कार्यक्रमों के उपरांत श्री सिंह सहित पूरा काफिला जनपद अध्यक्ष निलेश कंगाली के गृह निवास भोजन करने पहुंचे।

ईतवारी-रीवा का सौंसर में स्टापेज की मांग

इतवारी से लेकर रीवा तक ट्रेन की स्वीकृति मिलने जिले वासियों में खुशी

सौसर । इतवारी से लेकर रीवा तक ट्रेन की स्वीकृति मिलने के बाद जिले वासियों को खुशी हो रही है। पर सौसर में ट्रेन का स्टॉपेज नहीं होने के चलते सौसर क्षेत्र वासियों में निराशा का माहौल है। वर्तमान में इस ट्रेन का स्टॉपेज रामाकोना में दिया है।सौसर क्षेत्र वासियों के द्वारा रेलवे बोर्ड, वरिष्ठ जनप्रतिनिधियों से रीवा एक्सप्रेस का सौसर में स्टॉपेज की मांग की जा रही है। मिली जानकारी के अनुसार रेलवे बोर्ड ने रीवा इतवारी एक्सप्रेस को हफ्ते में 4 दिन छिंदवाड़ा से होते हुए परिचालन करने पातालकोट एक्सप्रेस एवं पंचोली एक्सप्रेस टू सिवनी तक चलाने की स्वीकृति दे दी है।जिसमें रीवा इतवारी एक्सप्रेस हफ्ते में 4 दिन रीवा जबलपुर नैनपुर छिंदवाड़ा से होते हुए इतवारी तक चलेगी। और इसी रूट से वापस लौटेगी। इस ट्रेन का स्टॉपेज सतना, मैहर, कटनी,जबलपुर,नैनपुर, सिंवनी, चौरई, छिंदवाड़ा,रामाकोना, सावनेर इतवारी रहेगा।अब तक यह ट्रेन इतवारी से नैनपुर जबलपुर होते हुए रीवा तक जाती थी। इस ट्रेन के छिंदवाड़ा से होते हुए चलाने की मांग लंबे समय से की जा रही थी। जो कि अब पूरी होती जा रही है। रेलवे बोर्ड ने ट्रेन के परिचालन की स्वीकृति के साथ ही समय सारणी भी जारी कर दी है।हालाकी तिथि का अभी तक निर्धारण नहीं हुआ।

जबलपुर जाने के लिए रामाकोना तक होना पड़ेगा परेशान

तहसील मुख्यालय पर रेलवे विभाग की ओर से बड़ा जंक्शन बनाया गया। सौसर में रीवा एक्सप्रेस ट्रेन का स्टॉपेज नहीं हुआ है। रामाकोना हुआ है।जबकि सौसर क्षेत्र से सैकड़ों की तादाद में जबलपुर कई शासकीय विभागों का कमिश्नरी क्षेत्र होने के चलते शासकीय कर्मचारियों,शासकीय कार्यालयों एवं महाविद्यालय छात्र छात्राओं का निरंतर आवागमन रहता है। रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय से संबंध होने के चलते क्षेत्र के महाविद्यालयों का भी सीधा संपर्क जबलपुर से ही है। जबलपुर न्यायालय अधिवक्ताओं को जाना पड़ता है। क्षेत्र से बड़ी संख्या में मेहर धार्मिक स्थल में भी श्रद्धालुओं का आवागमन चलता है। औद्योगिक क्षेत्र की इकाइयों में रीवा सतना और इलाहाबाद के हजारों की तादाद में कामगार है। रामाकोना में स्टॉपेज होने के बाद यहां से लोगों को रामाकोना जाना पड़ेगा। वर्तमान में सौसर से जबलपुर रीवा जाने के लिए सीधी कोई वर्तमान में सेवा नहीं है।

जनप्रतिनिधि करें प्रयास तो हो सकता है समाधान

वर्तमान में अभी ट्रेन शुरू नहीं हुई है ऐसे में यदि क्षेत्र के कद्दावर जनप्रतिनिधि पुरजोर तरीके से रेलवे बोर्ड के पास सौसर में रीवा एक्सप्रेस ट्रेन के स्टॉपेज की मांग रखते हैं. तो सौसर में ट्रेन का स्टॉपेज मिल सकता है.वैसे तो यह रेलवे बोर्ड की समय सारणी घोषित होने के पूर्व ही क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों के द्वारा प्रयास करने चाहिए थे। रामाकोना रेलवे स्टेशन में स्टॉपेज होना और सौसर स्टॉपेज नही मिलना। इसमे कहीं ना कहीं क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों की कमजोरी नजर आ रही है। रीवा ट्रेन शुरू होने के पूर्व यदि जनप्रतिनिधि प्रयास करें तो सौसर क्षेत्रवासियों को जबलपुर रीवा जाने की सुविधा सौसर से ही प्राप्त हो सकती है। रेलवे बोर्ड से जुड़े सदस्य विजय धवले ने बताया कि जबलपुर से सीधी ट्रेन के लिए हम प्रयासरत थे। रीवा एक्सप्रेस ट्रेन अभी शुरु नही हुई है।सौसर स्टॉपेज के लिए प्रयास किए जाएंगे।

मुख्य स्टेशन नागपुर तक नहीं जा रही है क्षेत्र से ट्रेन

वर्तमान में जो ट्रेन का संचालन हो रहा है। वह इतवारी से लेकर छिंदवाड़ा तक हो रहा है। सौसर मोहगाव हवेली, पिपला ना वार, लोधिखेड़ा, क्षेत्र के लोगों को नागपुर मुख्य स्टेशन बर्डी तक ट्रेन नहीं जाने के चलते इतवारी स्टेशन में परेशान होना पड़ता है।इतवारी ट्रेन को मुख्य स्टेशन बर्डी तक करने की मांग सालों से की जा रही है। परंतु मांग अभी तक पूरी नहीं हुई है।जिसके चलते सौसर छेत्र से महाविद्यालय छात्र छात्राओं, मरीजों, व्यापारियों, दुकानदारों, विभिन्न निजी संस्थाओं में काम करने वाले आदि लोगों को इतवारी से मुख्य रेलवे स्टेशन तक जाने के लिए अधिक किराया चुकाना पड़ता है।इतवारी स्टेशन पर उतरने के बाद यात्रियों को मुख्य स्टेशन बर्डी तक नहीं पहुंचने,के कारण अन्य महानगरों की ओर जाने वाली ट्रेनों मैं सफर करने के लिए इतवारी से मुख्य स्टेशन बर्डी जाना पड़ता है। जिससे यात्रियों का समय और पैसा बर्बाद हो रहा है।छिंदवाड़ा की ओर से चलने वाली सभी ट्रेनों को नागपुर मुख्य बर्डी स्टेशन तक चलाने की मांग की जा रही है।

शिविर में 350 से अधिक नेत्र एवं अन्य रोगियों का हुआ परीक्षण

23 मरीज को आपरेशन के लिए भेजा लायंस हॉस्पिटल

छिंदवाड़ा । सामाजिक सरोकार में अग्रणी सेवा संकल्प वेलफेयर सोसाइटी के तत्वाधान में भायदे कॉलोनी संकल्प पब्लिक स्कूल में नि:शुल्क मोतियाबिंद परीक्षण एवं स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया अध्यक्ष चंद्रकांत विश्वकर्मा,सचिव संदीप अग्निहोत्री ने बताया की कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ सरस्वती पूजन दीप प्रज्वलन के साथ प्रारंभ हुआ कार्यक्रम में अतिथि के तौर महापौर विक्रम आहके, वरिष्ठ चिकित्सक डॉक्टर के एस बजाज जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक पवन सहगल, ब्लाक समन्वयक अखिलेश जैन, राष्ट्रपति पुरस्कार पुरस्कृत विनोद तिवारी, पार्षद धनराज भावरकर सुरेश कपाले , सिंगर बादल भारद्वाज, श्रीमती लता नागले मुख्य रूप से उपस्थित रहे शिविर में 350 से अधिक नेत्र रोगियों एवम जनरल मरीजों ने अपने आंखों की जांच कराई एवं 23 मरीज मोतियाबिंद ऑपरेशन के लिए चिन्हित कर मरीजों को तत्काल लायंस नेत्र चिकित्सालय परासिया में ऑपरेशन के लिए भेजा गया । शिविर में दंत रोग विशेषज्ञ डा. हितेश मिश्रा, डा. पवन नेमा, डा. चित्रलेखा ठाकुर ने अपनी सेवाएं प्रदान किए एवम जरूरतमंद को नि:शुल्क दवाई संस्था द्वारा प्रदान की गई । सभी मरीजों ने स्वास्थ व्यवस्था को लेकर प्रशंसा करते हुए कहा कि इतनी अच्छी व्यवस्था एवं प्रतिष्ठित चिकित्सकों के माध्यम से हमारा उपचार हुआ है। सभी मरीजों ने संकल्प के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित की शिविर में वरिष्ठ लोक अभियोजक अजय पालीवाल, लायंस क्लब अध्यक्ष योगेश पटेल, सुभाष शुक्ला, आराधना शुक्ला, कल्पना श्रीवास्तव, ललिता सरवैया मुख्य रूप से उपस्थित रहे। शिविर में निगम महापौर विक्रम अहके ने ऐसे सेवा कार्य के लिए सेवा संकल्प सोसाइटी की भूरी भूरी प्रशंसा की एवं सदैव ऐसे कार्य करते रहें इसके लिए संस्था सदस्यो को बधाई दी जन अभियान परिषद जिला समन्वयक पवन सहगल ने कहा कि नेत्र शिविर के आयोजन से 23 मोतियाबिंद के मरीजों को नेत्र ज्योति मिलेगी और हम संकल्प के साथ ऐसे नेत्र शिविर आयोजित करते रहेंगे जन अभियान परिषद ऐसे सेवा कार्यों में हमेशा आप लोगो के साथ है । कार्यक्रम में संकल्प प्रवक्ता डा.डी. एस. चौरे, डा महेश बंदेवार, निर्मला घई,पूजा चंद्रवंशी, हर्षा बनोदे , अमोल डबली, रणधीर ताम्रकार, डा इमरान खान, डा जैमिनी खानवे, हरीश गढ़ेवाल, श्याम, नरेंद्र पाल, साहिद मंसूरी,भावना बनारसे,नंदू निर्मलकर,भारती जैन, रिंकी चौरसिया,कल्पेश पटेल, कल्पना श्रीवास्तव, फुलेश सूर्यवंशी ,रुकमणी ठाकुर अनीता शुक्ला वंदना भट्टपगार ,निगर अहमद, अस्मिता डेहरिया मीना अग्निहोत्री, निशा यादव ,श्वेता साहू , डा. यशमीन, डा सविता चौरे,दीप्ति आदि सदस्य ने कार्यक्रम को सफल बनाने सहयोग किया।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने लगाए पौधे, पुस्तक विमोचन भी किया

भोपाल। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने आज श्यामला हिल्स स्थित उद्यान में पीपल, आम, सतपर्णी, खिरनी और बरगद के पौधे लगाए। मुख्यमंत्री श्री चौहान के साथ आज मध्यप्रदेश राज्य कौशल विकास एवं रोजगार निर्माण बोर्ड के अध्यक्ष श्री शैलेन्द्र शर्मा ने अपने जन्म वर्षगांठ पर पौधरोपण किया। इस अवसर पर श्री शैलेन्द्र शर्मा की माता जी श्रीमती लक्ष्मी देवी शर्मा, तन्मय शर्मा, सम्यक शर्मा और प्रभव शर्मा ने पौधरोपण किया। जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट भी इस अवसर पर उपस्थित थे।

इस बार भोपाल में गोकाष्ठ की लकड़ियों की होली जलाने की तैयारियां।

व्यापमं चौराहे के समीप पूर्व मुख्यमंत्री स्व. अर्जुन सिंह की पुण्य तिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

पीएम पर टिप्पणी के आरोप में जेल में बंद राजा पटेरिया रिहा

पन्ना। पूर्व मंत्री एवं कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राजा पटेरिया को जेल से शुक्रवार शाम रिहा कर दिया गया। उनके रिहा होने से कांग्रेस कार्यकर्ताओं में हर्ष देखा जा रहा है। उनकी रिहाई आज 4 मार्च को होना थी, लेकिन जेल प्रशासन ने एक दिन पहले ही उन्हें रिहा कर दिया। उन्हें

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर विवादित टिप्पणी के बाद हटा से गिरफ्तार किया गया था। इसके बाद वे करीब ढाई महीने से उप जेल पवई में बंद थे। जेल से बाहर आने के बाद राजा पटेरिया ने प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री को धन्यवाद देते हुए कहा कि उन्होंने उन्हें यहाँ तक भेजा हे। जेल का यह समय उनके लिए शोध संस्थान की तरह रहा, यह उनके लिए शोध विश्वविद्यालय रहा है। उन्होंने पवई की जनता का धन्यवाद किया। साथ ही कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष कमलनाथ, नेता प्रतिपक्ष डॉ गोविंद सिंह एवं अरुण यादव सहित तमाम साथियों को याद किया, जिन्होंने इस दुख की घड़ी में उनका साथ दिया। उन्होंने सभी को धन्यवाद दिया। राजा पटेरिया ने इसके अलावा अपने राजनीतिक गुरु रघु यादव को भी याद किया। राजा पटेरिया ने मीडिया से बात करते हुए आगे कहा कि जेल में ब्राह्मण, ठाकुर, हरिजन आदिवासी दलित सब बराबर है। सब एक समान है और यह सामाजिक व्यवहार में भी होना चाहिए। उन्होंने जेल भेजे जाने के लिए प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री को धन्यवाद दिया। कहा कि जेल का यह समय उनके लिए शोध की तरह रहा है।

उज्जैनः नारायणा धाम में 151 क्विंटल फूलों से खेली जाएगी होगी, निकलेगी पेशवाई

उज्जैन। जिले की महिदपुर तहसील में स्थित श्रीकृष्ण सुदामा की मित्रता के प्रतीक नारायणा धाम में 7 मार्च को फाग महोत्सव एवं ध्वज उत्सव का आयोजन होगा। महंत दिग्विजय महाराज निर्वाणी अखाड़ा द्वारा पेशवाई में निशान एवं अखाड़ा निकाला जाएगा। होली एवं ध्वज उत्सव चल समारोह मंदिर से प्रात:9 बजे बैण्ड-बाजे एवं ढोल-नगाड़ों के साथ प्रारंभ होगा। श्री कृष्ण सुदामा नारायणा धाम समिति सदस्य डॉ दुर्गाशंकर पांचाल ने बताया कि मालवी फाग गीतों पर बाबूलाल देवड़ा की कलाकार मंडली के साथ ही अंचल के क्षेत्रों से भजन मण्डलिया भी सम्मिलित होगी।

लाड़ली बहना योजना पर केंद्रित रही भाजपा विधायक दल की बैठक

भोपाल। मुख्यमंत्री निवास में हुई भाजपा विधायक दल की बैठक इस बार मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना पर केंद्रित रही। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि 5 मार्च से शुरु हो रही इस योजना का लाभ किस तरह से पात्रों को दिलाना है, इसके लिए विधायकों को पूरी सर्तकता रखनी होगी। बैठक को मुख्यमंत्री चौहान के अलावा प्रदेशाध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा व संसदीय कार्यमंत्री डॉ.नरोत्तम मिश्रा ने भी संबोधित किया।

बैठक में विधायकों से कहा गया है कि उन्हें अपने-अपने क्षेत्रों में हितग्राही मूलक योजनाओं की जानकारी घर-घर जाकर देनी है। विधायकों को मौजूदा बजट का भी अध्ययन करना होगा,कि उनमें हितग्राही योजनाओं के लिए इस बार कितने बजट का प्रावधान किया गया है। विधायकों से कहा गया है कि उनके द्वारा हितग्राहियों से संपर्क और संवाद बनाया जाए और उन्हें बताया जाए कि भाजपा की सरकार से पहले किसी भी सरकारों ने गरीबों,किसानों,बहनों ,युवाओं और सभी वर्गों का ध्यान नहीं दिया है।

बहना योजना के लिए दिए ये निर्देश- बैठक में विधायकों को मुख्यमंत्री

लाड़ली बहना योजना के बारे में भी जानकारी दी गई। सभी विधायकों के आईपैड पर योजना का प्रोफार्मा भी भेज दिया गया। जानकारी के अनुसार बैठक के दौरान कुछ विधायकों ने सवाल किया कि योजना के तहत पात्रों से स्थानीय मूल निवास पत्र देने की बात कही जा रही है,जबकि कई ऐसे बहनें है,जिनकी शादी दूसरे जिलों में हुई है,ऐसे में उनका स्थानीय मूल निवास पत्र कैसे मिल पाएगा,इस पर विधायकों से कहा गया कि उनके द्वारा ऐसे पात्रों के निवास पत्र सत्यापित कराएं जाए,कि उनकी शादी वहां हुई है,जहां के पते पर उनके द्वारा योजना के लिए आवेदन किया जा रहा है।

लाडली बहना पर रार, पूर्व वित्त मंत्री को बीजेपी नेता ने दी चुनौती

मध्य प्रदेश की शिवराज सरकार प्रदेशभर की बहनों को लाडली बहना योजना का लाभ देने की पूर्ण तैयारी कर ली है। इस योजना का शुभारंभ प्रदेश के मुखिया शिवराज सिंह चौहान के जन्मदिन 5 मार्च से होगा। इसमें राज्य की कम से कम एक करोड़ बहनों को हर महीने 1000 रुपये दिये जाएगें। लेकिन कमलनाथ सरकार के समय वित्त मंत्री रहे तरुण भनोट ने इस योजना को लेकर कुछ आंकड़े जारी किए है दूसरी तरफ बीजेपी के वरिष्ठ नेता डॉक्टर हितेश वाजपेई ने तंज कसते हुए कहा है कि 10 बिंदुओ के 10 रेफरेंस दीजिए नही तो आप फर्जी हुए महाराज। अच्छा हुआ आप ज्यादा दिन वित्त मंत्री नही रहे।

लाडली बहना योजना को लेकर कांग्रेस नेता तरुण भनोट ने यह 10 बिंदु जारी किये हैं–

>> प्रदेश में महिलाओं की संख्या 4.50 करोड़

>> 23 वर्ष से कम की महिलाएं एक करोड़। इन्हें लाभ नहीं मिलेगा।

>> 60 वर्ष से अधिक की महिलाएं एक करोड़। इन्हें भी नहीं मिलेगा लाभ।

>> परिवार में ढाई लाख से अधिक आमदनी वाली महिलाएं-50 लाख।

>> 5 एकड़ से अधिक परिवार में जमीन वाली महिलाएं 50 लाख।

>> परिवार में सरकारी सदस्य वाली महिलाएं 30 लाख।

>> घर में चार पहिया वाहन या ट्रेक्टर वाली महिलाएं 20 लाख।

>> अन्य दूसरी वजह से लाडली बहना के लिये अयोग्य महिलाओं की संख्या 80 लाख।

>> लाडली बहना के लिए आवेदन करने की पात्र महिलाएं बची मात्र 20 लाख।

>> इन 20 लाख महिलाओं के कागजों की जांच करते हुए लग जाएगी आचार संहिता।

>> जनता के हाथ में आएगा मामा जी का ठुल्लू। मामा ने बनाया सबको उल्लू।

बीजेपी नेता ने दी चुनौती

बीजेपी के वरिष्ठ नेता और प्रवक्ता डॉक्टर हितेश वाजपेई ने लिखा है कि महाराज आप तो एक बार प्रदेश के वित्त मंत्री रहे हैं। मै आपको जानता हूँ कि आप विद्वान भी हैं। ये जो आंकड़े आपने जोड़कर देखा कि जनसंख्या के अनुपात मे कुल कितने हो रहे हैं, इन आँकड़ों का सोर्स भी आपको 100 प्रतिशत नही पता होगा क्योंकि ये आपके डर्टी ट्रिक्स डिपार्टमेंट की वॉट्स अप जानकारी है न? आपको कम से कम कुतर्क और फर्जी आंकड़ो को जिनका कोई आधार या सोर्स नही है, नही पेश करना चाहिए।बावजूद इसके मेरी आपको खुली चुनौती है कि अपने आंकलन के संदर्भ मे रेफरेंस दे दीजिए अन्यथा आज से आप को सब फर्जी कहेंगे और आपने दो घंटे मे रेफरेंस दे दिया तो मै अपने आप को फर्जी घोषित कर दूंगा भानोत साहब ! आपका समय शुरू होता है अब।

घाटे से नहीं उबर पा रही बिजली कंपनियाँ, शासन पर 9354 करोड़ बकाया

भोपाल। प्रदेश सरकार पर पूर्व, मध्य और पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कम्पनियों की 9354.18 करोड़ रुपए की सब्सिडी बकाया है। विद्युत वितरण कम्पनियां सरकार की तमाम कोशिश के बाद भी घाटे से बाहर नहीं निकल पा रही हैं। केवल पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कम्पनी ही ऐसा काम कर सकी जो पांच साल के अंतराल में दो साल तक घाटे से बाहर रही। वह पिछले साल फिर घाटे की चपेट में आ गई है। इसके अलावा मध्यक्षेत्र और पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कम्पनियां कभी घाटे से उबर नहीं पाई हैं।

पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कम्पनी के क्षेत्र में आउटसोर्स पर काम करने वाले कर्मचारियों और नियमितिकरण की मांग को लेकर इनके द्वारा किए जा रहे प्रदर्शन को लेकर विधायक सुजीत मेर सिंह ने जानकारी मांगी है। इसके लिखित जवाब में मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने कहा कि इस कम्पनी के क्षेत्र में 5184 कुशल, 4391 अर्द्धकुशल और 4429 अकुशल श्रमिक काम कर रहे हैं जिनकी कुल संख्या 14003 है। इन कर्मचारियों को बोनस न मिलने पर होने वाली दिक्कतों के समाधान की बात भी कही गई है।

मंत्री तोमर ने एक अन्य विधायक निलय डागा के सवाल के जवाब में कहा कि

मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कम्पनी में कुल 5319 नियमित, 2210 संविदा और 14046 आउटसोर्स कर्मचारी काम कर रहे हैं। आउटसोर्स कर्मचारियों के नियमितिकरण का कोई प्रस्ताव शासन के पास विचाराधीन नहीं है।

एनटीपीसी और बीएलए यूनिट से खरीदी महंगी बिजली- मंत्री तोमर ने विधायक जीतू पटवारी के सवाल के जवाब में कहा है कि प्रदेश में सबसे महंगी बिजली निजी उत्पादन इकाई से दिसम्बर 2022 में 6.215 रुपए प्रति यूनिट की दर से खरीदी गई है। यही बिजली सरकारी उपक्रम में एनटीपीसी से 7.458 रुपए प्रति यूनिट भी खरीदी गई है। सबसे सस्ती बिजली निजी कम्पनी के मामले में सासन यूएमपीपी से 1.722 रुपए प्रति यूनिट और सरकारी उपक्रम के मामले में रानी अवन्ति बाई हाइडल पावर स्टेशन बरगी से 0.569 रुपए प्रति यूनिट खरीदी गई है।

ऐसा है साल दर साल विद्युत हानि का चक्र: वितरण कम्पनी 2017-18 2018-19 2019-20 2020-21 2021-22, पूर्व क्षेत्र कम्पनी -2190.46 2896.68 -1571.34 -2754.14 -517.84, मध्य क्षेत्र कम्पनी -2716.79 -3837.52 -1275.15 -1449.74 -257.54 ,पश्चिम क्षेत्र कम्पनी -157.00 -565.25 929.08 228.55 1789.72।

49 आईएएस अफसरों के खिलाफ लोकायुक्त और ईओडब्ल्यू में जांच पेंडिंग

भोपाल। लोकायुक्त और ईओडब्ल्यू में 49 आईएएस अफसरों के खिलाफ जांच और विवेचना चल रही है। इसमें सबसे पुरानी जांच ईओडब्ल्यू में पेंडिंग हैं, जो 18 साल से चल रही है। जबकि लोकायुक्त में सबसे पुरानी जांच आठ साल पुरानी हैं।

लोकायुक्त में इस साल तक आईएएस अफसर के खिलाफ प्रकरण दर्ज हुआ। जबकि ईओडब्ल्यू में 2017 के बाद से किसी भी आईएएस अफसर के खिलाफ प्रकरण दर्ज नहीं हुआ। इस संबंध में कांग्रेस विधायक आरिफ अकील ने विधानसभा में सवाल लगाया था। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने लिखित जवाब में बताया कि प्रदेश में आईएएस अफसरों के खिलाफ लोकायुक्त में 41 जांच चल रही है। इनमें से कुछ विवेचनाधीन भी है। इसी तरह आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ (ईओडब्ल्यू) 8 प्रकरण विवेचना में हैं। लिखित उत्तर में बताय गया कि लोकायुक्त में वर्ष 2014 में आईएएस अफसरों के खिलाफ दो प्रकरण दर्ज हुए थे, उनकी जांच चल रही है। इसी तरह वर्ष 2015 में भी आईएएस अफसरों के खिलाफ दो प्रकरण दर्ज हुए थे उनकी भी जांच चल रही है। इसी तरह वर्ष 2016 में चार प्रकरण जांच में हैं। वर्ष 2017 के तीन प्रकरण जांच और विवेचनाधीन हैं। वर्ष 2018 और 2019 में एक-एक प्रकरण आईएएस अफसर पर दर्ज हुए इनमें भी जांच और विवेचना चल रही है। इसी तरह वर्ष 2020 में चार प्रकरण, वर्ष 2021 में सात, वर्ष 2022 में 16 और इस साल एक प्रकरण आईएएस अफसर के खिलाफ जांच और विवेचना चल रही है।

इसी तरह ईओडब्ल्यू में वर्ष 2004 के एक प्रकरण में आईएएस अफसर के खिलाफ विवेचना चल रही है। इसी तरह वर्ष 2009 में एक, वर्ष 2011 में 2, वर्ष 2012, 2013, 2014, 2015 और 2017 के एक-एक प्रकरण विवेचनाधीन हैं।

मप्र में 4 से 7 मार्च तक बारिश, ठंडी-गर्म हवाओं के असर से बदलेगा मौसम

भोपाल। ठंडी-गर्म हवाओं के असर से मध्यप्रदेश में 4 से 7 मार्च तक मौसम बदला रहेगा। बादल छाए रहेंगे तो बारिश भी होगी। इससे भोपाल, इंदौर, उज्जैन, जबलपुर, नर्मदापुरम, सागर, रीवा और शहडोल संभाग के भींगने के आसार है। मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि बारिश और बादल छाने के बावजूद दिन-रात के तापमान में ज्यादा अंतर नहीं आएगा। 7 मार्च के बाद गर्मी का असर बढ़ेगा।

आज शाम से मौसम बदल जाएगा। भोपाल में भी बादल छाने का अनुमान है, जबकि बैरसिया इलाके में हल्की बारिश हो सकती है। रविवार को बादल छाए रहेंगे, जबकि सभी जगह हल्की बारिश होगी। सोमवार को भी भोपाल में हल्की बारिश के आसार है। हालांकि, दिन और रात के तापमान में ज्यादा गिरावट होने की संभावना नहीं है। दिन में 34-35 और रात में तापमान 18-19 डिग्री के आसपास रहेगा।मौसम वैज्ञानिक एसएच पांडे ने बताया कि उत्तर भारत में पश्चिमी विक्षोप एक्टिव है। साथ में दक्षिण-पश्चिम हवाएं मध्यप्रदेश में पहुंच रही है। इससे अरब सागर से गर्म और नम हवाएं आ रही है। मौसम बदलने से महाराष्ट्र थोड़ा गर्म है। वहां से गर्म और उत्तर से ठंडी हवाओं का प्रवेश भी हो रहा है। दोनों के मिश्रण में सेंट्रल इंडिया में क्लाउड फार्मेशन हो रहा है। इसी वजह से प्रदेश में मौसम का मिजाज बदसा सा रहे। प्रदेश के दक्षिणी हिस्से में बारिश का दौर शुरू होगा। 4 और 5 मार्च को भोपाल, इंदौर, उज्जैन और नर्मदापुरम संभाग में हल्की बारिश होगी। वहीं, 6 और 7 मार्च को सागर, रीवा, शहडोल और जबलपुर में हल्की बारिश होगी।

मध्यप्रदेश में आम आदमी पार्टी 230 सीटों पर पूरी ताकत से लड़ेगी चुनाव : संदीप पाठक

भोपाल। राष्ट्रीय संगठन महामंत्री राज्यसभा सांसद डॉ संदीप पाठक लगातार मध्यप्रदेश दौरे पर है ग्वालियर सतना जबलपुर में कार्यकर्ता संवाद के बाद उन्होंने भोपाल संभाग के कार्यकर्ताओं से किया संवाद हजारों की संख्या में कार्यकर्ता हुए शामिल।

सांसद डॉ संदीप पाठक ने प्रेस वार्ता में कहा राजनीति दो तरह की रह गई है एक अच्छी और एक बुरी, अब मध्यप्रदेश की जनता खुद को ठगा महसूस कर रही है और तीसरा विकल्प तलाश रही है विधायकों का बाजार बना हुआ कांग्रेस बिक रही है और भाजपा खरीद रही है इन दोनों ही पार्टी को जनता से कोई मतलब नही है।

डॉ संदीप पाठक ने कहा मध्यप्रदेश की जनता ने कांग्रेस और भाजपा को काम करनेका भरपूर मौका दिया ये दोनों ही पार्टी ये नही कह सकती कि इनको मौका नही मिला प्रदेश की दो दलिये लूट की व्यवस्था से जनता बेहद

परेशान है हमे पूरा विश्वास है प्रदेश की जनता काम की राजनीति को अपनायेगी अरविंद केजरीवाल मॉडल पर मोहर लगाएगी मध्यप्रदेश में भी दिल्ली की तर्ज पर शिक्षा स्वास्थ्य बिजली पानी पर करेंगे ऐतेहासिक बदलाव आम आदमी पार्टी की लड़ाई केवल विकास की भ्रष्टाचार मुक्त देश बनाने की है व्यवस्था परिवर्तन की है।

इंदौर और भोपाल में कोरोना के 8 नए मरीज मिले

भोपाल। कई महीनों बाद मध्यप्रदेश में कोरोना के 8 नए मरीज मिले हैं। स्वास्थ्य विभाग के हेल्थ बुलेटिन के अनुसार इंदौर में 6 और भोपाल में 2 नए संक्रमित सामने आए हैं। 459 लोगों के सैंपलों की जांच में ये मामले सामने आए। इसके साथ ही राज्य में सक्रिय मरीजों की संख्या 15 हो गई। अब इंदौर में 8, भोपाल में 6 और ग्वालियर में एक सक्रिय मरीज है।

प्रदेश में कोरोना के मामले कम होते गए और जनवरी तक पूरी तरह कोरोना से मुक्त हो गया था। लेकिन, पिछले तीन दिन से यहां नए मामले मिलने का सिलसिला फिर से शुरू हो गया। इसकी वजह लोगों का इस महामारी के प्रति लापरवाहीपूर्ण रवैया है। क्योंकि, कोरोना से संबंधित प्रतिबंध

समाप्त होने के बाद मास्क-सैनेटाइजर के उपयोग के साथ-साथ दो गज की दूरी के नियम का पालन भी बंद हो गया है। लोग अब भीड़-भीड़ में जाने से भी नहीं कतराते हैं।

इंदौर में कोरोना के नए मामले सामने आए थे। बुधवार को कोरोना का एक, गुरुवार को एक मरीज मिलने के साथ ही शुक्रवार को इनकी संख्या बढ़कर 6 हो गई है। इंदौर में अब कुल 8 सक्रिय मरीज हो गए हैं। इसके अलावा भोपाल में 2 नए मामलों के साथ सक्रिय मरीजों की संख्या 6 हो गई है। एक मरीज ग्वालियर में भी है।

हैरत की बात यह है कि कोरोना वायरस के बढ़ते मरीजों की संख्या के बावजूद भी स्वास्थ्य विभाग की तरफ से लोगों को सतर्क रहने की सूचना नहीं दी जा रही है। अभी भी स्वास्थ्य विभाग की ओर से लापरवाही बरती गई तो शहर में एक बार फिर कोरोना के मरीजों की संख्या बढ़ सकती है।